



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 7]
No. 7]

नई दिल्ली, सनिवार, फरवरी 16, 1991/ माघ 27, 1912
NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 16, 1991/MAGHA 27, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएँ
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1991

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 1st February, 1991

का.आ. 462—यतः जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने दिनांक 24 जुलाई, 1990 को एक अधिसूचना जारी करके इसके पैरा 2 में उल्लिखित मामलों के संबंध में जांच करने हेतु एक जांच आयोग का गठन किया था जिसके एकमात्र सदस्य भारत के उच्चतम न्यायालय के अवकाश-प्राप्त न्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री डी. पी. मडोन है ;

और यतः न्यायमूर्ति श्री डी. पी. मडोन ने अपने दिनांक 7 दिसम्बर, 1990 के पत्र के माध्यम से उक्त मेहम जांच आयोग से तात्कालिक प्रभाव से त्याग-पत्र दे दिया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मेहम जांच आयोग से न्यायमूर्ति श्री डी. पी. मडोन के त्याग-पत्र को दिनांक 7 दिसम्बर, 1990 के पूर्वानुमति से स्वीकार करती है।

[सं. 4/15013/1/90—सी. एस. आर.]

बी. के. दास, संयुक्त सचिव

(861)

S O. 462.—Whereas the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), appointed a Commission of Inquiry consisting of a single member, namely Shri Justice D. P. Madon, retired Judge of the Supreme Court of India, vide the Notification dated 24th July, 1990, for making an enquiry with respect of the matters mentioned in para 2 thereof;

And whereas Shri Justice D. P. Madon has resigned from the said Meham Commission of Inquiry with immediate effect vide his letter dated 7th December, 1990.

Now, therefore, the Central Government hereby accept the resignation of Shri Justice D. P. Madon from the Meham Commission of Inquiry with effect from the forenoon of 7th December, 1990.

[No. IV/15013/1/90-CSRI]

B. K. DAS, Jr Secy.

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेशन मन्त्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1991

का. आ. 463—केन्द्रीय सरकार, वण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे उल्लिखित केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निम्नलिखित अभियोजन अधिकारियों को, भारत के ऐसे किसी राज्य या सघ राज्य क्षेत्र में, जिसको पूर्वोक्त धारा के उपबंध लागू होते हैं, विधि द्वारा स्थापित विचारण न्यायालयों में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन द्वारा संस्थित मामलों का और पुनरीक्षण या अपील न्यायालयों में इन मामलों से उद्भूत अपील, पुनरीक्षण या अन्य विषयों के संचालन के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

सर्वश्री

- 1 एस. के. सक्सेना
- 2 आर. एस. जामुआर
- 3 एम. पी. जोहरी
- 4 के. एन. शर्मा
- 5 ए. के. दत्त
- 6 बी. एन. श्रीवास्तव
- 7 बलजीत सिंह
- 8 सी. एस. शर्मा
- 9 जी. विट्ठल
- 10 एस. पी. श्रीवास्तव
- 11 एस. पी. निगम
- 12 ठकुरी
- 13 जयदेव प्रसाद
- 14 एस. पी. मिश्रा
- 15 आई. डी. बैद्य
- 16 एम. ईमादुद्दीन
- 17 एम. जी. मीना
- 18 ए. के. श्रीवास्तव
- 19 बी. एन. सिंह
- 20 बी. एन. ओझा
- 21 डी. के. सक्सेना
- 22 आर. के. वर्मा
- 23 ओम प्रकाश वर्मा
- 24 एन. सी. पांडा
- 25 पी. प्रसाद
- 26 के. एन. रवीन्द्र
- 27 एस. भट्टाचार्य

[संख्या 225/42/90 - ए वी डी - II]

ए. सी. शर्मा, अव्वर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 24th January, 1991

SO 463—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints the following prosecuting officers of the Central Bureau of Investigation as Special Public Prosecutors for conducting cases instituted by the Delhi Special Police Establishment in trial courts, and appeals, revisions or other matters arising out of these cases in revisional or appellate courts, established by law in any State or Union Territory of India to which the provisions of the aforesaid Section apply, namely—

- 1 Shri S. K. Saxena
- 2 Shri R. S. Jamuar
- 3 Shri M. P. Johri
- 4 Shri K. N. Sharma
- 5 Shri A. K. Datt
- 6 Shri V. N. Srivastava
- 7 Shri Baljeet Singh
- 8 Shri C. S. Sharma
- 9 Shri G. Vittal
- 10 Shri S. P. Srivastava
- 11 Shri S. P. Nigam
- 12 Shri Thakuri
- 13 Shri Jayadeva Prasad
- 14 Shri S. P. Mishra
- 15 Shri I. D. Vaid
- 16 Shri M. Imaduddin
- 17 Shri M. G. Meena
- 18 Shri A. K. Srivastava
- 19 Shri V. N. Singh
- 20 Shri V. N. Ojha
- 21 Shri D. K. Saxena
- 22 Shri R. K. Verma
- 23 Shri Om Prakash Verma
- 24 Shri N. C. Panda
- 25 Shri O. P. Prasad
- 26 Shri K. N. Ravindran
- 27 Shri S. Bhattacharya

[No 225/42/90-AVD III]

A. C. SHARMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1991

का. आ. 464—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 का खंड (5) के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा परीक्षक और लेखा विभाग में कार्य कर रहे व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम, 1972 का और सशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् —

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) द्वितीय सशोधन नियम, 1991 है।

2. (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 54, उपनियम (7) में,—

(1) खंड (क) के उपखंड (ii) में परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—
“परन्तु यदि उस विधवा का कोई बालक उत्तर-जीवी नहीं रहता हो तो कुटुम्ब पेंशन का उसका अंश व्यपगत नहीं होगा किन्तु अन्य विधवाओं को समान अंश में या यदि केवल ऐसी एक ही विधवा हो तो पूरा, उसे संदेय होगा” ;

(2) खंड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु ऐसे किसी बालक अथवा बालकों को या किसी विधवा अथवा विधवाओं को संदेय कुटुम्ब पेंशन का अंश अथवा अंशों के संदेय न रह जाने पर, उक्त अंश व्यपगत नहीं होगा किन्तु अन्यथा पात्र अन्य विधवा अथवा विधवाओं को और/या अन्य बालक अथवा बालकों को समान अंश में, या यदि केवल एक ही विधवा या बालक हो तो पूरा, ऐसी विधवा या बालक को संदेय होगा।”

(3) खंड (ग) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु ऐसे किसी बालक अथवा बालकों को या किसी विधवा अथवा विधवाओं को संदेय कुटुम्ब पेंशन का अंश अथवा अंशों के संदेय न रह जाने पर, उक्त अंश व्यपगत नहीं होगा किन्तु अन्यथा पात्र अन्य विधवा अथवा विधवाओं को और या अन्य बालक अथवा बालकों को समान अंश में, या यदि केवल एक ही विधवा या बालक हो तो, पूरा, ऐसी विधवा या बालक को संदेय होगा।

[संख्या - 1/17/90 - पी एंड पी डब्ल्यू सी]

इकबाल खान्डे, उप सचिव

पाद टिप्पण :—केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 का का. आ. संख्या - 934 तारीख 1 अप्रैल, 1972 के रूप में प्रकाशित किए गए थे। नियमों का चौथा संस्करण (जुलाई, 1988 तक संशोधित) 1988 में मुद्रित किया गया था। नियमों के तत्पश्चात् पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग की निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया था :—

क्र. सं.	अधिसूचना संख्या	दिनांक
1	2	3
1.	का. आ. सं. 254	4 फरवरी, 1989
2.	का. आ. सं. 970	6 मई, 1989
3.	का. आ. सं. 2467	7 अक्तूबर, 1989

1	2	3
4.	का. आ. सं. 899	14 अप्रैल, 1990
5.	का. आ. सं. 1454	26 मई, 1990
6.	का. आ. सं. 2329	8 सितम्बर, 1990
7.	का. आ. सं. 1/87/89- पी एंड पी डब्ल्यू/सी	12 नवम्बर, 1990
8.	का. आ. सं. 1/97/89- पी एंड पी डब्ल्यू/सी	21 नवम्बर, 1990
9.	का. आ. सं. 1/88/89- पी एंड पी डब्ल्यू/सी	22 नवम्बर, 1990
10.	का. आ. सं. 42(30)- पी एंड पी डब्ल्यू/ई	22 जनवरी, 1991

New Delhi, the 30th January, 1991

S.O. 464.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 read with clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) Second Amendment Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, in rule 54, in sub-rule (7)—

(1) in clause (a), in sub clause (ii) for the existing proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

“Provided that if the widow is not survived by any child, her share of the family pension shall not lapse but shall be payable to the other widows in equal shares, or if there is only one such other widow, in full, to her.”;

(2) after clause (b), the following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided that on the share or shares of family pension payable to such a child or children or to a widow or widows ceasing to be payable, such share or shares shall not lapse but shall be payable to the other widow or widows and/or to other child or children otherwise eligible, in equal shares, or if there is only one widow or child, in full, to such widow or child.”;

(3) after clause (c), the following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided that on the share or shares of family pension payable to such a child or children or to a widow or widows ceasing to be payable, such share or shares shall not lapse but shall be payable to the other widow or widows and/or to other child or children otherwise eligible, in equal shares, or if there is only one widow or child, in full, to such widow or child.”

[No. 1/17/90-P&PW/C]

IQBAL KHANDEY, Dy. Secy.

Foot Note:—The Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 were published as S.O. No. 934 dated 1-4-1972. The Fourth Edition (Corrected upto July, 1988) of the rules was printed in 1988. The rules were subsequently amended vide Deptt. of Pensions and Pensioners Welfare Notification given below :—

1. Notification No. S.O. No. 254, dated 4-2-1989.
2. Notification No. S.O. No. 970, dated 6-5-1989.
3. Notification No. S.O. No. 2467, dated 7-10-1989.
4. Notification No. S.O. No. 899, dated 14-4-1990.
5. Notification No. S.O. No. 1454, dated 26-5-1990.
6. Notification No. S.O. No. 2329, dated 8-9-1990.
7. Notification No. S.O. No. 1/87/89-P&PW/C, dated 12-11-1990.
8. Notification No. S.O. No. 1/97/89-P&PW/C, dated 21-11-1990.
9. Notification No. S.O. No. 1/88/89-P&PW/C, dated 22-11-1990.
10. Notification No. S.O. No. 42(30)-P&PW/89-E, dated 22-1-1991.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1990

आयकर

का.आ. 465—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “केरल लेबर वेलफेयर फंड बोर्ड, त्रिवेन्द्रम को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8792/फा.सं. 197/166/90-आ. कर (नि) 1]

दलीप सिंह, विशेष कार्य अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, 20th December, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 465.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “Kerala Labour Welfare Fund Board, Trivandrum” for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8792/F. No. 197/166/90-IT(A.I)]

DALIP SINGH, Officer on Special Duty

(प्रधान समाहर्ता, सीमाशुल्क, एवं केन्द्रीय उत्पादशुल्क का कार्यालय)

हैदराबाद, 7 जनवरी, 1991

अधिसूचना सं. 01/91 - सीमाशुल्क (एन. टी)

का. आ. 466 भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के दिनांक 6-4-90 तथा 18-6-90 की

अधिसूचना सं. 16/90 सीमाशुल्क (एन टी) तथा 34/90 सीमाशुल्क (एन टी) नियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्नाटक राज्य के धारवार जिले, धारवार तालुक, बेलूर ग्राम के, “बेलूर औद्योगिक क्षेत्र” को औद्योगिक विकास विभाग, औद्योगिक अनुमोदन सचिवालय, उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित समिति प्रयोजनार्थ गत प्रतिशत निर्धारणोन्मुख उपक्रम स्थापित करने के लिए भाण्डागार नेशन घोषित किया जाता है।

[फा. सं. 8/40/221/90 प्रधान समाहर्ता (है)]

श्री. भुजंगस्वामी, प्रधान समाहर्ता

(Office of the Principal Collector of Customs & Central Excise)

Hyderabad, the 7th January, 1991

NOTIFICATION No. 01/91-CUSTOMS (N.T.)

S.O. 466.—In exercise of the powers conferred by Notification No. 16/90-Customs (NT) dated 6-4-90 and No. 34/90-Customs (NT) dated 18-6-90 of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi “Belur Industrial Area” Belur Village, Dharwar Taluk, Dharwar District, in the State of Karnataka, is hereby declared a warehousing station under section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) as amended, for the limited purpose of setting up 100% Export Oriented Undertakings, approved by the Ministry of Industry, Department of Industrial Development Secretariat for Industrial Approvals New Delhi.

[File No. C. No. VIII/40/22/90-P.C.(Hyd.)]

C. BHUJANGASWAMY, Principal Collector

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता नियम)

नागपुर, 4 जनवरी, 1991

अधिसूचना संख्या 1/1991

का. आ. 467—श्री के. डी. सोहोलकर, अधिक्षक समूह “ख” समाहर्तालय नागपुर निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-12-1990 को उपरान्ह में शामकीय सेवा से निवृत्त हुए।

[फा. सं. II (3) 1/90/स्था. I/1535]

जीत राम कैत, अपर समाहर्ता (कार्मिक एवं सतकर्ता)

(Central Excise Collectorate)

Nagpur, the 4th January, 1991

NOTIFICATION NO. 1/1991

S.O. 467.—Shri K. D. Sohokar, Superintendent, Central Excise Group ‘B’ of Nagpur Collectorate having attained the age of Superannuation retired from Government service on 31-12-1990 in the afternoon.

[C. No. II(3) 1/90/El. I/1535]

J. R. KAIT, Addl. Collector (Per. & Vig.)

(मुख्य आयकर आयुक्त का कार्यालय)

कलकत्ता, 12 दिसम्बर, 1990

अधिसूचना संख्या. 11/90-91

का.आ. 468 - अधिसूचना संख्या 9/90-91 दिनांक 20-11-90 की अधिकांश तरमोम करते हुए एच आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उपधारा (4) के खण्ड (ख) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एच केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली के अधीन जारी अधिसूचना संख्या 8694, का सं., 187/6/89-आई टी.ए आई.एस.ओ. सं. 548(ई) दिनांक 9-7-1990 और इस संबंध में अन्य सब शक्तियों का प्रयोग करते हुए व पूर्व आदेशों का अधिक्रमण करते हुए मैं मुख्य आयकर आयुक्त-III कलकत्ता एतद्वारा निदेश देता हूँ कि कालम 2 में विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्त आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन एक निर्धारण अधिकारी के सभी शक्तियों का प्रयोग और सभी कार्यों का निष्पादन नीचे दी गई अनुसूची के कालम 3 में विनिर्दिष्ट क्षेत्र या व्यक्तियों के वर्ग या आय या आय के वर्ग या मामले या मामलों के वर्गों के विषय में करेंगे।

क्र.सं.	आयकर अधिकारी का पदनाम	क्षेत्र या आय आय के संबंध में क्षेत्राधिकार जिन पर अधिकारी को एक निर्धारण अधिकारी का कार्य सुपुर्द किया गया है।
1	2	3
1.	आयकर उपायुक्त, विशेष रेंज-6, कलकत्ता	निम्नलिखित आयकर उपायुक्त कलकत्ता के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले ऐसे सभी निर्धारित जिनकी आय विवरणियों में वित्तीय वर्ष के 1 अप्रैल को आय या नुकसान 5 लाख या अधिक रु. का अनिर्णीत दिखाया गया हो। आयकर उपायुक्त रेंज-18 आयकर उपायुक्त रेंज-5
2.	आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-18, कलकत्ता।	निम्नलिखित आयकर उपायुक्त कलकत्ता के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले ऐसे सभी निर्धारित जिनकी आय विवरणी से वित्तीय वर्ष के 1 अप्रैल को आय/नुकसान 5 लाख या अधिक रु. का अनिर्णीत दिखाया गया हो। आयकर उपायुक्त रेंज-19 आयकर उपायुक्त, आसनमोल रेंज

नोट :—

1. उपर्युक्त अनुसूची में संबंधित विवरणी निम्न प्रकार है :—

- (1) जहां निर्धारण वित्तीय वर्ष के 1 अप्रैल को एक निर्धारण वर्ष का अनिर्णीत हो, उक्त निर्धारण वर्ष की विवरणी।
- (2) जहां निर्धारण वित्तीय वर्ष के 1 अप्रैल को एक एक निर्धारण वर्ष से अधिक के निर्धारण अनिर्णीत हों अनिर्णीत निर्धारण वर्षों की विवरणियों में से वह विवरणी जहां कुल आय/नुकसान सबसे अधिक दिखाया गया हो।
- (3) जहां कोई निर्धारण वित्तीय वर्ष के 1 अप्रैल को अनिर्णीत न हो, नवीनतम निर्धारण वर्ष की विवरणी, जिसके लिए निर्धारण किया गया हो।

यह अधिसूचना दिनांक 19-12-1990 से लागू होगी।

[संख्या म.आ. मुख्या योजना/90-91/10]

बी. के. सिन्हा, मुख्य आयकर आयुक्त-3

(Office of the Chief Commissioner of Income Tax)

Calcutta, the 12th December, 1990

NOTIFICATION 11/90-91

S.O. 468 :—In partial modification of the Notification No. 9/90-91 dated 20-11-90 and in exercise of the powers conferred by Clause(b) of sub-section (4) of Section 120 of the Income-Tax Act, 1961(43 of 1961) and in exercise of the powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi vide its Notification No. 8694, F. No. 187/6/89-ITA, I, S.O. No. 548 (E) dated 09-07-1990 and all powers enabling me in this behalf and in supersession of earlier orders, I, the Chief Commissioner of Income Tax-III, Calcutta hereby direct that the Deputy Commissioners of Income-tax, specified in column 2 shall exercise all the powers and perform all the functions of an assessing Officer under the I.T. Act, 1961 in respect of the area or classes of persons, or income or classes of income or cases or classes of cases, specified in column 3 of the schedule below :

SCHEDULE

Sl. No.	Designation of the Income-tax Authority	Jurisdiction over the areas or income etc. over which he is assigned the function of an Assessing Officer
1	2	3
1.	Deputy Commissioner of Income-Tax, Spl. Range-6, Calcutta.	All the assesseees which fall within the jurisdiction of the following Deputy Commissioners of Income-tax, Calcutta, where the returns of the Income pending as on 1st April of the financial year, shows income/loss of Rs. 5 lakhs and above : Dy. Commissioner of I.T, Range-18. } Dy. Commissioner of I.T, Range-5. } Under C.I.T, WB-VI, Cal.
2.	Deputy Commissioner of Income Tax, Spl. Range-18, Calcutta.	All the assesseees which fall within the jurisdiction of the following Deputy Commissioners of Income Tax, Calcutta where the returns of income pending as on 1st April of the financial year shows income/loss of Rs. 5 lakhs and above : Dy. Commissioner of I.T, Range-19. } Dy. Commissioner of I.T, Asansol Range. } Under C.I.T, WB-XI, Cal.

NOTE :

1. The return referred to the above schedule is :

- Where the assessment of only one assessment year is pending as on 1st April of the financial year, the return of the said assessment year.
- Where the assessments of more than one assessment year are pending as on 1st April of the financial year, the return showing the highest total income/loss among the returns of the pending assessment years.
- Where no assessment is pending as on 1st April of the financial year, the return of the latest assessment year for which assessment has been made.

This Notification comes into effect from 19-12-1990.

[No. AC/H.Q. /Planning /90-91/10]

V.K. SINHA, Chief Commissioner of Income-tax III

अधिसूचना संख्या 12/90-91

का.पा. 469.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उप धारा-4 के खंड (ख) द्वारा और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली के अधीन जारी अधिसूचना संख्या 8748 का.सं. 270/121/89-आई.टी.जे./एस.ओ.सं. 777 (ई) दिनांक 11-10-1990 और इस संबंध में मुझे प्रदत्त अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना संख्या सु.पा. (न.) 2पी/13/88-89 दिनांक 1-7-1988 का अधिक्रमण करते हुए, मैं मुख्य आयकर आयुक्त-II, कलकत्ता एतद्वारा निदेश देता हूँ कि आयकर उपायुक्त, विशेष रेंज-19, कलकत्ता आयकर अधिनियम 1961 के अधीन निम्न अनुसूची के कालम 3 में विनिर्दिष्ट क्षेत्र व व्यक्तियों के मामलों के संबंध में एक निर्धारण अधिकारी के रूप में सभी शक्तियों का प्रयोग करेंगे और समस्त कार्यों का निष्पादन करेंगे।

अनुसूची

क्र. सं.	आयकर उपायुक्त का पदनाम	क्षेत्र, व्यक्तियों के आय के मामलों के संबंध में क्षेत्राधिकार जिस पर प्राधिकारी की एक "निर्धारण अधिकारी, का कार्य सौंपा गया है
1	2	3
1.	आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-19	(1) आदेश संख्या मू. प्र. (स.)/2पी/13/88-89 दिनांक 1-7-1988 द्वारा (वर्तमान अधि- क्रमित) आय. उपा. रेंज-14 व आय. उपा. रेंज-17 के प्रभार से संबंधित विद्यमान सभी मामले प्रा. प्रा. विशेष रेंज-6 को स्थानांतरित। (2) प्र. प्रा. प. बं.-10, कलकत्ता के क्षेत्राधिकार के अधीन मामले जो समय-समय पर नियत होंगे। (3) प्रा. प्रा. पं. बं. 10, कलकत्ता के प्रभार के क्षेत्राधिकार के अस्तंगत होने वाले सभी नए मामले जिसकी आय नुकसान रु. 5,00,000 या अधिक हो।

यह अधिसूचना दिनांक 19-12-90 से लागू होगी।

[का. सं. स. आ/मुख्य./योजना/10/90-91]

के.के.वीर मुख्य आयकर आयुक्त-2,

NOTIFICATION NO. 12/90-91

S.O. 469 :—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section 4 of section 120 of Income-Tax, 1961 (43 of 1961) and in exercise of powers conferred on the undersigned by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi vide its Notification No. 8748 in F. No. 279/121/89-ITJ/S.O. No. 777(E) dated 11-10-90 and all other powers enabling me in this behalf and in supersession of Notification No. CC(T)/2P/13/88/88-89 dated the 1st July, 1988. I, the Chief Commissioner of Income Tax-II, Calcutta hereby direct that the D.C.I.T. Spl. R-19, Calcutta shall exercise all the powers and perform all the functions of an 'Assessing Officer' under the Income-Tax Act, 1961 in respect of cases of persons and areas specified in column 3 of the schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	Designation of D.C.	Jurisdiction over Areas, cases of persons of income over which the authority is assigned the functions of an 'Assessing Officers'.
1	2	3
1.	D.C.I.T. Spl. R-19.	(i) All existing cases relating to the charge of D.C.R-14, & DC. R-17 transferred to D.C. Spl. R-6, vide order No. CC(T)/2/P/13/88-89 dt. the 1st July, 1988. (Now superseded). (ii) Cases which will be assigned from time to time under the jurisdiction of CIT WB-X, Cal. (iii) All new cases having income/loss of Rs. 5,00,000/- & above failing within the jurisdiction of the charge of CIT WB-X, Cal.

This notification comes into force w.e.f. 19/12/90.

[F. No. AC/HQ/Planning/10/90-91]

K.K. VEER Chief Commissioner of I.T.-II

शुद्धिपत्र

कलकत्ता, 30 जनवरी, 1991

का.पा. 470.—मुख्य आयकर आयुक्त, कलकत्ता (मुख्य आयकर आयुक्त कलकत्ता के अधीन आयकर आयुक्त (अपील) के क्षेत्राधिकार भी अनुसूची के अधिसूचना संख्या 2/90-91 दिनांक 1-11-1990 की अनुसूची के स्थापन पर निम्नलिखित की रीति में और पवित्र:—

क्रम	आयकर आयुक्त (अपील) का पदनाम, मुख्यालय गृहित	क्षेत्राधिकार
1	2	3
1.	आयकर आयुक्त (अपील-1), कलकत्ता	<p>(क) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-7, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-7 कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।</p> <p>(ख) आयकर उपायुक्त रेंज-7, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल और बाहों को संभाल रहे हैं।</p> <p>(ग) आयकर उपायुक्त जलपाईगुड़ी जलपाईगुड़ी के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल और बाहों को संभाल रहे हैं।</p>
2.	आयकर आयुक्त (अपील-III), कलकत्ता	<p>(क) आयकर उपायुक्त रेंज-6 कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल और बाहों को संभाल रहे हैं।</p> <p>(ख) आयकर उपायुक्त, रेंज-21 कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल और बाहों को संभाल रहे हैं।</p> <p>(ग) आयकर उपायुक्त, रेंज-10 कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल और बाहों को संभाल रहे हैं।</p> <p>(घ) आयकर उपायुक्त स्पेशल-11 कलकत्ता, स्पेशल रेंज-11 कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-11, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।</p> <p>(ङ) आयकर निदेशक (आयकर छूट), कलकत्ता के प्रशासनिक नियंत्रण और अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।</p>
3.	आयकर आयुक्त (अपील) 6, कलकत्ता	<p>(क) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-1 कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-1, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।</p> <p>(ख) आयकर उपायुक्त स्पेशल रेंज-2, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-2, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।</p> <p>(ग) आयकर उपायुक्त, रेंज-II, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल और बाहों को संभाल रहे हैं।</p> <p>(घ) आयकर उपायुक्त रेंज-13 कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल और बाहों को संभाल रहे हैं।</p>
4.	आयकर आयुक्त (अपील)-7, कलकत्ता	<p>आयकर उपायुक्त, रेंज-1, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल और बाहों को संभाल रहे हैं।</p>
5.	आयकर आयुक्त (अपील)-10, कलकत्ता	<p>(क) आयकर उपायुक्त, रेंज-15 कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी जो कि अनुसंधान सर्कल, सर्कल और बाहों को संभाल रहे हैं।</p> <p>(ख) आयकर उपायुक्त रेंज-20 कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण अधिकारी, सर्कल और बाहों को संभाल रहे हैं।</p> <p>(ग) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-8 कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-8, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।</p> <p>(घ) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-10, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल 10, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।</p> <p>(ङ) आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-12, कलकत्ता और आयकर उपायुक्त, स्पेशल रेंज-12 कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण अधिकारी।</p>

[सं. स.पा./मुख्य. योजना/30/90-91/96-38]

डा. एन.प्रार. शिवस्वामी, मुख्य आयकर आयुक्त

CORRIGENDUM

Calcutta, the 30th January, 1991

S. O. 470 :—Schedule to the Notification No. 2/90-91 dated 1-11-1990 issued by the Chief Commissioner of Income-Tax, Calcutta (Schedule of jurisdiction of Commissioners of Income Tax (Appeals) under the Chief Commissioner of Income Tax, Calcutta) should be substituted and read as under :

Sl. Designation of Commissioner of Income No. Tax (Appeals) with Headquarters	Jurisdiction
(1)	(2)
1. Commissioner of Income-Tax (Appeal)-I, Calcutta.	(a) Deputy Commissioner of Income -Tax, Special Range-7, Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-Tax, Special Range-7, Calcutta; (b) All assessing officer holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income Tax, Range-7, Calcutta; (c) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income-Tax, Jalpaiguri Range, Jalpaiguri.
2. Commissioner of Income-Tax, (Appeals)-III, Calcutta.	(a) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income Tax, Range-6, Calcutta; (b) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income Tax, Range-21, Calcutta. (c) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income Tax, Range-10, Calcutta; (d) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range 11, Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-11, Calcutta; (e) All assessing officers under the administrative control and subordinate to the Director of Income-Tax (Income-Tax Exemption), Calcutta.
3. Commissioner of Income-Tax (Appeals)-VI, Calcutta.	(a) Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-1, Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-Tax, Special Range-1, Calcutta; (b) Deputy Commissioner of Income-Tax, Special Range-2, Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income Tax, Special Range-2, Calcutta; (c) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income-Tax, Range-11, Calcutta;

(1)

(2)

(3)

- (d) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income-Tax, Range-13, Calcutta.
4. Commissioner of Income-Tax (Appeals)-VII, Calcutta. All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income-Tax, Range-1, Calcutta.
5. Commissioner of Income-Tax, (Appeals)-X, Calcutta.
- (a) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income-Tax, Range-15, Calcutta;
- (b) All assessing officers holding Investigation Circles, Circles and Wards functioning under Deputy Commissioner of Income-Tax, Range-20, Calcutta;
- (c) Deputy Commissioner of Income-Tax, Special Range-8 Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-Tax, Special Range-8, Calcutta;
- (d) Deputy Commissioner of Income-Tax, Special Range-10 Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-Tax, Special Range-10, Calcutta;
- (e) Deputy Commissioner of Income-Tax, Special Range-12, Calcutta and all assessing officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-Tax, Special Range-12, Calcutta.

[No. AC/HQ/Planning/30/90-91/9638]

Dr. N.R. SIVASWAMY, Chief Commissioner
of Income-Tax,

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1991

का.आ.471.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध तथा प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 9 के उपखंड (2) के साथ पठित खंड 3 के उपखंड (ख) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री मदन कान्ति चौधरी, विशेष सहायक, युनाइटेड बैंक आफ इंडिया मुख्य कार्यालय, कलकत्ता को दिनांक 30-1-1991 से 29-1-1994 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए या जब तक वे युनाइटेड बैंक आफ इंडिया के कर्मचारी के रूप में अपनी सेवा छोड़ नहीं देते हैं, इसमें से जो पहले हो, श्री पंचाणन दे, जो भारत सरकार, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की अधिसूचना सं.एफ.15/1/84-आई.आर. दिनांक 20-5-1987 के अनुसरण में नियुक्त किये गये थे, के स्थान पर युनाइटेड बैंक आफ इंडिया के निदेशक बोर्ड में निदेशक नियुक्त करवाते हैं।

[सं. 15/2/90—आई.आर.]

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

(Banking Division)

New Delhi, the 30th January, 1991

S.O. 471.—In pursuance of sub-clause (b) of Clause 3 read with sub-clause (2) of Clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 the Central Government hereby appoints Shri Madan Kanti Chowdhury, Special Assistant, United Bank of India, Head Office Calcutta as Director on the Board of Directors of United Bank of India for a period of three years with effect from 30th January, 1991 ending with 29th January, 1994 or until he ceases to be an employee of United Bank of India whichever is earlier in the place of Shri Panchan Dey appointed under Notification of Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) No. F. 15/1/84-IR dated 20-5-1987.

[No. F. 15/2/90-IR]

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1991

का.आ.472.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध तथा प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड 9 के उपखंड (2) के साथ पठित खंड 3 के उपखंड (ख) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार

एतद्वारा श्री गौतम सेनगुप्ता, विशेष सहायक, पंजाब एंड सिंध बैंक, कलकत्ता को दिनांक १-२-१९९१ से ३१-१-१९९४ तक तीन वर्ष की अवधि के लिए या जब तक वे पंजाब एंड सिंध बैंक के एक कर्मचारी के रूप में अपना सेवा छोड़ नहीं देते हैं, इनमें से जो पहले हो, श्री आर. एम. खेड़ा जो भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (वर्किंग प्रभाग) की अधिसूचना सं. एक १५/७/८१-आई. आर. दिनांक ७-२-१९८६ के अनुसरण में नियुक्त किये गये थे के स्थान पर पंजाब एंड सिंध बैंक के निदेशक बॉर्ड में निदेशक नियुक्त करने हैं।

[सं. १५/७/८९ - आई. आर.]

सतपाल भाटिया, अवसर सचिव

New Delhi, the 1st February, 1991

S.O. 472.—In pursuance of sub-clause (b) of Clause 3 read with sub-clause (2) of Clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government hereby appoints Shri Gautam Sengupta, Special Assistant, Punjab & Sind Bank, Calcutta as a Director on the Board of Directors of Punjab & Sind Bank for a period of three years with effect from 1st February, 1991 to 31st January, 1994 or until he ceases to be an employee of Punjab & Sind Bank whichever is earlier in place of Shri R. S. Kherra appointed under Notification of Government of India, Department of Economic Affairs, (Banking Division) No. F. 15/7/81-IR dated 7-2-1986.

[No. F. 15/6/89-IR]

S. P. BHATIA, Under Secy.

नई दिल्ली, ३१ जनवरी, १९९१

का. आ. ४७३ भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम १९६४ (१९६४ का १८) की धारा ६ की उपधारा (१) के खंड (ग) के उपखंड (ii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एम. जी. दीवान अध्यक्ष भारतीय जीवन बीमा निगम, बम्बई को भारतीय औद्योगिक विकास बैंक का निदेशक नामित करती है।

[संख्या एक. ७/२/९० - बी. ओ. - १ (२)]

New Delhi, the 31st January, 1991

S.O. 473.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates Shri M. G. Diwan, Chairman, Life Insurance Corporation of India, Bombay as a Director of the Industrial Development Bank of India.

[No. F. 7/2/90-BO.1(2)]

का. आ. ४७४ भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, १९६४ (१९६४ का १८) की धारा ६ की उपधारा (१) के खंड (ग) के उपखंड (i) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री सुरेश माथुर, सचिव उद्योग मंत्रालय औद्योगिक विकास विभाग, नई दिल्ली को भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की निदेशक नामित करती है।

[संख्या एक. ७/२/९० - बी. ओ. - १ (१)]

S.O. 474.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of the Industrial Development

Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates Shri Suresh Mathur, Secretary, Ministry of Industry, Department of Industrial Development, New Delhi as the Director of the Industrial Development Bank of India.

[No. F. 7/2/90-BO.1(1)]

का. आ. ४७५.—राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, १९८१ की धारा ६ की उपधारा (१) के खंड (ड) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री आर. सी. कपिला, सचिव, कृषि मंत्रालय, कृषि तथा सहकारिता विभाग, नई दिल्ली को श्री एम. के. मिश्र के स्थान पर राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या एक. ७/४/९० बी. ओ. - १]

एम. एम. सीतारामन, अवसर सचिव

S.O. 475.—In pursuance of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981, the Central Government hereby appoints Shri R. C. Kapila Secretary, Ministry of Agriculture, Department of Agriculture and Cooperation, New Delhi as Director of National Bank for Agriculture and Rural Development vice Shri S. K. Mishra.

[F. No. 7/4/90-BO.1]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, ३० जनवरी, १९९१

का. आ. ४७६ :- निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, १९६३ (१९६३ का २२) की धारा ६ द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि पट्टा कपड़े का निर्यात में पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाए।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं तथा उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, १९६४ के नियम ११ के उपनियम (२) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में भारत सरकार के वाणिज्यिक मंत्रालय की रबड़, पट्टा कपड़ा के अधिसूचित किए जाने से संबंधित अधिसूचना सं. का. आ. ८४७ तारीख १३ मार्च, १९६७ को उन बातों के सिवाय जिन्हें ऐसे अधिकरण में पूर्ण किया गया है या जिन्हें करने का लोप किया गया है अधिश्रान्त करने हुए, उक्त प्रस्तावों को उन व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है, जिनके उनमें प्रभावित होने की संभावना है।

२ सूचना दी जाती है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है तो वह उन्हें राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन की तारीख से पैंतानीस

दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिपक्व, प्रगति टावर, 11वीं मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लेस, नयी दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

प्रस्ताव

(1) यह अधिसूचित करना कि पट्टा कपड़ा निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होंगे।

(2) (i) राष्ट्रीय या अन्तराष्ट्रीय मानकों ; और

(ii) ऐसे पट्टा कपड़ा हेतु मानक विनिर्देशों के रूप में सामग्री, संरचना सहायताओं सहित विमाओं के संबंध में ब्यौरेवार विशिष्टियों सहित विदेशी क्रेता और निर्यातकर्ता के मध्य करार पाए संबिदात्मक विनिर्देशों को, मान्यता देना।

(iii) इस आदेश के उपाबंध में दिए गए पट्टा कपड़ा का 'निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1990 के प्रारूप के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के उस प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे पट्टा कपड़ा को लागू होगा।

(4) अन्तराष्ट्रीय व्यापार के दौरान ऐसे पट्टा कपड़ा के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित या मान्यता प्राप्त निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से किसी के द्वारा जारी किया गया इस आशय का निरीक्षण प्रमाण-पत्र न हो कि ऐसा पट्टा कपड़ा मानकों के अनुरूप है और निर्यात योग्य है या, पट्टा कपड़ा पर उक्त अधिनियम की धारा 8 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सील या चिह्न चिपकाया गया है ;

(3) इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेताओं को भू-मार्ग जल मार्ग या वायु मार्ग द्वारा पट्टा कपड़ा के वास्तविक व्यापार नभूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी, परन्तु यह तब जब कि वह निःशुल्क दिया जाए।

(4) इस आदेश में पट्टा कपड़ा से अनुसूची में दिए गए किसी भी प्रकार का ऐसा कपड़ा अभिप्रेत है जिसका उपयोग सामग्री के संवहन या विद्युत संचरण के प्रयोजन के लिए किया जाता है।

(5) यह आदेश इसके राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

अनुसूची

(आदेश का पैरा 2 देखें)

1. सभी प्रकार का रबड़ और फैनिक संवाहक तथा उत्पापक पट्टा कपड़ा।
2. सभी संश्लिष्ट संवाहक पट्टा कपड़ा।
3. अग्नि रोधी संवाहक पट्टा कपड़ा।
4. इस्पात रज्जू संवाहक पट्टा कपड़ा।
5. पी.वी.सी. संसेचित ठोस व्युतित संवाहक पट्टा कपड़ा।
6. ठोस व्युतित संसेचित तंतु कपड़ा पट्टा।
7. ठोस व्युतित संसेचित सूती पट्टा कपड़ा।
8. विद्युत संचारण के लिए सूती पट्टा नियंत्रण और कपड़ा।
9. रबड़ संचारण पट्टा कपड़ा।

उपाबंध

निर्यात '(क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने वाले प्रस्तावित नियमों का प्रारूप।

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— नियमों का संक्षिप्त नाम पट्टा कपड़ा निर्यात (क्वालिटी निरीक्षण) नियम, 1991 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अर्पेक्षित न हो,

(1) "अधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है ;

(2) "परिपक्व" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिपक्व अभिप्रेत है ;

(3) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अन्तर्गत बम्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली तथा मद्रास में स्थापित निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है ;

(4) "पट्टा कपड़ा" से अभिप्रेत है किसी भी प्रकार का ऐसा पट्टा कपड़ा जिसका उपयोग सामग्री के संवहन या विद्युत संचारण के प्रयोजन के लिए किया जाता है, अर्थात् सभी प्रकार का रबड़ और फैनिक संवाहक तथा उत्पापक पट्टा कपड़ा संश्लिष्ट संवाहक पट्टा कपड़ा, अग्नि रोधी संवाहक पट्टा कपड़ा, इस्पात रज्जू संवाहक पट्टा कपड़ा पी.वी.सी. संसेचित ठोस व्युतित संवाहक पट्टा कपड़ा, ठोस व्युतित तंतु पट्टा कपड़ा, ठोस व्युतित संसेचित सूती पट्टा कपड़ा विद्युत संचारण के लिए सूती पट्टा कपड़ा, और रबड़ संचारण पट्टा कपड़ा।

- (5) "प्रसंस्करणगत क्वालिटी नियंत्रण" से क्वालिटी नियंत्रण की यह प्रणाली अभिप्रेत है जिसके द्वारा कोई विनिर्माण एकक यह सुनिश्चित करता है कि पट्टे का विनिर्माण, परिपक्व द्वारा अधिकथित रीति में सामग्री और संघटकों के साथ करने उनके विनिर्माण, निरीक्षण, परिरक्षण और पैकिंग के भिन्न-भिन्न प्रक्रमों पर नियंत्रणों का प्रयोग करके मानक विनिर्देशों के अनुरूप किया जाता है।
- (6) "परेषणवार निरीक्षण" से परिपक्व द्वारा अधिकथित रीति में अभिकरण द्वारा निरीक्षण और परीक्षण से ऐसी अवधारण प्रक्रिया अभिप्रेत है, जो यह जांच के लिए हो कि निर्माता के लिए आशयित पट्टा कपड़ा का परेषण मानक विनिर्देशों के अनुरूप है, या नहीं।
- (7) "अनुमोदित इकाई" से ऐसी विनिर्माण इकाई अभिप्रेत है जो प्रसंस्करण में क्वालिटी नियंत्रण की अपेक्षाओं को पूरा करने वाली के रूप में अभिकरण द्वारा अनुमोदित है।
- (8) "कार्मिक निरीक्षण" से ऐसा निरीक्षण अभिप्रेत है जो अभिकरण के अधिकारी (अधिकारियों) द्वारा इकाई में प्र.क्वा.नियं. की अपेक्षाओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, नियमित अंतरालों पर अनुमोदित इकाई में किया जाता है ; और
- (9) "स्थल पर जांच" से अभिकरण द्वारा नियत परेषण का ऐसा निरीक्षण अभिप्रेत है, जिससे परिपक्व द्वारा अधिकथित रीति में मानक विनिर्देशों से उसकी अनुरूपता सुनिश्चित की जाती है।

3. निरीक्षण का आधार :- नियति के लिए आशयित पट्टा कपड़ा का निरीक्षण :-

- (क) यह सुनिश्चित करते हुए कि उत्पाद, प्रसंस्करणगत आवश्यक क्वालिटी नियंत्रण जैसा कि निरीक्षण की प्रसंस्करणगत क्वालिटी नियंत्रण प्रणाली के अन्तर्गत आने वाली इकाइयों के संबंध में इस अधिसूचना के परिशिष्ट-क में विनिर्दिष्ट है, का प्रयोग करते हुए, विनिर्माण किया गया है ; या
- (ख) परेषणवार निरीक्षण प्रणाली के अन्तर्गत आने वाली इकाइयों के संबंध में इन नियमों के परिशिष्ट-ख में विनिर्दिष्ट रीति से किए गए तैयार उत्पादों के निरीक्षण और परीक्षण के आधार पर यह देखने की दृष्टि से किया जाएगा कि वे अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप हैं।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :-

- (1) पट्टा कपड़ा के परेषण का नियति करने का अधिकार नियतिकर्ता नियति संविदा या आदेश की एक

प्रति के साथ सविदात्मक विनिर्देशों का व्योरा देने हुए, निरीक्षण के लिए अपने ऐसे करने के आशय की सूचना अभिकरण को लिखित रूप में देगा, ताकि अभिकरण, नियम 3 के उपाबंध और परिपक्व द्वारा अधिकथित प्रक्रिया के अनुसार करने में समर्थ हो सके।

- (2) परिशिष्ट-क में अधिकथित प्रसंस्करण पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग करते हुए तथा समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए परिपक्व द्वारा गठित विशेषज्ञों के पैनल द्वारा प्रसंस्करण, गत पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण द्वारा जाने विनिर्माण इकाई द्वारा विनिर्मित पट्टा कपड़ा का नियति करने के लिए, नियतिकर्ता सूचना के साथ एक घोषणा भी देगा कि नियति लिए आशयित पट्टा कपड़ा का परेषण परिशिष्ट-क में अधिकथित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग करते हुए, विनिर्मित किया गया है और यह कि परेषण इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देश के अनुरूप है।
 - (3) नियतिकर्ता अभिकरण को नियति किए जाने वाले परेषण पर लगाए जाने वाले पहचान चिह्न देगा।
 - (4) उपर्युक्त उपनियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना विनिर्माता के परिसर से परेषण भेजे जाने से कम से कम सात दिन पूर्व दी जाएगी, किन्तु उपनियम (2) के अधीन घोषणा के साथ सूचना के मामले में विनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने से कम से कम तीन दिन पूर्व दी जाएगी।
 - (5) उपनियम (1) के अधीन सूचना और उपनियम (2) के अधीन घोषणा यदि कोई हो, के प्राप्त होने पर, अभिकरण—
- (क) (i) विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान अपना यह समाधान कर लेने पर कि विनिर्माता ने परिशिष्ट-क में अधिकथित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रणों का प्रयोग किया था और इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप उत्पाद का विनिर्माण करने के संबंध में परिपक्व या अभिकरण द्वारा जारी किए गए अनुदेश यदि कोई हों, का पालन किया है, तीन दिन के भीतर यह घोषणा करते हुए प्रमाण पत्र जारी कर देगा कि पट्टा कपड़ा का परेषण नियति योग्य है।
 - (ii) उस दशा में जहां विनिर्माता नियतिकर्ता नहीं है, परेषण का भौतिक सत्यापन किया जाएगा और ऐसा सत्यापन तथा निरीक्षण यदि आवश्यक हो तो अभिकरण यह सुनिश्चित करने के लिए होगा कि उपरोक्त पत्र का पालन हुआ है।

(iii) अभिकरण, निर्यात के लिए आशयित कुछ परेषण की स्थल पर जांच करेगा और इकाईयों द्वारा अपनाए गए प्रसंस्करण क्वालिटी नियंत्रण डिज़ॉनों की पर्याप्तता को बनाए रखने का संस्थापन करने के लिए नियमित अन्तर्गालों पर विनिर्माण इकाईयों का निरीक्षण करेगा ।

(iv) यदि विनिर्माण इकाई में यह पाया जाता है कि उससे विनिर्माण के किसी भी प्रक्रम पर अपेक्षित क्वालिटी नियंत्रण के उपायों को अंगीकृत और पश्चिप् या अभिकरण की सिफारिशों का पालन नहीं किया गया है तो यह घोषित किया जाएगा कि इकाई में प्रसंस्करणगत पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण नहीं है तथा ऐसे मामलों में, यदि इकाई ऐसा चाहें तो इकाई में उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण डिज़ॉनों की पर्याप्तता ठहराने के लिए नया आवेदन देगा ।

(v) ऐसी दशा में जहां निर्यातकर्ता उप-नियम (2) के अधीन यह घोषित नहीं करता है कि परिशिष्ट-क में यथाअधिकथित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग किया गया है परिशिष्ट-ख में यथाअधिकथित के अनुसार किए गए निरीक्षण तथा परीक्षण के आधार पर अपना यह समाधान कर लेने पर कि पट्टा कपड़ा का परेषण इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है ऐसा निरीक्षण करने के सात दिनों के भीतर यह घोषणा करते हुए, प्रमाण-पत्र जारी करेगा कि परेषण निर्यात योग्य है ।

परन्तु जहां अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है वहां वह परिशिष्ट-ख में अधिकथित परेषणवार निरीक्षण हेतु सात दिन तथा परिशिष्ट-क में अधिकथित में प्रसंस्करणगत क्वालिटी नियंत्रण के लिए तीन दिनों की अवधि के भीतर निर्यातकर्ता को प्रमाण पत्र जारी करने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार की सूचना उसके कारणों सहित निर्यातकर्ता को देगा ।

(6) (i) उस दशा में, जहां विनिर्माता उप-नियम (5) (क) के अधीन निर्यातकर्ता नहीं है या परेषण का उप-नियम (5) (ख) के अधीन निरीक्षण किया जाता है, वहां अभिकरण निरीक्षण के पूरा होने के तुरन्त पश्चात् परेषण में पैकेजों को ऐसी रीति में सीलबन्ध करेगा जिससे कि यह सुनिश्चित हो जाए कि सीलबन्ध पैकेजों में गड़बड़ न की जा सके ।

(ii) परेषण की अस्वीकृति की दशा में, यदि निर्यातकर्ता ऐसी वांछा करे तो परेषण

अभिकरण द्वारा सीलबन्ध नहीं किया जाएगा किन्तु ऐसे मामलों में निर्यातकर्ता अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील करने का हकदार नहीं होगा ।

5 निरीक्षण का स्थान — इन नियमों के अधीन प्रत्येक निरीक्षण या तो (क) ऐसे उत्पाद के विनिर्माता के परिसर पर, या (ख) ऐसे परिसरों पर, जहां निर्यातकर्ता द्वारा निरीक्षण के लिए मान प्रस्तुत किया जाता है, किया जाएगा, परन्तु यह तब जब कि वहां इस प्रयोजन के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हों ।

6. निरीक्षण फीस — निर्यातकर्ता द्वारा अभिकरण को निम्नानुसार फीस संदत्त की जाएगी —

(1) (i) प्रसंस्करणगत क्वालिटी नियंत्रण प्रणाली के निर्यात के लिए न्यूनतम 50 रु. प्रति परेषण के अधीन रहते हुए पोत पहुंच कीमत के 0.2 प्रतिशत की दर से ;

(ii) परेषणानुसार निरीक्षण के अन्तर्गत निर्यात के लिए न्यूनतम 50 रु. प्रतिपरेषण के अधीन रहते हुए पोत पहुंच कीमत के 0.4 प्रतिशत की दर से ;

(2) विनिर्माताओं/निर्यातकर्ताओं के लिए जो राज्य/संघ शासित दोनों की संबंधित सरकारों के पास लघु विनिर्माण इकाई के रूप में रजिस्ट्रीकृत है न्यूनतम 50 रु. प्रति परेषण के अधीन रहते हुए, उप-वैरा (i) तथा (ii) के लिए क्रमशः 0.18 प्रतिशत तथा 0.36 प्रतिशत की दर से फीस संदाय की जाएगी ।

(3) प्रति परेषण के लिए निर्यातकर्ता द्वारा देय निरीक्षण फीस लगभग पूर्ण रूपों में आकी जाएगी तथा इस प्रयोजन के लिए जहां ऐसी राशि रूपों के भाग पैसों में होगी, यदि ऐसा भाग पचास पैस या अधिक है तो वह बढ़ाकर एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैस से कम है तो वह नगण्य समझी जाएगी ।

7. अपील :-

(1) नियम 4 के उप-नियम (5) के अधीन प्रमाण-पत्र जारी करने के इंकार किए जाने से व्यथित कोई व्यक्ति ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए गठित ऐसे विशेषज्ञ के पैनल को अपील कर सकेगा, जिसमें कम से कम तीन यथा अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे ।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई सदस्य गैर-सरकारी होंगे ।

(3) विशेषज्ञों के पैनल की गणपूर्ति तीन से होगी ।

(4) अपील इतने प्राप्त होने के पन्द्रह दिनों के भीतर निपटा दी जाएगी ।

परिशिष्ट-क

[नियम 3(क) देखिए]

प्रसस्करणगत क्वालिटी नियंत्रण

निर्धारित के लिए आशयित पट्टा कपड़ा का क्वालिटी नियंत्रण यह देखने की दृष्टि से किया जाएगा कि वे अनुसूची में दिए गए नियंत्रण के स्तरों सहित विनिर्माण के विभिन्न प्रक्रमों पर निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग करते हुए, अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप हैं, अर्थात् —

(1) त्रय की गई सामग्री और सघटक नियंत्रण

(क) प्रयुक्त किए जाने वाले सघटकों या सामग्री के गुणों को समाविष्ट करने हुए विनिर्माता द्वारा त्रय विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे तथा आने वाले नौटो की अनुरूपत सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण या परीक्षण के पर्याप्त साधन होंगे।

(ख) स्वीकृत पर्यणों के साथ, जहां तक संभव हो, या तो त्रय विनिर्देशों की अपेक्षाओं को समाविष्ट करने हुए प्रदायकर्ता का परीक्षण या निरीक्षण प्रमाण-पत्र होगा। ऐसी दशा में आर्कस्मिक जांच (अर्थात् वही प्रदायकर्ता के लिए उसी वर्ग की प्रत्येक निमाही में एक बार (उपरोक्त निरीक्षण या परीक्षण प्रणापत्र की शुद्धता को सत्यापित करने के लिए की जाएगी, या त्रय की गयी सामग्री हया सघटकों का नियमित रूप से फैक्टरी की प्रयोगशाला में या किसी अन्य प्रयोगशाला या परीक्षण सदनों में निरीक्षण या परीक्षण किया जाएगा।

(ग) किए जाने वाले निरीक्षण या परीक्षण के लिए नमूना लेना अभिलिखित अन्वैगणों पर आधारित होगा,

(घ) निरीक्षण या परीक्षण करने के पश्चात्, स्वीकृत और अस्वीकृत सामग्री या सघटकों के प्रयत्नकरण में और अस्वीकृत सामग्री या सघटकों का निपटान करने के लिए व्यवस्थित पद्धतिया अपनाई जाएगी,

(ङ) उपरोक्त वर्णित नियंत्रणों के सबध में विनिर्माता द्वारा पर्याप्त अभिलेख नियमित और व्यवस्थित रूप में रखे जाएंगे।

(2) प्रसस्करण नियंत्रण

(क) विनिर्माता द्वारा, विनिर्माण के विभिन्न प्रसस्करणों के लिए ब्यौरेवार प्रसस्करण विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे,

(ख) प्रसस्करण विनिर्देशों में अधिकथित के अनुसार प्रसस्करणों पर नियंत्रण रखने के लिए पर्याप्त उपस्कर, यन्त्रीकरण और सुविधाएं होंगी;

(ग) विनिर्माता द्वारा, विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान प्रयुक्त नियंत्रणों के स्थापन की स्वीम सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त अभिलेख बनाए रखे जाएंगे।

(3) उत्पादन नियंत्रण

(क) विनिर्माता के पास मानक विनिर्देशों के अनुसार उत्पाद का परीक्षा करने के लिए या तो अपनी पर्याप्त परीक्षा सुविधाएं होंगी या उसकी पहुंच वहां तक होगी जहां ऐसी परीक्षण सुविधाएं विद्यमान होंगी

(ख) परीक्षण के लिए नमूना लेना (जहां कहीं अपेक्षित हो) अभिलिखित अन्वैगणों पर आधारित होगा,

(ग) किए गए परीक्षणों के बारे में विनिर्माता द्वारा पर्याप्त अभिलेख नियमित तथा व्यवस्थित रूप में रखे जाएंगे।

(4) परिरक्षण नियंत्रण

(क) विनिर्माता द्वारा उत्पाद को मौसमी दशाओं के प्रतिकूल में बचाने के लिए ब्यौरेवार विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे,

(ख) उत्पाद, भण्डारण तथा लदान पत्तन के लिए अभि-वहन दोनों के दौरान पर्याप्त रूप में परिरक्षित किया जाएगा।

(5) माप संबंधी नियंत्रण

उत्पादन और निरीक्षण में प्रयुक्त गैजों और उपकरणों की कालिक जांच या उनका अंश शोधन किया जाएगा और विनिर्माता द्वारा अभिलेख वर्तन कार्ड के रूप में रखे जाएंगे।

(6) पैकिंग संबंधी नियंत्रण

विनिर्माता, विदेशी श्रोता द्वारा तय पाए गए ब्यौरेवार पैकिंग विनिर्देश अधिकथित करेगा और उनका पालन कठोरता से करेगा।

नियंत्रण के स्तर

क्र स	निरीक्षण/परीक्षण का विवरण	अपेक्षाएं	नमूना आकार	लोट आकार
1	2	3	4	5
1	त्रय की गई सामग्री			
	(क) फैब्रिक	मानक विनिर्देशों के अनुसार	काटिड अन्वेषण के आधार पर नियत किया जाएगा	नमूना योजना के अनुसार
	(i) विमाण	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	(ii) जोड़ाई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त

1	2	3	4	5
(iii) लम्बाई				
(iv) भौतिक गुण	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
विभिन्न सामग्रय	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
भार या टूटन से दैर्घ्यवृद्धि	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(ख) रबड़	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(i) भौतिक परीक्षण	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(ii) रसायनिक परीक्षण	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
2 प्रसंस्करण नियंत्रण				
(केवल प्लाई वुडिंग के लिए लागू होगा)				
(i) विमाण	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(ii) संस्करण तापमान	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(ग) रबड़ की चार (शीटिंग)				
(i) विमाण	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(ii) प्रसंस्करण तापमान	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(घ) निर्माण टैबल				
(i) हरी पट्टी विमाण	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(चौड़ाई लम्बाई तथा मोटाई)				
(ii) हाथ की मोटाई				
(घाण्टादिन मोटाई)	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(iii) संयोजन स्थिति	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(ङ) प्रेम				
(i) हरी पट्टी चौड़ाई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(ii) हरी पट्टी, मोटाई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(iii) लोह पट्टी मोटाई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(iv) हाईड्रोलिक दबाव	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(v) माप दबाव	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(vi) प्लेटन तापमान	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(vii) शीतलन तथा तापमान	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(viii) समाधन समय	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(ix) पूर्ण समाधन खिचाव	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(x) पूर्ण समाधन खिचाव चौड़ाई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(xi) तैयार पट्टा चौड़ाई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(xii) तैयार पट्टा मोटाई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
3 उत्पाद नियंत्रण				
(i) दृष्टिक	मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	मानक के अनुसार	प्रत्येक लीट	
(ii) विमीन	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(iii) परीक्षण	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	

1	2	3	4	5
4 माप संबंधी नियंत्रण				
(i) गेज	मानक पद्धति के अनुसार	तीन माह में एक बार		
(ii) उपकरण	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(iii) उपस्कर	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
(iv) जिग तथा फिक्सचर	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	
5 पैकेज नियंत्रण				
(i) पैकेज विमाण	यथोक्त	यथोक्त	प्रत्येक मियार लीट	
(ii) पैकेज परीक्षण	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	

परिशिष्ट-ख

परेषणवार निरीक्षण.

1 पट्टा कपड़े का परेण, अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यता प्राप्त विनिर्देशों से उसकी अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और परीक्षण के अधीन होगा।

2 आदेशित उन्हीं विनिर्दिष्टताओं (किस्म, श्रेणी आदि) का संवाहक पट्टा कपड़ा की लम्बाई पर निर्भर रखते हुए, नमूने सारणी-1 के अनुसार निकाले जाएंगे।

सारणी-1	संवाहक पट्टा कपड़ा के लिए नमूना योजना
प्रस्थापित लंबाई	नमूनों की संख्या
से तक	
(अपवर्जित करने हुए) मी	(सम्मिलित करते हुए) मी
—	500
500	1000
1000	2000
2000	3000
3000	5000
5000	7000
7000	10000
	1
	2
	3
	4
	5
	6
	7

एक नमूना तैयार पट्टा कपड़ा की पूरी चौड़ाई का होगा तथा लम्बाई में 600 मि.मी. से कम नहीं होगा।

3 संचरण पट्टा काटा के लिए आदेशित उन्हीं विनिर्दिष्टताओं चौड़ाई, डक का प्रकार प्लाई के पट्टा कपड़ा की लंबाई पर निर्भर करने हुए, सारणी -II के अनुसार नमूने निकाले जाएंगे।

सारणी-II

प्रस्थापित लम्बाई	संचारण पट्टा कपड़ा हेतु नमूना योजना नमूनों की संख्या
मी.	मी.
7500 तक	2
7500 से 17500	3
17500 से	4

एक नमूना तैयार पट्टा कपड़ा की पूरी चौड़ाई का होगा व और लम्बाई में 600 मि.मी. से कम नहीं होगा।

4. उपरोक्तानुसार लिए गए पट्टा कपड़ा के नमूना का राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय मानकों या निर्यातकर्ताओं और विदेशी क्रेता के मध्य तय पाए गए मानकों के अनुसार निरीक्षण और परीक्षण किया जाएगा। अनुरूपता के मानदंड वही होंगे जो अपने-अपने मानकों में अधिकथित है।

5. दीर्घ अवधि के परीक्षण/प्रकार परीक्षण :

जब निर्यात संविदाएं निष्पत्ती आयु/निष्पादन परीक्षण/गारंटी मान दंडों से संबंधित परीक्षणों के लिए उपबंध करती है और उसी के लिए परीक्षण नियत अवधि (सात दिन या लगभग) के भीतर निष्पादित नहीं किया जा सकता, तो दस परेपणों में एक की आवृत्ति पर नमूने लिए जाएंगे तथा पूर्व निष्पादन के कार्योंत्तर के आधार पर परीक्षण किए जा सकते हैं। तथापि अभिकरण अपना यह समाधान करेगा कि जो परीक्षण कार्योंत्तर के आधार पर किया गया है वह निर्यातकर्ता/विनिर्माता द्वारा पहले किया जा चुका है और परेपण निर्यात के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, परन्तु यह तब जब कि विनिर्माता/निर्यातकर्ता द्वारा किए गए परीक्षण निर्यात संदा की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं।

[फाइल सं. 6/4/89-ईआईएन ई पी]

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 30th January, 1991

S.O. 476.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export-trade of India that the belting should be subject to quality control and inspection prior to export.

And where the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 847, dated 13th March, 1967 relating to notifying of rubber beltings excepts as respects things done or omitted to be done before such supersession the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of all persons likely to be affected thereby.

274 GI/91—3,

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within forty five days of the date of publication of this order in the Official Gazette to the Export Inspection Council, Pragati Tower, (11th floor), 26, Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

(1) To notify that beltings shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To recognize :—

(i) national or international standards; and

(ii) contractual specifications as agreed to between the foreign buyer and the exporter with detailed characteristics in respect of material, construction, dimensions with tolerances and tests as standard specification for such beltings.

(3) To specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Beltings (Quality Control and Inspection) Rules, 1990 as set out in annexure to this Order, as the type of quality control and inspection which shall be applied to such beltings prior to their export;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of such beltings unless every consignment thereof is accompanied by an inspection certificate for export issued by any of the agencies established or recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that such beltings conform to the standard and are exportworthy or is affixed with a mark or seal recognised by the Central Government under section 8 of the said Act.

3. Nothing in this order shall apply to the export by land, sea or air of bonafide trade samples of belting to the prospective buyers, provided the same are provided free of cost.

4. In this Order, "belting" means belting of any of the types given in the schedule, used for the purpose of conveying materials or powers transmission.

5. This order shall come into force on the date of its final publication in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

(See paragraph 2 of the order)

1. All types of rubber and fabric conveyor and elevator beltings;
2. All synthetic conveyor beltings;
3. Fire resistant conveyor beltings;
4. Steel cord conveyor beltings;
5. PVC impregnated solid woven conveyor beltings;
6. Solid woven impregnated hair beltings;
7. Solid woven impregnated cotton beltings;
8. Cotton beltings for power transmission;
9. Rubber transmission beltings.

ANNEXURE

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Beltings (Quality Control and Inspection) Rules, 1991.

(2) They shall come into force on...

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,

(1) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(2) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act,

(3) "Agency" means any one of the Export Inspection Agencies established under section 7 of the Act at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras;

(4) "Beltings" means, beltings used for the purpose of conveying materials or power transmission of any of the types namely all types of rubber and fabric conveyor and elevator beltings, synthetic conveyor beltings, fire resistant conveyor beltings, steel cord conveyor beltings, PVC impregnated solid woven conveyor beltings, solid woven impregnated hair beltings, cotton beltings for power transmission and rubber transmission beltings;

(5) "In-process Quality Control" means a system of quality control by which a manufacturing unit ensure that beltings are manufactured to conform to the standard specification by exercising control at different stages of purchase of materials and components, manufacture, inspection, preservation and packing, in the manner as laid down by the Council;

(6) "Consignment-wise Inspection" means the process determining whether a consignment of belting meant for export complies with the standard specifications by inspection and testing by the Agency in a manner as laid down by the Council;

(7) "Approved Unit" means a manufacturing unit approved by the Agency as having satisfied the requirements of In-process Quality Control;

(8) "Periodic Visits" means a visit made by officer(s) of the Agency to the approved unit at intervals to ensure compliance of the requirements of In-process Quality Control in the unit; and

(9) "Spot Check" means an inspection by the Agency of an export consignment to ensure its conformity to the standard specifications in the manner as laid down by the Council.

3. Basis of inspection.—Inspection of beltings intended for export shall be carried out with a view to ensure that the same conform to the standard specifications recognised under section 6 of the Act either

(a) by ensuring that the products have been manufactured by exercising necessary In-process Quality Control as specified in Appendix-A to this notification in respect of units coming under In-process Quality Control system of inspection;

(b) on the basis of inspection and testing of finished products carried out in the manner specified in appendix-B to these rules in respect of units coming under consignment wise system of inspection.

4. Procedure of Inspection.—(1) An exporter intending to export a consignment of beltings shall give an intimation for inspection in writing, to the Agency of his intention so to do, furnishing therein details of the contractual specification alongwith a copy of the export contract or order to enable the agency to carry out inspection in accordance with the provisions of rule 3 and the procedure laid down by the Council.

(2) For export of beltings manufactured by exercising adequate In-process Quality Control as laid down in appendix-A and the manufacturing unit adjudged as having adequate In-process Quality Control drills by a panel of experts constituted by the Council from time to time for this purpose. The exporter shall also furnish alongwith the intimation a declaration that the consignment of belting intended for export has been manufactured by exercising adequate quality control as laid down in appendix-A and that the consignment conforms to the standard specifications recognised for the purpose.

(3) The exporter shall furnish to the Agency the identification marks applied to the consignment to be exported

(4) Every intimation under sub-rule (1) above shall be given not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises while in the case of intimation alongwith a declaration under sub-rule (2) shall be given not less than three days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises.

(5) On receipt of the intimation under sub-rule (1) and the declaration, if any, under sub-rule (2), the Agency :—

(i) on satisfying itself that during the process of manufacture, the manufacturer had exercised adequate quality controls as laid down in appendix-A and followed the instructions, if any, issued by the Council or Agency in this regard to manufacture the product to conform to the specifications recognised for the purpose, shall within three days issue a certificate declaring the consignment of belting as exportworthy.

(ii) in case where the manufacturer is not the exporter, however, the consignment shall be physically verified and such verification and inspection, if necessary, shall be carried out by the Agency to ensure that the above conditions are complied with.

(iii) the Agency shall, however carry out on the spot check of some of the consignments meant for export and shall visit the manufacturing unit at regular intervals to verify the maintenance of the adequacy of In-process Quality Control drills adopted by the unit.

(iv) if the manufacturing unit is found not adopting the required quality control measures at any stage of manufacture or does not comply with the recommendations of the Council or Agency, the unit shall be declared as not having adequate In-process Quality Controls and in such cases, the unit if so desired, shall apply afresh for adjudgment of the maintenance of adequacy of In-process (Quality control-drills.

(v) in case where the exporter had not declared under sub-rule (2) that adequate quality control as laid down in appendix-A had been exercised, on satisfying itself that the consignment of belting conforms to the standard specifications recognised for the purpose, on the basis of inspection and testing carried out as laid down in appendix-B shall within seven days of carrying out such inspection issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

Provided that where the Agency is not so satisfied, it shall within the said period of seven days for consignmentwise inspection as laid down in Appendix-B' and three days for In-process Quality Control as laid down in Appendix 'A', refuse to issue a certificate to the exporter and shall communicate such refusal to the exporter alongwith the reasons.

(6) (i) In case where the manufacturer is not the exporter under sub-rule (5) (a) or consignment is inspected under sub-rule (5) (b), the Agency shall, immediately after completion of the inspection, seal the packages in the consignment in the manner so as to ensure that the sealed packages cannot be tampered with.

(ii) In case of rejection of the consignment, if the exporter so desires the consignment may not be sealed by the Agency but in such cases, however the exporter shall not be entitled to prefer any appeal against the rejection.

5. Place of Inspection.—Every inspection under these rules shall be carried out either (a) at the premises of the manufacturer of such products, or (b) at the premises at which the goods are offered by the exporter for inspection provided adequate facilities exist for inspection therein.

6. Inspection Fee.—Inspection fee shall be paid by the exporter to the Agency as under :—

(1) (i) for export under In-process Quality Control scheme at the rate of 0.2 percent of the F.O.B. value subject to a minimum of Rs 50 per consignment.

(ii) for exports under consignmentwise inspection at the rate of 0.4% of the F.O.B value subject to a minimum of Rs 50 per consignment.

- (2) Subject to the minimum of Rs. 50 per consignment, the rate shall be 0.18% and 0.36% of sub-para (i) and (ii) respectively for manufacturers/exporters who are registered as small scale manufacturing units with the concerned Governments of State Union Territories.
- (3) The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose, where such amount contains a part of rupee consisting of paise, then, if such part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

7. Appeal :

- (1) Any person aggrieved by the refusal of the Agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule (4) may, within ten days of the receipt of communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.
- (2) The panel of experts shall consist of atleast two-thirds of non-officials of the total membership of the panel of experts.
- (3) The quorum for the panel of experts shall be three.
- (4) The appeal shall be disposed of within fifteen days from the date of its receipt.

APPENDIX A

[See rule 3(a)]

In-process Quality Control.—The Quality Control of the beltngs intended for export shall be done with a view to see that the same conform to the specifications recognised by the Central Government under Section 6 of the Act by effecting the following controls at different stages of manufacture, together with the levels of control as given in schedule hereo, namely :—

(1) Boughtout Materials and Components Control—

- (a) purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of materials or components to be used and shall have adequate means of inspection of testing to ensure conformity of the incoming lots ;
- (b) the accepted consignments shall be either, as far as possible, accompanied by a supplier's test or inspection certificate corroborating the requirements of the purchase specification, in which case occasional check (that is to say once in each quarter of the year for the same supplier to verify the correctness of the aforesaid test or inspection certificates, or the purchase materials or components shall be regularly inspected or tested either

in a laboratory in the factory or in some other laboratory or test house ;

- (c) the sampling for inspection or test to be carried out shall be based on a recorded investigation ;
- (d) after the inspection or test is carried out, systematic methods shall be adopted in segregating the accepted and rejected materials or components and in disposal of rejected materials or components ;
- (e) adequate records in respect of the above mentioned controls shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.

(2) Process Control :—

- (a) Details process specifications shall be laid down by the manufacturer for different processes of manufacture ;
- (b) Equipment, instrumentation and facilities shall be adequate to control the processes as laid down in the process specification ;
- (c) Adequate records shall be maintained by the manufacturer to ensure the scheme verifying the controls exercised during the process of manufacture.

(3) Product Control—

- (a) The manufacturer shall either have his own adequate testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to test the product as per the standard specifications ;
- (b) Sampling (wherever required) for testing shall be based on a recorded investigation ;
- (c) Adequate records in respect of tests carried out shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.

(4) Preservation Control—

- (a) A detailed specification shall be laid down by the manufacturer to safeguard the product from adverse effects of weather conditions ;
- (b) the product shall be adequately preserved both during storage and transit to the port of shipment.

(5) Metrological Control—

Gauges and instruments used in the production and inspection shall be periodically checked or calibrated and records shall be maintained in the form of history cards by the manufacture.

(6) Packing Control—

The manufacturer shall lay down a detailed packing specification as agreed by the Foreign Buyer and shall strictly adhere to the same.

LEVELS OF CONTROL

Sl. No.	Particulars of inspection/test	Requirements	Sample size	Lot size
1	2	3	4	5
1. BOUGHTOUT MATERIALS				
(a) Fabric		As per standard specification	To be fixed on the coded investigation.	As per sampling plan.
	(i) Dimensions	-do-	-do-	-do-
	(ii) Width	-do-	-do-	-do-

1	2	3	4	5
	(iii) Length	-do-	-do-	-do-
	(iv) Physical Properties	-do-	-do-	-do-
	Breaking strength	-do-	-do-	-do-
	Elongation at load or at break	-do-	-do-	-do-
	(b) Rubber			
	(i) Physical tests	-do-	-do-	-do-
	(ii) Chemical tests	-do-	-do-	-do-
	2. PROCESS CONTROL			
	(Applicable for ply belting only)			
	(i) Dimensions	-do-	-do-	-do-
	(ii) Process Temp.	-do-	-do-	-do-
	(c) Rubber Sheeting			
	(i) Dimensions	-do-	-do-	-do-
	(ii) Process Temp.	-do-	-do-	-do-
	(d) Building Table			
	(i) Green belt dimension-do-(width, length & thickness)	-do-	-do-	-do-
	(ii) Carcass thickness (cover thick)	-do-	-do-	-do-
	(iii) Joint position	-do-	-do-	-do-
	(e) Press			
	(i) Green belt, width	-do-	-do-	-do-
	(ii) Green belt, thickness	-do-	-do-	-do-
	(iii) Iron flats thickness	-do-	-do-	-do-
	(iv) Hydraulic pressure	-do-	-do-	-do-
	(v) Steam pressure	-do-	-do-	-do-
	(vi) Platen Temperature	-do-	-do-	-do-
	(vii) Cooling end Temperature	-do-	-do-	-do-
	(viii) Curing Time	-do-	-do-	-do-
	(ix) Pre-cure stretch	-do-	-do-	-do-
	(x) Pre-cure stretch width	-do-	-do-	-do-
	(xi) Finish belt, width	-do-	-do-	-do-
	(xii) Finish belt, thick	-do-	-do-	-do-
	3. PRODUCT CONTROL			
	(i) Visual	As per standard specifications Recognised.	As per standard	Each lot
	(ii) Dimensional	-do-	-do-	-do-
	(iii) Tests	-do-	-do-	-do-

1	2	3	4	5
4. MATEROLOGICAL CONTROL				
(i) Gauges	As per Standard Practice	Once in three months	Each lot	
(ii) Instruments	-do-	-do-	-do-	
(iii) Equipment	-do-	-do-	-do-	
(iv) Jigs and Fixtures	-do-	-do-	-do-	
5. PACKAGING CONTROL				
(i) Package dimensions	-do-	-do-	Each export lot	
(ii) Package tests	-do-	-do-	-do-	

APPENDIX—B**CONSIGNMENTWISE INSPECTION:**

1. The consignment of beltings shall be subjected to inspection and testing to ensure conformity of the same to the specifications recognised under Section 6 of the Act.
2. Depending upon the length of the conveyor belting of the same characteristics (type, grade etc.) ordered, the samples shall be drawn in accordance with Table-I.

Table-I		SAMPLE PLAN FOR CONVEYOR BELTING	
Length offered		No. of Samples*	
From	To		
(Excluding)	(Including)		
m	m		
—	500	1	
500	1000	2	
1000	2000	3	
2000	3000	4	
3500	5000	5	
5000	7000	6	
7000	10000	7	

* A sample shall consist of the full width of the finished belting and not less than 600 mm in length.

3. For transmission belting, depending upon the length of the belting of the same characteristic (width, type of duck, ply) ordered, the sample shall be drawn in accordance with Table-II.

TABLE-II		SAMPLING PLAN FOR TRANSMISSION BELTING	
Length offered		No. of samples*	
m	m		
Upto 7500	2		
7501 to 17500	3		
17501 to	4		

*A sample shall consist of the full width of the finished belting and not less than 600 mm in length.

4. The samples of belting drawn as above shall be inspected and tested in accordance with the national or international standards of the standards as agreed upon between the foreign buyer and the exporter. The criteria of conformity shall be same as laid down in the respective standards.

5. Long Duration Test/Type Tests:—

Where export contracts provide for tests relating to Shelf life/performance test/guarantee criteria and the test for the same cannot be performed within the stipulated period (seven days of so) samples at a frequency of one in ten consignments shall be drawn and tested on post-facto basis on the past performance. However, the Agencies, shall satisfy themselves that the test which will be carried out on post-facto basis has already been conducted by the exporter/manufacturer and the consignment will be allowed for export provided the tests carried out by the manufacturer/exporter meets the requirements of the export contract.

[File No. 6-4-89 EI & EP]

का. आ. 477 .—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क़्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 8 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पट्टा कपड़ा के संबंध में भारतीय मानक ब्यूरो प्रमाणन चिह्न को यह छोटन करने के प्रयोजन के लिए मान्यता देने का प्रस्ताव करती है कि जहां पट्टा कपड़ा पर ऐसे चिह्न लगाए या चिपकाए जाते हैं, वहां उनके बारे में यह समझा जाएगा कि वे उक्त अधिनियम के अधीन उनको लागू मानक चिह्नों के अनुरूप हैं।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रस्तावों को निर्यात (क़्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्तावों को उन व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव भेजने की बांछा रखने वाला कोई भी व्यक्ति उन्हें इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद् प्रगति टावर, 11वीं मंजिल, 26, राजेन्द्र प्लेस, नयी दिल्ली 110008 को भेज सकता है।

3. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ पट्टा कपड़ा से अभिप्रेत है किसी भी प्रकार का ऐसा पट्टा कपड़ा जिसका उपयोग सामग्री के संवहन या विद्युत् संचारण के प्रयोजन के लिए किया जाता है, अर्थात् सभी प्रकार का रबड़ और फ़ैब्रिक संवाहन तथा उत्पापक पट्टा कपड़ा/संश्लिष्ट संवाहक पट्टा कपड़ा, अग्निरोधी संवाहक पट्टा कपड़ा, इस्पात रज्जू संवाहक पट्टा कपड़ा, पी.वी.सी. संसेचित ठोस व्युत्तित संवाहक पट्टा कपड़ा, ठोस व्युत्तित तन्तु पट्टा कपड़ा, ठोस व्युत्तित संसेचित सूती पट्टा कपड़ा, विद्युत् संचारण के लिए सूती पट्टा कपड़ा और रबड़ संचारण पट्टा कपड़ा।

[फा.सं. 6/4/89-ई.आई.एंड ई.पी.]

ए. के. चौधुरी, निदेशक

S.O. 477.—Whereas the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 8 of the Export (Quality Control and Inspection), Act, 1963 (22 of 1963), proposes to recognize the Bureau of Indian Standards certificate mark in relation to beltings for the purpose of denoting that where beltings are affixed or applied with such mark, they shall be deemed to be in conformity with the standard specification applicable thereto under the said Act;

And whereas the Central Government has forwarded the aforesaid proposal to Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be effected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty five days of the publication of the notification in the Official Gazette to the Export Inspection Council, Pragati Tower (11th floor), 26, Rajendra Place, New Delhi-110008.

3. For the purpose of this notification, "Beltings" means beltings used for the purpose of conveying materials or power transmission of any of the types namely all types of rubber and fabric conveyor and elevator beltings synthetic conveyor beltings, fire resistant conveyor beltings steel cord conveyor beltings PVC impregnated solid woven conveyor beltings, solid woven impregnated hair beltings solid woven impregnated cotton beltings, cotton beltings for power transmission and rubber transmission beltings.

[F. No. 6/4/39-EI&EP]

A. K. CHOUDHURI, Director

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1991

का. ग्रा. 478 .—भारतीय लोगों के प्राकृतिक आपदा व्यास के संबंध में समय-समय पर यथासंशोधित दिनांक 25 जुलाई, 1990 की अधिसूचना सं. 1616-एफ. के अनुसार भूतपूर्व राजस्व एवं कृषि विभाग द्वारा प्रकाशित नियमावली के नियम 14 के साथ पठित नियम 3(1) के खंड (क) के अनुसार भारत सरकार, श्री छोटे सिंह यादव, संसद सदस्य, 56 नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली, को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेशों तक श्री संवरपाल सिंह के स्थान पर प्रबंध बोर्ड, भारतीय लोगों का प्राकृतिक आपदा व्यास के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 15-9 90-एस. ग्रा.]

दीन दयाल, उप सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Co-operation)

New Delhi, the 28th January, 1991

S.O. 478.—In accordance with clause (e) of Rule 3(1) read with Rule 14 of the Rules published by the erstwhile Department of Revenue and Agriculture vide Notification No. 1616 F dated the 25th July, 1900 thereof as amended

from time to time regarding Indian People's National Calamities Trust, the Government of India is pleased to appoint Shri Chhotey Singh Yadav, M.P. 56, North Avenue, New Delhi as member on the Board of Management, Indian People's Natural Calamities Trust, with immediate effect till further orders vice Shri Samar Pal Singh,

[No 15-9/90-SR]

DEEN DAYAL, Dy. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1991

का. घा. 478 -- केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ शासकीय प्रयोजनों के लिए) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालयों को जिनके 80 प्रतिशत में अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यमाध्यम ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करता है--

- 1 भारतीय भोजन सहिता प्रयोगशाला, गाजियाबाद।
- 2 परिवार कल्याण प्रशिक्षण तथा अनुसंधान केंद्र, बम्बई।

[संख्या ई 11012/8/88-रा भा कार्य]

बलबीर सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 28th January, 1991

S.O. 479.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices under the Ministry of Health and Family Welfare, 80 percent staff whereof have acquired working knowledge of Hindi :—

1. Indian Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad.
2. Family Welfare Training and Research Centre, Bombay.

[No. E-11012/8/88 OLI]

BALBIR SINGH, Jt. Secy.

1988 (54 of 1988), the Central Government hereby establishes, with effect from the date of issue of this notification, a Foundation to be called as the "Auroville Foundation" for the purpose of the said Act.

[No F. 27 33/88-UU]

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1991

का. आ. 481 --आरोविल प्रतिष्ठान अधिनियम 1988 (1988 का 54) की धारा 12 के साथ पठित धारा 11, 12 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हेतु केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को इस अधिसूचना जारी होने की तारीख से आरोविल प्रतिष्ठान के अभिशासी बोर्ड के सदस्यों के रूप में मनोनीत करती है।

- 1 डा. करण सिंह
मान सरोवर
3, न्याय मार्ग,
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली
- 2 श्रीमती अस्तर पटेल
(आरोविल निवासी)
डाकखाना आरोविल-605101
जिला—दक्षिण आर्कोट
तमिलनाडु
- 3 डा. कपिला वात्स्यायन
भवस्थ सचिव
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
(भूतपूर्व कला सचिव)
- 4 डा. अश्विन वाम गुप्ता
कुलपति
विश्व भारती विश्वविद्यालय
शांति निकेतन-731235

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1991

का. घा. 480 --आरोविल प्रतिष्ठान अधिनियम, 1988 (1988 का 54) की धारा (10), की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से एक प्रतिष्ठान स्थापित कर रही है, जिसे उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए आरोविल प्रतिष्ठान कहा जाएगा।

[सं.एफ. 27-33/88-यू.यू.]

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Education)

New Delhi, the 29th January, 1991

S.O. 480.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 10 of the Auroville Foundation Act,

5 श्रीमति बिल्केस लाली

अध्यक्ष

आंध्र प्रदेश राज्य सनातन कल्याण बोर्ड 3-4-547

बाई. एम.सी.ए., नारायणगुदा,

हैदराबाद-500029

6 श्री एन. कृष्णन,

डीन,

अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल

पांडिचेरी विश्वविद्यालय

पांडिचेरी

7 श्री किरीट जोशी

सदस्य—सचिव

राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान

राजिन्द्र भवन, 210

दीन दयाल उपाध्याय मार्ग

नई दिल्ली-110002

8 श्री के. कोसल राम

वित्तीय सलाहकार

(पदेन)

शिक्षा विभाग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

9 श्री एस आर. तायल

निदेश (यन्त्रोपकरण)

पदेन

शिक्षा विभाग,

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

2. डा. करण सिंह उक्त अधिशासी बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।

[न. एर. 27-33/88-यू. यू.]

एन. अर तायल, निदेशक

New Delhi, the 30th January, 1991

S.O. 481.—In exercise of the powers conferred by section 11, read with section 12, of the Auroville Foundation Act, 1988 (54 of 1988), the Central Government hereby nominates the following persons as members, with effect from the date of issue of this notification, of the Governing Board of the Auroville Foundation, namely :—

1. Dr. Karan Singh,
'Mansarovar'
3, Nayaya Marg,
Chanakyapuri,
New Delhi.
2. Mrs. Aster Patel,
(Resident of Auroville),
P.O. Auroville-605101,
Dist. South Arcot,
Tamil Nadu.
3. Dr. Kapila Vatsyayan,
Member-Secretary,
Indira Gandhi National Centre for Arts.
(Former Secretary Arts).
4. Dr. Ashin Das Gupta,
Vice-Chancellor,
Visva Bharti University,
Santiniketan-731235,
(West Bengal).

5 Mrs. Bilkés Lalí,

Chairman,

A.P. State Social Welfare Board 3-4-547,

Y.M.C.A.,

Narayanguda,

Hyderabad-500029.

6 Mr. N. Krishnan,

Dean,

School of International Studies,

University of Pondicherry,

Pondicherry.

7. Shri Kireet Joshi,

Member-Secretary,

Rashtriya Veda Vidya Prethisthan,

Rajindra Bhawan, 210,

Deendayal Upadhyaya Marg

New Delhi-110002.

8. Shri K. Kosalram,

Financial Adviser,

(Ex-Officio),

Department of Education,

Ministry of Human Resource Development.

9. Shri S. R. Tayal,

Director (UNESCO UNIT),

(Ex-Officio),

Department of Education,

Ministry of Human Resource Development.

2. Dr. Karan Singh will be the Chairman of the said Governing Board.

[No. F. 27-33/88-UU]

S. R. TAYAL, Director

पर्यावरण और वन मंत्रालय

(पर्यावरण, वन तथा वन्यजीव विभाग)

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1991

का. घा. 482.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग के अधीन निम्नलिखित कार्यालयों, जिनके कर्मचारी वृन्द ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को अधिसूचित करती है :—

1. वन्यप्राणी परिरक्षण, क्षेत्रीय कार्यालय (पूर्वी क्षेत्र कलकत्ता।
2. रक्ष क्षेत्र वानिकी अनुसंधान संस्थान, जोधपुर।

[सं. ई. 11011/3/31/88 का.हि. II]

उदयराम ध्यानी, उप निदेशक

(रा.भा.)

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

(Department of Environment, Forests and Wildlife)

New Delhi, the 18th January, 1991

S.O. 482.—In pursuance of sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official Purpose of the Union) Rule, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices under the administrative control of the Department of Environment, Forests and Wildlife, the staff whereof have acquired a working knowledge of Hindi :—

1. Wildlife Preservation, Regional Office (Eastern Region), Calcutta.
2. Arid Zone Forestry Research Institute, Jodhpur.

[No. E-11011/31/88-Ka Hindi II]

U. R. DHYANI, Dy. Director (OL)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1991

ता. आ. 1991-भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के आदेश संख्या का. आ. 1991 दिनांक दिनांक, 1. 6 की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रत्येक अधिनियम व उपबंध के अन्तर्गत आने वाली निम्नलिखित अनुसूची में, केन्द्रीय सरकार एवं/या फिल्म मंत्रालय बोर्ड बम्बई को गिफारिशों पर विचार करने के उपरांत, निम्न अनुसूची के कालम 2 में विनिर्दिष्ट फिल्मों को, जिसका/जिनका विवरण उपर्युक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया गया है उनके/उनके सभी भागों के साथ जो 1-1-90 से 31-9-1990 की अवधि में संबंधित है स्वीकार करते हैं।

अनुसूची

क्र.सं.	फिल्म का शीर्षक	फिल्म का लम्बाई (मीटर में)	आवेदक का नाम	निर्माताओं का नाम	संक्षिप्त रूपरेखा कि फिल्म वैज्ञानिक फिल्म है या शैक्षिक उद्देश्यों के लिए है या समाचारों और समसामयिक घटनाओं से संबंधित फिल्म है या दृष्टव्य है।
1	2	3	4	5	6
1	न्यूज मैगजीन नं. 161 (मथलेटिकल बर्ड कालम)	246 00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-जी देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।		सामान्य रिलीज और "समाचार एवं समसामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत"।
2	फैजाइल साउन्डटेप	546 00	--तथैव--		सामान्य रिलीज और "दृष्टव्य के रूप में वर्गीकृत"।
3	महाराष्ट्र न्यूज रील नं. 414	236 00	श्री बी. पी. भोटे, महायव निदेशक (फि), सूचना एवं जन संपर्क महा- निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई-34।	सूचना एवं जन संपर्क महा- निदेशक महाराष्ट्र सरकार, बम्बई-12।	महाराष्ट्र क्षेत्र में "समाचार एवं समसामयिक घटनाओं" के रूप में रिलीज।
4	लगेच पेसे	177 00	--तथैव--	--तथैव--	महाराष्ट्र क्षेत्र में दृष्टव्य के रूप में रिलीज।
5	वातचित्रिका नं. 145	276 93	आंध्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम लि., 11-5-423/1, लकाड़ी का पुल, वैदराबाद-500004।		आंध्र प्रदेश क्षेत्र में "समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में रिलीज।
6	उत्तर प्रदेश समाचार 124	294 11	धीरेन्द्र पाण्डे, निर्माता न्यूजरील, सूचना और जन संपर्क निदेशक, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।		"समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में उत्तर-प्रदेश क्षेत्र में रिलीज।
7	न्यूज मैगजीन नं. 162	299 00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-जी देशमुख मार्ग, बम्बई-26।		सामान्य रिलीज और "दृष्टव्य के रूप में वर्गीकृत"।
8	निरोध	60 96	--तथैव--		--तथैव--
9	मे दि हिमालयज	533 95	--तथैव--		--तथैव--

1	2	3	4	5	6
10. आधुनिक लेनी	362.70	सूचना और जन संपर्क महा- निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68, तारदेव रोड, बम्बई-34।	सूचना और जन संपर्क महा- निदेशक महाराष्ट्र सरकार, बम्बई-33।	वृत्तचित्र के रूप में महाराष्ट्र क्षेत्र में रिलीज।	
11. विल्ली गूञ एहेड	486.46	फिरोज चिनोय, "कर्मवीर" क्लैट, नं. 16, तीमरा तल, आर. टी. ओ. लेन, पंधेरी (पश्चिमी) बम्बई-400058।		वृत्तचित्र के रूप में सामान्य रिलीज।	
12. महाराष्ट्र गृहरील सं. 446	234.00	श्री बी. पी. भोंडे, सहायक निदेशक (फिल्म) सूचना एवं जन संपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई-34।		"समाचार और सामयिक घटनाओं के रूप में महा- राष्ट्र क्षेत्र में रिलीज।	
13. महति चित्र 491	213.36	निदेशक सूचना, गुजरात सरकार, मन्त्रिवालय, गोंधी नगर-382010		"समाचार और सामयिक घट- नाओं के रूप में गुजरात क्षेत्र में रिलीज।	
14. न्यूज मैगजीन नं. 168 (मामिबिया विन्स फ्रीडम)।	402.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-36।		सामान्य रिलीज और "समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।	
15. वाततिरंगिनी 151	302.74	आंध्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम लि., 11-5-423/1, लकड़ी का पुल, हैदराबाद-500004।		समाचार एवं सामयिक घट- नाओं के रूप में आंध्र प्रदेश क्षेत्र में रिलीज।	
16. वाततिरंगिनी नं. 152	284.45	--तथैव--		--तथैव--	
17. महापुरुष डा. अम्बेडकर	480.00	श्री बी. पी. भोंडे, सहायक निदेशक सूचना, महाराष्ट्र सरकार, 68-तारदेव रोड, बम्बई-34।		"वृत्तचित्र" के रूप में महाराष्ट्र क्षेत्र में रिलीज।	
18. पुरस्कृत पुनर्वास	327.49	--तथैव--		--तथैव--	
19. आसानी ही आसानी	46.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-26।		सामान्य रिलीज और "वृत्त- चित्र" के रूप में वर्गीकृत।	
20. समस्यारी की बात	40.00	--तथैव--		काट-छांट के बाद "वृत्तचित्र" के रूप में सामान्य रिलीज।	
21. न्यूज मैगजीन नं. 167	454.00	--तथैव--		"समाचार और सामयिक घट- नाओं के रूप में सामान्य रिलीज।	

1	2	3	4	5	6
22.	वार्ताहरंगमी 150	284.45	ए. पी. एस. एफ. डी. सी. लि., 11-5-423-1, लकड़ी का पुल, हैदराबाद-500004।		"समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में आंध्र प्रदेश क्षेत्र में रिलीज।
23.	धानुची कथा	395.6	बी. पी. भोंडे, सूचना महाविद्यालय, महाराष्ट्र बम्बई-34।		नाम में काट-छाट कर "वृत्तचित्र" के रूप में महाराष्ट्र क्षेत्र में रिलीज।
24.	पिकव् पिकडे मोती	314.55	श्री बी. पी. भोंडे, सहायक निवेशक सूचना, महाराष्ट्र सरकार, 68-तारवेव रोड, बम्बई-34।		"वृत्तचित्र" के रूप में महाराष्ट्र क्षेत्र में रिलीज।
25.	वार्ताहरंगमी नं. 149	320.12	आंध्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम, 11-5-423/1, लकड़ी का पुल, हैदराबाद।		"समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में आंध्र प्रदेश क्षेत्र में रिलीज।
26.	न्यूज मैगजीन नं. 166 (साक्षरता एनर्किमम उदाहरण)		फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-26।		"वृत्तचित्र" के रूप में सामान्य रिलीज।
27.	कलकत्ता-बन्स ए सिटी आफ पैलेसेज	578.20	मैसर्स अंजन राय प्रोडक्शन्स, 18/39, कालसय गुंगे, पलेस ईस्ट, कलकत्ता-700019।		"वृत्तचित्र" के रूप में सामान्य रिलीज।
28.	उत्तर प्रदेश समाचार नं. 129	295.64	श्री धीरेन्द्र पाण्डे, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।		उ. प्र. क्षेत्र में रिलीज के लिए और "समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
29.	गुफार	50.30	श्री एस. आर. साज, प्रोप्राईटर, अम्मा-ए-मेकर्स एसोसिएशन, बम्बई।		सामान्य रिलीज और "वृत्तचित्र" के रूप में वर्गीकृत।
30.	न्यूज मैगजीन नं. 165 1990--भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह	296.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-26।		"समाचार और सामयिक विषयों" के रूप में सामान्य रिलीज।
31.	वार्ताहरंगमी नं. 147	286.28	ए. पी. एस. एफ. डी. सी. लि., 11-5-423/1, लकड़ी का पुल, हैदराबाद-500004।		"समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में आंध्र प्रदेश में रिलीज।
32.	वार्ताहरंगमी नं. 148	266.77	—तथ्य—		—तथ्य—
33.	युवा महाराष्ट्र	319.29	सूचना महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, 68-तारवेव रोड, बम्बई।		महाराष्ट्र क्षेत्र में रिलीज और "वृत्तचित्र" के रूप में वर्गीकृत।
34.	नवजीवन	306.63	—तथ्य—		—तथ्य—
35.	न्यूज मैगजीन नं. 164	298.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-26		"समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में सामान्य रिलीज।

[illegible]

1	2	3	4	5	6
48	किमान विकास पत्र	130.99	आंध्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम लि 11-5-423/1, लक्ष्मी का पुल, हैदराबाद-500004		आंध्र प्रदेश क्षेत्र में रिलीज और "समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
49	न्यूज मैगजीन नं. 171	505.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पेंडर रोड, बम्बई-26		सामान्य रिलीज और "समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
50	न्यूज मैगजीन नं. 170	507.00	---तथैव---		---तथैव---
51	वार्ता तरंगिणी	311.78	आंध्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम लि, 11-5-423/1, लक्ष्मी का पुल, हैदराबाद-500004		आंध्र प्रदेश क्षेत्र में रिलीज और सामान्य एवं सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।
52	वार्ता तरंगिणी 155	257.32	---तथैव---		---तथैव---
53	वार्ता तरंगिणी 150	235.67	---तथैव---		---तथैव---
54	महानिचित्र 495	243.84	महायव निदेशक, सूचना (फिल्मस्), गुजरात सरकार, रायनोड रिमर्से लेब लि, 77-डा ए बी रोड, वला, बम्बई-18		गुजरात क्षेत्र में समाचार एवं सामयिक घटनाओं के रूप में रिलीज।
55	न्यूज मैगजीन नं. 173- ए-जी-15, आउथ को अपरेशन	404.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पेंडर रोड, बम्बई-26		"समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में सामान्य रिलीज।
56	चित्र	74.00	---तथैव---		"वृत्तचित्र" के रूप में आंध्र प्रदेश क्षेत्र में रिलीज।
57	चित्र	72.00	---तथैव---		"वृत्तचित्र" के रूप में आंध्र प्रदेश क्षेत्र में रिलीज।
			बम्बई-26		
58	चित्र	76.00	---तथैव---		उड़ीसा क्षेत्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
59	चित्र	81.00	---तथैव---		असम क्षेत्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
60	चित्र	73.00	---तथैव---		पश्चिम बंगाल में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
61	चित्र	76.00	---तथैव---		तमिलनाडु में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
62	चित्र	70.00	---तथैव---		कर्नाटक में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
63	विज्ञापन मा	87.00	---तथैव---		उड़ीसा क्षेत्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
64	वृत्तिमता मा	97.00	---तथैव---		"वृत्तचित्र" के रूप में पश्चिम बंगाल क्षेत्र में रिलीज।

1	2	3	4	5	6
65	न्यूज मैगजीन 175	399 00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-26		अखिल भारतीय रिलीज और “समाचार एवं सामयिक घटनाओं” के रूप में वर्गीकृत।
66	डायरेक्टिया	301 00	---तथैव---		सामान्य रिलीज और “वृत्त- चित्र” के रूप में वर्गीकृत।
67	वार्ता तरंगिनी 161	297 86	ए. पी. एस. एफ. डी. सी लि 11-5-423/1 लकड़ी का पुल हैदराबाद-500004		आंध्र प्रदेश क्षेत्र में ‘समाचार एवं सामयिक घटनाओं’ के रूप में रिलीज।
68	महाराष्ट्र न्यूज मैगजीन 448	275 21	पी. एस. पालेकर, सहायक निदेशक फिल्म, सूचना महाविशालय, महाराष्ट्र सरकार फिल्म केंद्र, बम्बई।		महाराष्ट्र क्षेत्र में रिलीज और “समाचार एवं सामयिक घटनाओं” के रूप में वर्गी- कृत।
69	न्यूज मैगजीन 174 (वृत्तिक फारवर्ड भाग-१)	348 00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-26		“वृत्तचित्र” के रूप में सामान्य रिलीज।
70	चक्र	68 00	---तथैव---		महाराष्ट्र क्षेत्र में “वृत्तचित्र” के रूप में रिलीज।
71	चक्र	73.00	---तथैव---		“वृत्तचित्र” के रूप में गुजरात में रिलीज।
72	बंगाल ग्लिमसेफ थ्रॉफ ए ग्लोबियल इपोच	600 00	उद्योतिर्मय राय, 15 मोती लाल सहस्र रोड, कलकत्ता-700029		“वृत्तचित्र” के रूप में सामान्य रिलीज।
73	वार्ता तरंगिनी 160	364.02	आंध्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम लि., 11-5-423/1, लकड़ी का पुल, हैदराबाद-500004		आंध्र प्रदेश क्षेत्र में “समाचार एवं सामयिक घटनाओं” के रूप में रिलीज।
74	न्यूज मैगजीन 173 (समता और न्याय के लिए)	332 00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-26		“समाचार एवं सामयिक घट- नाओं” के रूप में सामान्य रिलीज।
75	दस्त लगते ही	70 00	---तथैव---		“वृत्तचित्र” के रूप में सामान्य रिलीज।
76	समसद्वार मां	109 00	---तथैव---		---तथैव---
77	बिबेकमना अनार्थ	94.18	---तथैव---		गमिलनाडू क्षेत्र में “वृत्तचित्र” के रूप में रिलीज।
78	मेले नै ना हल्ला	92 66	---तथैव---		आंध्र प्रदेश में “वृत्तचित्र” के रूप में रिलीज।
79	जाने नाये	103 02	---तथैव---		कर्नाटक क्षेत्र में “वृत्तचित्र” के रूप में रिलीज।

1	2	3	4	5
80.	विवेकमुक्ता अम्मा	88.70	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 21 पैडर रोड, बम्बई-26	केरल में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
81.	शान्ति मास	98.15	---तथैव---	अरुम क्षेत्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
82.	अंध विश्वास	81.00	---तथैव---	गुजरात क्षेत्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
83.	मृदा नामबिकार्ड	72.00	---तथैव---	तमिलनाडु में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
84.	अंध विश्वास	78.38	---तथैव---	आंध्र प्रदेश में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
85.	मृदा नामबिकार्ड	90.83	---तथैव---	कर्नाटक में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
86.	अंध विश्वास	74.07	---तथैव---	केरल जिले में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
87.	अंध विश्वास	76.20	---तथैव---	अरुम क्षेत्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
88.	अंध विश्वास	69.00	---तथैव---	पश्चिम बंगाल क्षेत्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
89.	अंध विश्वास	76.00	---तथैव---	उड़ीसा क्षेत्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
90.	ओ. आर. एस. का मिश्रण	88.00	---तथैव---	"वृत्तचित्र" के रूप में सामान्य रिलीज ।
91.	ओ. आर. एस. का धोल	87.99	---तथैव---	पंजाब, हरियाणा, दिल्ली में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
92.	दस्त लगने के कारण	67.00	---तथैव---	"वृत्तचित्र" के रूप में सामान्य रिलीज ।
93.	दस्त लगने की	72.00	---तथैव---	पंजाब, हरियाणा, दिल्ली में वृत्तचित्र के रूप में रिलीज ।
94.	ओ. आर. एस. का धोल	83.00	---तथैव---	उ. प्र., म. प्र., बिहार में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
95.	समसवार आई	101.00	---तथैव---	महाराष्ट्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।
96.	अंध विश्वास	74.37	---तथैव---	"वृत्तचित्र" रूप में सामान्य रिलीज ।
97.	समसवार पति	36.00	---तथैव---	---तथैव---
98.	दस्त लगने के कारण	62.00	---तथैव---	पंजाब, हरियाणा, दिल्ली में वृत्तचित्र के रूप में रिलीज ।
99.	दस्तों की वजह	67.00	---तथैव---	उ. प्र., म. प्र., बिहार जम्मू और कश्मीर में वृत्तचित्र के रूप में रिलीज ।
100.	वनश्री हिव धनश्री	395.00	पी. एस. पालेकर, महायक निवेशक फिल्म, सूचना महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार फिल्म सेंटर, बम्बई-34	महाराष्ट्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज ।

1	2	3	4	5
101. वार्ता तरंगिनी 159	290.24	ए. बी. एस. एफ. टी., 11-5-423/1, नकड़ी का पुल, हैदराबाद-500004		"समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में राष्ट्रीय प्रयोग में रिलीज।
102. एफाल प्रॉडिज कपास आइकोडी	409.54	ए. बी. एस. एफ. टी., 11-5-423/1, नकड़ी का पुल, हैदराबाद-500004		समाचार एवं सामयिक घटनाओं के रूप में राष्ट्रीय प्रयोग में रिलीज।
103. महबूबोबा ए रेस टु ब्लाईडनेस	366.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-थैपर रोड, बम्बई-26		"वृत्तचित्र" के रूप में सामान्य रिलीज।
104. जल संजीवनी	76.00	—तथैव—		महाराष्ट्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
105. जल संजीवनी	72.54	—तथैव—		गुजरात में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
106. ओ. आर. एस. कलाव	80.47	—तथैव—		"वृत्तचित्र" के रूप में तमिलनाडु में रिलीज।
107. ओ. आर. एस. मिश्राम	82.96	—तथैव—		"वृत्तचित्र" के रूप में राष्ट्रीय प्रयोग में रिलीज।
108. ओ. आर. एस. मिश्रण	84.12	—तथैव—		घरनाटक में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
109. ओ. आर. एस. मिश्रीवम	70.71	—तथैव—		केरल में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
110. संजीवनी पनी	72.54	—तथैव—		असम में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
111. संजीवनी बारी	70.40	—तथैव—		बंगाल में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
112. जल संजीवनी	70.71	—तथैव—		उड़ीसा में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
113. एक समझदार मा	84.00	—तथैव—		"वृत्तचित्र" के रूप में सामान्य रिलीज।
114. एक होशियार मां	91.00	—तथैव—		उ.प्र., म.प्र., बिहार और जम्मू कश्मीर में रिलीज।
115. एक सयानी मां	75.00	—तथैव—		पंजाब, दिल्ली, हरियाणा में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
116. विविध प्रतिभाओं का संग	578.16	योगेश कान्त भागीरिया, 40, बनारसी दाम स्टेट, लिमापुर, दिल्ली-54		राजस्थान क्षेत्र में रिलीज और "वृत्तचित्र" के रूप में वर्गीकृत।
117. महाराष्ट्र न्यज पील 447	268.00	पी. एस. पालेकर, सहायक निदेशक (एफ) सूचना और जन संपर्क महा- निदेशालय, फिल्म सेक्टर, 68-तारदेव रोड बम्बई-34		"समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में महाराष्ट्र क्षेत्र में रिलीज।
118. खमची जेलिय शखर अने चिमटी जेतुलु मोपु	89.31	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-थैपर रोड, बम्बई-26		"वृत्तचित्र" के रूप में गुजरात क्षेत्र में रिलीज।

1	2	3	4	5
119.	बमबा भर शम्बर एण्ड चिम्ट भर सीठ	89 00	फिल्म प्रभाग भारत सरकार 24-पैडर रोड बम्बई-20	महाराष्ट्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
120.	वेदिये नेमकुवाडे इलेगारे	87 18	---तथैव---	तमिलनाडु में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
121.	तीला वेगेचनाला नून्की उप- समन्तिम इन्थो सुलाभम	87.79	---तथैव---	म्राध प्रदेश क्षेत्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
122.	भक्तिदेवी इन्थवे सुलाभ रक्षणो	95 04	---तथैव---	म्राध प्रदेश क्षेत्र में "वृत्त- चित्र" के रूप में रिलीज
123.	केरेलाक्कम नेयेन्निक्कन एन्कले इन्नुप्पम	66 45	---तथैव---	"वृत्तचित्र" के रूप में केरल में रिलीज।
124.	अतिमात्र नेके मुक्ति	89.61	---तथैव---	पश्चिम बंगाल में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
125.	अतिमात्रमुक्ति (उडिया)	75 39	---तथैव---	उड़ीसा में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
126.	नमक चीनी का मिश्रण	77 00	---तथैव---	"वृत्तचित्र" के रूप में सामान्य रिलीज।
127.	नमक चीनी का घोल	93.00	---तथैव---	उ.प्र., म.प्र., बिहार, जम्मू कश्मीर में वृत्तचित्र के रूप में रिलीज।
128.	नमक चीनी का घोल	75 00	---तथैव---	पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में वृत्तचित्र के रूप में रिलीज।
129.	अद जोगोर परा मुक्ति	78 38	---तथैव---	असम में "वृत्तचित्र" के रूप में रिलीज।
130.	विशेष महाराष्ट्र समाचार चित्र क्रमांक-4 (अपना उत्सव)	292 00	पी. एम. पालेकर महायका निदेशक (एफ०) महाराष्ट्र सरकार फिल्म सेक्टर 68-तारदेव रोड बम्बई-34	महाराष्ट्र क्षेत्र में रिलीज और "वृत्तचित्र" के रूप में वर्गी- कृत (समाचार एवं साम- यिक घटनाएँ नहीं)।
131.	पूरा	111.25	अजय सिंह चुबसेमा द्वारा यासनिक फिल्म्स 10-ए तिनबाला बिल्डिंग त्रिभुवन रोड बम्बई-400004	"वृत्तचित्र" के रूप में सामान्य रिलीज।
132.	मन टैम आफ असम	897 41	एन. एम. बसन्ना इन्-रे-मे फिल्म्स 121 कलेक्टर कालोनी फ्लैट नं. 1-सी जेम्बूर बम्बई-74	सामान्य रिलीज और "वृत्त- चित्र" के रूप में वर्गीकृत।
133.	न्यूज सेरजोन (वुकिंग फॉरवर्ड भाग-3)	420 00	फिल्म प्रभाग भारत सरकार 24-पैडर रोड बम्बई-26	सामान्य रिलीज और "वृत्त- चित्र" के रूप में वर्गीकृत (समाचार एवं सामयिक घटनाएँ नहीं)।

1	2	3	4	5	6
144 फार्ग यूजर् हेन्थ	167 00	फिल्म प्रभाग भारत सरकार 24-पैडर रोड बम्बई-26			सामान्य रिक्तीज और "वृत्त-चित्र" के रूप में वर्गीकृत।
145 गीता	69 00	--तथैव--			सामान्य रिक्तीज और "वृत्त-चित्र" के रूप में वर्गीकृत।
146 न्यूज मैगजीन न 177 (यू एम एम और --इडिया फ्रेमशिप एण्ड ट्रस्ट)	177 00	--तथैव--			सामान्य रिक्तीज और "समा-चार" एवं सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।
147 वार्ता नरगिनी 162	271 34	ए पी एम एफ डी सी हैदराबाद-11-5-423/1 लफाडी का पुल हैदराबाद-500004			मध्य प्रदेश क्षेत्र में रिक्तीज और "समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
148 बिहार दर्शन	387 76	श्री एम प्रा फिल्म निर्माण अधिकारी सूचना एवं जन संपर्क विभाग बिहार सरकार पटना।			बिहार क्षेत्र में रिक्तीज और "वृत्तचित्र" के रूप में वर्गीकृत।
149 वार्ता नरगिनी 163	298 17	ए पी एम एफ डी सी 11-5-423/1 लफाडी का पुल हैदराबाद।			मध्य प्रदेश क्षेत्र में रिक्तीज और "समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
140 विकास की ओर	518 14	निदेशक सूचना और जन संपर्क बिहार सरकार पटना।			बिहार क्षेत्र में "वृत्तचित्र" के रूप में रिक्तीज।
141 महाराष्ट्र न्यूजरील न 449	233 00	पी एम पालेकर सहायक निदेशक (एफ) सूचना और जन संपर्क महा- निदेशालय महाराष्ट्र सरकार 68-तारवेर रोड बम्बई-34			महाराष्ट्र क्षेत्र में समाचार एवं सामयिक घटनाओं के रूप में रिक्तीज।
142 प्रणता	445 97	तेलुगु चित्र 6-1-508/ए/18 खैरातबाद हैदराबाद-500004			मध्य प्रदेश क्षेत्र में "वृत्त-चित्र" के रूप में रिक्तीज।
143 महानि चित्र न 496	334 70	सहायक निदेशक सूचना (एफ) गुजरात सरकार रायनोर्ड रिमर्च गैब 77-डा ए बी रोड बम्बई-18			गुजरात क्षेत्र में "समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में रिक्तीज।
144 न्यूज मैगजीन न 178	417 00	फिल्म प्रभाग भारत सरकार 24-पैडर रोड बम्बई-26			"समाचार एवं सामयिक घटनाओं" के रूप में सामान्य रिक्तीज।
145 न्यूज मैगजीन न 175-ए	540 00	--तथैव--			"वृत्तचित्र" के रूप में सामान्य रिक्तीज।

1	2	3	4	5	6
146	न्यूज मैगज़ीन 179 (आइकॉस्टिक्स विड्स ऑफ़ सेज)	501 00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 21-बैटर् रोड, बम्बई-26		"समाचार एंव सामयिक घटनाओं" के रूप में सामान्य रिजर्व।
147	गणेश गणेश शंकर सिद्धार्थी	329 00	--तथैव--		"वृत्तचित्र" के रूप में सामान्य रिजर्व।
148	न्यूज मैगज़ीन न 179-ए (दि इन्टरनेल जर्नी)	575 00	--तथैव--		"समाचार एंव जन सामयिक घटनाओं" के रूप में सामान्य रिजर्व।
149	वार्ता नर्सिंग 164	279 88	ए. पी. एल. एक डी. सी 11-5-123/1 लकड़ी का पुल हैदराबाद-500001		"समाचार एंव सामयिक घटनाओं" के रूप में रिजर्व।
150	वार्ता नर्सिंग 165	282 23	--तथैव--		--तथैव--

[काएल न 315/1/90-एफ (पी 1)]

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
ORDER

New Delhi, the 30th January, 1991

S.O. 483 .—In pursuance of the directions issued under the provisions of each of the enactments specified in the first Schedule to the Order of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. S.O. 3792 dated 2nd December 1966 the Central Government after considering recommendations of the Film Advisory Board, Bombay here approves the films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said Schedule pertaining to the period 1-1-90 to 30-9-1990.

SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length of the film in metres	Name of the Applicant	Name of the Producer	Brief synopsis whether a scientific film or for educational purpose or a film dealing with newses current events or documentary film
1	2	3	4	5	6
1.	News Magazine No. 161 (Athletics-World Class)	296 00	Films Division Govt. of India, 24-G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.	Dir Gen of Inf. & Pub. Rels., Govt. of Maharashtra Bombay-32.	General Release and classified as "News and Current Events"
2.	Fragile Mountains	596.00	-do-		General release and classified as "Documentary"
3.	Maharashtra Newsreel No. 444	236.00	Shri V.P. Bhonde, Asstt. Dir. (Films) Dir. Gen. of Inf. & Pub. Rel., Govt. of Maharashtra Bombay-34.		Release in Maharashtra circuit as "News and Events"
4.	Lengech Paise	177.00	-do-	-do-	Release in Mah. circuit as Documentary.
5.	Varta Tatangini 145	276 83	Andhra Pradesh State Film Develop. Corp. Ltd., 11-5-423/1, Lakdikapool Hyderabad-500 004.		Release in Andhra Pradesh circuit as "News and Current Events".
6.	Uttar Pradesh Samachar 128	294.11	Dhirendra Pande Producers News reel, Dir. of Inf. & Public Relations, Govt. of U.P. Lucknow.		Release in Uttar Pradesh circuit as "News and Current Events."

1	Q2	3	4	5	6
7.	News Magazine No. 162 (Films for Children)	299.00	Films Division Govt. of India, 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-26.	Dir.Gen. of Inf. & Pub. Relations Govt. of Maharashtra Bombay-32.	General Release and classified as "Documentary"
8.	Nirodh	60.96	-do-		-do-
9.	Save the Himalayas	533.95	-do-		-do-
10.	Aadhunik Leni	362.70	Dir. Genl. of Inf. & Pub. Rels., Govt. of Maharashtra Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.		Release in Maharashtra circuit as 'Documentary'.
11.	Delhi Moves Ahead	486.46	Firoze Chinoy "Karamveer" Flat No. 16, 3rd floor, RTO Lane, Andheri (West) Bombay-400 058.		General Release as "Documentary"
12.	Maharashtra News Reel No. 446	234.00	Shri V.P. Bhonde, Asstt. Dir. (Films) Dir. General of Inf. & Pub. Relations, Govt. of Maharashtra Bombay-34.		Release in Maharashtra circuit as "News and current events".
13.	Mahiti Chitra 491	213.36	Dir. of Information, Govt. of Gujarat, Lachivalaya Gandhinagar-382 010.		Release in Gujarat circuit as "News and Current Events"
14.	News Magazine No. 168 (Namibia Wins freedom)	402.00	Films Division, Govt. of India 24-Peddar Road, Bombay-26.		General Release and classified as "News and Current Events".
15.	Varta Tarangini 151	302.74	Andhra Pradesh State Film Develop., Corp., Ltd. 11-5-423/1, Lakdi-Ka-pool, Hyderabad-500 003.		Release in A.P. circuit as "News and Current Events".
16.	Varta Tarangini 152	284.45	-do-		-do-
17.	Mahapurush Dr. Ambedkar	480.00	Shri V.P. Bhonde, Asstt. Dir. of Inf., Govt. of Maharashtra, 68-Tardeo Road, Bombay-34.		Release in Maharashtra circuit as "Documentary".
18.	Purgastanche Punarwasan	327.49	-do-		-do-
19.	Asani Hi Asani	46.00	Films Division, Govt. of India, 24-Peddar Road Bombay-26.		General release & classified as "Documentary".
20.	Samajdhari Ki Baat	40.00	-do-		General release as "Documentary", subject to deletion.
21.	News Magazine No. 167	454.00	-do-		General release as "News and Current Events".
22.	Varta Tarangini 150	284.45	A.P.S.F.D.C. Ltd., 11-5-423/1, Lakdi-Ka-Pool Hyderabad-500 004.		Release in A.P. circuit as "News and Current Events"
23.	Dhanuchi Katha	395.6	V.P. Bhonde, Dir. Gen. of Inf. Govt. of Maharashtra Bombay-34.		Release in Maharashtra circuit as "Documentary" subject to one deletion of a sentence.
24.	Pikvoo Pivale Moti	314.55	Shri V.P. Bhonde, Asstt. Dir. of Information Govt. of Maharashtra, 68—Tardeo Road, Bombay-34.		Release in Maharashtra circuit as "Documentary".
25.	Varta Tarangini 149	320.12	Andhra Pradesh State Film Develop. Corp. 11-5-423/1, Lakdikapool Hyderabad-500 004.		Release in A.P. circuit as "News and current Events".

1	2	3	4	5	6
26.	News Magazine No. 166 (Literacy : Ernakulam Example)		Films Division Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		General release as "Documentary".
27.	Calcutta - Once a City of Palaces	578.20	M/s. Anjan Roy Productions, 18/39, Kallygunge, Palace, East, Calcutta-700 019.		General release as "Documentary".
28.	Uttar Pradesh Samachar No. 129	295.64	Shri Dharendra Pande, Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow.		Release in U.P. circuit and classified as "News and Current Events".
29.	Pukar	50.30	Shri S.R. Saaz, Proprietor, Ammu—A Makers Association, Bombay.		General release and classi- fied as "Documentary".
30.	News Magazine No. 165, 1990-International film Festival of India.	296.00	Films Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		General release as "News and Current Events".
31.	Varta Tarangini No. 147.	286.28	A.P.S.F.D.C. Ltd., 11-5-423/1, Lakdikapool, Hyderabad-500 004.		Release in A.P. circuit as "News and Current Events".
32.	Varta Tarangini No. 148	266.77	-do-		-do-
33.	Yuva Maharashtra	319.29	Director General of Inf. Govt. of Maharashtra, 68-Tardeo Road, Bombay.		Release in Maharashtra circuit and classified as "Documentary"
34.	Navjeevan	306.63	-do-	-do-	-do-
35.	News Magazine No. 164	290.00	Films Division, Govt. of India, 24-Peddar Road Bombay-26.		General Release as "News and Current Events".
36.	Documentary Brings Life closer to you	53.95	-do-		General release as "Documentary".
37.	The Third Eye	230.00	-do-	-do-	-do-
38.	Yes, we make them short	336.05	-do-		-do-
39.	Sporting the Events	26.21	Films Division, Govt. of India 24-Peddar Road, Bombay-26.		General Release "Documentary"
40.	Maharashtra News Reel 445	265.00	Shri V.P. Bhonde, Asstt. Dir.(Films), Dir. Genl. of Inf. & Pub. Rel. Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.		Release in Maharashtra circuit and classified as "News and Current Events".
41.	Garvi Gujarat Pt. II	589.03	Jt. Dir. of Information, Govt. of Gujarat, Dhanra Mahal, Ground floor, Chhatrapati Shivaji Maharaj Marg, Bombay-39.		Release in Gujarat circuit as "Documentary" (subject to applicant adding Pt. 2 to the film as title)
42.	Purna Kumbha 1989	534.92	Shri Dharendra Pande, Dir. of Inf. & Pub. Rel. Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow		U.P. Circuit as "Documentary"
43.	Varta Tarangini 146	262.84	Andhra Pradesh State Film Develop. Corp. 11-6-423/1, Lakdikapool, Hyderabad-4.		Release in A.P. circuit as "News and Current Events".

1	2	3	4	5	6
44. News Magazine No. 163 (Punjab-In Search of Peace)	437.00	Films Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26		General Release as "News and Current Events"	
45. Delhi Police— Changing face	299.00	-do-		General Release as "Documentary"	
46. Mahitichitra No. 493	212.50	Asstt. Dir. of Inf., Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab. Ltd., 77-Dr. A.B. Road, Worli, Bombay-18.		Approved for release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".	
47. Mahitichitra No. 494	167.64	-do-		Release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".	
48. Kisan Vikas Patra	430.79	Andhra Pradesh State Film Develop. Corp. Ltd., 11-5-423/1, Lakdikapool Hyderabad-500 004.		Release in A.P. circuit and classified as "N & CE"	
49. News Magazine No. 171	505.00	Films Division, Govt. of India, Bombay-26.		General Release and classified as "N & CE".	
50. News Magazine No. 170	507.00	-do-		-do-	
51. Varta Tarangini 154	311.28	Andhra Pradesh State Film Develop., Corp., Ltd. 11-5-423/1, Lakdikapool Hyderabad—500 004.		Release in A.P. circuit as "News and Current Events".	
52. Varta Tarangini 155	257.32	-do-		-do-	
53. Varta Tarangini 156	235.67	-do-		-do-	
54. Mahitichitra 495	243.84	Asst. Dir. of Inf. (Films), Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab., 77-Dr. A.B. Road, Worli, Bombay-18		Release in Gujarat Circuit as "N & CE"	
55. News Magazine No. 173-A, G-15, South Cooperation	404.00	Films Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		General Release as "N & CE"	
56. Chakram	73.00	-do-		Rel. in A.P. Circuit as "Documentary"	
57. Valayam	72.00	-do-		Rel. in Kerala circuit as "Documentary"	
58. Chakra	76.00	-do-		Rel. in Oriya Circuit as "Documentary"	
59. Chakra	81.00	-do-		Rel. in Assam circuit as "Documentary"	
60. Chakra	73.00	-do-		Rel. in W. Bengal as "Documentary"	
61. Chakram	76.00	-do-		Rel. in Tamil Nadu as "Documentary"	
62. Chakra	70.00	-do-		Rel. in Karnataka as "Documentary"	
63. Vignya Man	87.00	-do-		Rel. in Orissa circuit as "Documentary"	

1	2	3	4	5	6
64.	Buddhimati Mau	97.00	Film, Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26		Rel. in W. Bengal circuit as "Documentary"
65.	News Magazine 75	39.00	-do-		Rel. in All India circuit and classified as "N & CE"
66.	Diarioa	301.00	-do-		General Release and classi- fied as "Documentary"
67.	Varta Tarangini 161	197.86	A.P.S.F.D.C. Ltd., 11-5-423/1, Lakdikapool, Hydabad-500 004.		Rel. in A.P. circuit as "N & CE"
68.	Maharashtra News Magazine 448	275.21	P.S. Palekar, Asst. Dir. of Film, Dir. Gen. of Inf., Govt. of Maharashtra, Film Centre, Bombay.		Rel. in Maharashtra circuit and classified as "N & CE"
69.	News Magazine 174 (looking forward part II)	348.00	Film Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		General Release as "Documentary"
70.	Chakra	68.00	-do-		Rel. in Maharashtra Circuit as Documentary
71.	Chakra	73.00	-do-		Rel. in Gujarat as "Documentary"
72.	Bengal, Glimpses of a glorious Epoch	600.00	Jyotirmoy Roy, 15, Motilal Nenu Road, Calcutta-700 029.		General release as "Documentary"
73.	Varta Tarangini 160	364.02	Anhra Pradesh State Film Develop. Corpn. Ltd., 11-5-423/1, Lakdikapool, Hyderabad-500 004.		Rel. in A.P. circuit as "N & CE"
74.	News Magazine 173 (For equality and Justice)	332.00	Film Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26		General Release as "N & CE"
75.	Dast Lagle Hi	70.00	-do-		Gen. Release as "Doc."
76.	Samajbdar Maa	109.00	-do-		-do-
77.	Vivekamana Annai	94.18	-do-		Rel. in Tamil Nadu circuit as "Doc"
78.	Tele.Vai Na Thalli	92.66	-do-		Rel. in A.P. as "Doc"
79.	Jaane Thaaye	103.02	Film Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		Rel. in Karnataka circuit as "Documentary"
80.	Vivekamulla Amma	88.70	-do-		Rel. in Kerala as "Doc".
81.	Gyani Matri	98.45	-do-		Rel. in Assam circuit as "Documentary"
82.	Andha Vishwas	84.00	-do-		Rel. in Gujarat circuit as "Documentary"
83.	Muda Nambikkai	72.00	-do-		Release in Tamil Nadu as "Documentary"
84.	Andha Vishwasam	78.83	-do-		Rel. in A.P. as "Doc"
85.	Muuda Nambeke	90.83	-do-		Rel. in Karnataka as "Doc."

1	2	3	4	5	6
86.	Andhaviswasam	74.07	Films Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		Rel. in Kerala District as "Doc."
87.	Andha Vishwas	76.20	-do-		Rel. in Assam circuit as "Documentary"
88.	Andhabishwas	69.00	-do-		Rel. in W. Bengal as "Doc."
89.	Andhabishwas	76.00	-do-		Rel. in Orissa circuit as "Documentary"
90.	O.R.S. Ka Mishran	88.00	-do-		Gen. Rel. as "Doc."
91.	ORS Da Ghol	87.99	-do-		Rel. in Punjab, Haryana, Delhi as "Documentary"
92.	Dast Lagne Ke Karan	67.00	-do-		Gen. Rel. as "Documentary"
93.	Dast Lagde Hi	72.00	-do-		Re. in Punjab, Haryana, Delhi as "Documentary"
94.	ORS Ka ghol	83.00	-do-		Rel. in U.P., M.P., Bihar as "Documentary"
95.	Samajhdar Aar	101.00	-do-		Rel. in Maharashtra as "Documentary"
96.	Aandh Vishwas	74.37	-do-		Gen. Rel. as "Doc."
97.	Samajhdar Pati	36.00	-do-		-do-
98.	Dast Lagan De Karan	62.00	-do-		Re. in Punjab, Haryana, Delhi "Documentary"
99.	Daston Ki Waiah	67.00	-do-		Rel. in U.P., M.P., Bihar, J & K as "Documentary"
100.	Vanashree Hich Dhanashree	375.00	P.S. Palekar, Asstt. Dir. of Film, Dir. Gen. of Inf., Govt. of Maharashtra Film Centre, Bombay-34.		Release in Maharashtra as "Documentary"
101.	Varra Tarangini 159	27.24	AP. S.F.D. 11-5-423/1, Lakshapool, Hyderabad- 500 004.		Rel. in A.P. circuit as "N & CE"
102.	Thuffan Bidihulanu Aaduhondi	48.54	-do-		-do-
103.	Gal coma - A Race to Blindness	366.00	Films Division, Govt. of India, 24-Peddar Road Bombay-26.		Gen. Rel. as "Documentary"
104.	Jalsanjivani	76.00	-do-		Rel. in Maharashtra as "Doc"
105.	Jalsanjivani	72.54	-do-		Rel. in Gujarat as "Doc"
106.	O.R.S. Kalavai	8.47	-do-		Re. in Tamil Nadu "Documentary"
107.	O.R.S. Mishram	82.06	-do-		Rel. A.P. as "Doc"
108.	O.R.S. Mishranam	84.12	-do-		Rel. in Karnataka as "Doc"
109.	ORS Mishridham	70.71	-do-		Rel. in Kerala as "Doc."
110.	Sanjivani Pani	72.54	-do-		Rel. in Assam as "Doc."
111.	Sanjibani Bari	70.40	-do-		Rel. in Bengal as "Documentary"

1	2	3	4	5	6
112.	Jai Sanjivani	70.71	Films Division, Govt of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		Rel. in Orissa as "Doc"
113.	Eb Samajdar Maa	84 00	-do-		Gen. Rel. as "Doc"
114.	Eh Hoshiyar Maa	91 00	-do-		Rel. in UP, MP, Bihar, J & K.
115.	Ek Sayani Maa	75 00	-do-		Rel. in Punjab, Delhi, Haryana as "Doc"
116.	Vividh Pratibhaon Ka Sangam	578.16	Yogeshbant Bhageria, 40, Banarasi Dass Estate, Timarpur, Delhi-54		Rel. in Rajasthan circuit and classified as "Doc"
117.	Maharashtra News Reel 447	268 00	P.S. Palekar, Asstt. Dir. (F) Dir. Gen. of Inf. & Pub Rel. Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34		Rel. in Maharashtra circuit as "N & CE"
118.	Chamchi Jetil Sakharoone chumti jetlu mithu	89 31	Films Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		Release in Gujarat circuit as "Documentary"
119.	Chamcha bhar sakhar & Chilmut bhar meeth	89 00	-do-		Rel. in Maharashtra as "Documentary"
120.	Bediyai Neruthuvade Elevade	87.18	-do-		Rel. in Tamil Nadu as "Documentary"
121.	Neella Verochanaala Nunchi Upasamanam Fatho Sulabham	87 79	-do-		Rel. in A.P. circuit as "Documentary"
122.	Athibedi Endhe Sulabha Rakshane	95 04	-do-		Rel. in Karnataka as Documentary
123.	Varellakkam Neyendukhan Ethare Elluppam	66 45	-do-		Release in Kerala as Documentary
124.	Atisar Thehe Mukti	89.61	-do-		Rel. in West Bengal as "Documentary"
125.	Atisaramukti Oriya)	75 29	-do-		Rel. in Orissa as "Documentary"
126.	Namak Chini Ka Mishran	77 00	-do-		Gen Rel as "Doc"
127.	Namak Chini Ka Ghol	75 00	-do-		Rel. in UP, MP, Bihar, J & K as Documentary
128.	Namak Chini Ka ghol	75.00	-do-		Rel. in Punjab, Haryana, and Himachal Pradesh as "Documentary"
129.	Bhed Rogor Para Mukti	78 38	-do-		Rel. in Assam as Documentary
130.	Vishesh Maharashtra Samachar Chitra Kramank-4 (Apna Utsav)	292 00	P.S. Palekar, Asst Dir (F), Govt. of Maharashtra, Film Centre, Tardeo Road, Bombay-34.		Rel. in Maharashtra circuit and classified as "Documentary" (and not N&CE)
131.	Drugs	111 25	Ajay Singh Chudasaa C/o Yashik Films, 10-A, Tinwala Bldg Tribhuvan Road, Bombay-400 004		Gen Rel as 'Doc'
132.	Man Tuis of Assam	597 41	N.M. Barua, DO-RE-ME Films, 121, Collector Colony, Flat No 1-C, Chembur, Bombay-74		Gen Rel. and Classified as "Documentary"

1	2	3	4	5	6
133.	News Magazine No. 176 (Looking forward Pt. III)	42.00	Films Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		Gen. Rel. and classified as "Documentary" (and not N & CE)
134.	For Youth Health	367.00	-do-		Gen. Rel. and classified as "Documentary"
135.	Gauna	69.00	-do-		-do-
136.	News Magazine No. 177 (USSR-India Friendship and Trust)	477.00	-do-		Gen. Rel. and classified as "News and Current Events"
137.	Varta Tarangini 162	271.34	A.P.S.F.D.C. Hyderabad, 11-5-423/1, Lakdikapool, Hyderabad—500 004.		Re. in A.P. circuit and classified as "N & CE"
138.	Bihar Darshan	387.76	Shri M. Jha, Film Producer Officer, Inf. & Pub. Rel., Deptt. Govt. of Bihar Patna		Rel. in Bihar circuit and classified as "Documentary"
139.	Varta Tarangini 163	298.17	A.P.S.F.D.C. 11-5-423/1, Lakdikapool, Hyderabad.		Rel. in A.P. circuit as as "N & CE"
140.	Bikash Ki Ore	518.14	Dir. of Inf. & Pub. Rel. Rels., Govt. of Bihar, Patna		Rel. in Bihar Circuit as "Documentary"
141.	Maharashtra Newsreel No. 449	233.00	P.S. Palekar, Dir. (F), Dir. Gen. of Inf. & Pub. Rel., Govt. of Maharashtra 68-Tardeo Road, Bombay-34.		Rel. in Maharashtra circuit as "N & CE"
142.	Prashna	445.92	Teluu Chitra, 6-1-508/A/18, Khairatbad, Hyderabad-500 004.		Rel. in A.P. circuit as "Doc"
143.	Mabiti Chitra No. 496	234.70	Asst. Dir. of Inf (F) Govt. of Gujarat, Ramnord Res. Lab, 77-Dr.A. B. Road, Bombay-18.		Rel. in Gujarat circuit as "N & CE"
144.	News Magazine No. 178	417.00	Films Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		Gen. Rel. as "N & CE"
145.	News Magazine No. 178-A	540.00	-do-		Gen. Rel. as " "Documentary"
146.	News Magazine 179 (Broadcasting : Winds of Change)	501.00	-do-		Gen. Rel. as "N & CE"
147.	Shahood Ganesh Shankar Vidyarthi	329.00	-do-		Gen. Rel. as "Doc"
148.	News Magazine No. 179-A (The Eternal Journey)	373.00	-do-		Gen. Rel. as "N & CE"
149.	Varta Tarangini 164	279.88	A.P.S.F.D.C. 11-5-423/1, Lakdikapool, Hyderabad-500 004.		Rel. in A.P. circuit as "N & CE"
150.	Varta, Tarangini 165	283.23	-do-		-do-

भाषण

का. धा. 484.--भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के भाषण संख्या का. धा. 3792, दिनांक 2 दिसम्बर, 1988 की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रत्येक अधिनियम के उपबंध के अंतर्गत जारी निर्देशों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के उपरांत, संलग्न अनुसूची के कालम 2 में विनिर्दिष्ट फिल्मों को, जिनका/जिनका विवरण उपर्युक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया गया है, उसके/उनके सभी भाषा रूपांतरों के साथ स्वीकार करती है। (1-7-1989 से 31-12-1989 तक अनुमोदित फिल्में)।

अनुसूची

क्रम सं.	फिल्म का शीर्षक	फिल्म की संख्या (मीटर में)	भाषांतरकर्ता का नाम	निर्माता का नाम	संक्षिप्त रूप देखा कि क्या फिल्म वैज्ञानिक फिल्म है या शैक्षिक उद्देश्यों के लिए है या समाचारों और समसामयिक घटनाओं से संबंधित फिल्म है या वृत्तचित्र है।
1	2	3	4	5	6
1.	ग्लूज मैगजीन सं. 152	526.00	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-400026	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई।	सामान्य प्रदर्शन के लिए अनु- मोदित तथा "समाचार तथा समसामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
2.	मे हमारी घरती	21.76	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-400026		
3.	भारती 140	289.67	मोहन प्रवेश राज्य फिल्म विकास निगम लि., 11-5-423/1, लकड़ी का पुल, हैदराबाद-500004		मोहन प्रवेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए अनुमोदित तथा "समाचार तथा सामसामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
4.	रेवोल्यूशन इंडियन एपीकल्वर	545.58	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए अनु- मोदित तथा "डॉक्यूमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।
5.	महाराष्ट्र ग्लूज सं. 436	436.00	श्री पी. धी. भोंडे, सहायक निदेशक (फिल्म) सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई-32	सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई।	महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए अनुमोदित तथा "समा- चार एवं समसामयिक घट- नाओं" के रूप में वर्गीकृत।
6.	ग्लूज मैगजीन सं. 154	493.00	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए अनु- मोदित तथा "समाचार एवं समसामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
7.	उज्जवल भविष्य की ओर (इलाहाबाद संकल)	289.56	श्री धीरेन्द्र पांडे, निर्माता, सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ		उत्तर प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए अनुमोदित तथा "डॉक्यूमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।
8.	ग्लूज मैगजीन सं. 153	484.00	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए अनु- मोदित एवं "डॉक्यूमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।
9.	दि स्पीड पीटो	599.00	श्री धीरेन्द्र द्विवेदी, 104, सी गैल ए. बी. मायर रोड, गुड, बम्बई-400049		सामान्य प्रदर्शन के लिए अनु- मोदित एवं "डॉक्यूमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।

1	2	3	4	5	6
10. बार्ता तरंगिनी	214.63	झाँझ प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम लि., 11-5-423/1, लकड़ी का पुल, हैबराबाद-500004			झाँझ प्रदेश सर्किट में सामान्य प्रदर्शन के लिए अनुमोदित एवं समाचार एवं समसामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।
11. भंटर भब सुधार	221.89	संयुक्त निदेशक (सूचना), गुजरात सरकार, धनराज्य महल, भू-तल, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, बम्बई-400039			गुजरात सर्किट में सामान्य प्रदर्शन के लिए अनुमोदित तथा "डाक्युमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।
12. ग्लूज मैगजीन नं. 153-ए	486.00	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26			सामान्य प्रदर्शन के लिए अनुमोदित तथा "समाचार एवं समसामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
13. देश की वाणी	598.00	—तथैव—			"क" तथा "ख" राज्यों में सामान्य प्रदर्शन के लिए अनुमोदित एवं "डाक्युमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत
14. दि रिव्यूबल फाफ होप	594.36	डा. पी. के. राजहंस, विश्वजीत अपार्टमेंट्स, 35 मेहक रोड, सांताक्रुज (ई.) बम्बई-400055			सामान्य प्रदर्शन के लिए अनुमोदित एवं "डाक्युमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।
15. एनर्जी सिनेरियो	598.18	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26			—तथैव—
16. कब तक	549.00	—तथैव—			—तथैव—
17. महाराष्ट्र समाचार सं. 437	190.00	श्री बी. पी. शोबे, सहायक निदेशक (एफ) सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, "फिल्म केन्द्र", 60-साइदेव रोड, बम्बई-34	निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई-32		महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए अनुमोदित तथा "समाचार एवं समसामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत
18. महाराष्ट्र समाचार सं. 438	265.00	—तथैव—	—तथैव—		महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए अनुमोदित एवं "डाक्युमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।
19. विद्याले वृत्ति]	405.18	झाँझ प्रदेश राज्य विकास निगम लि., 11-5-423/1, लकड़ी का पुल, हैबराबाद 500004			झाँझ प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए अनुमोदित तथा "डाक्युमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।
20. ग्लूज मैगजीन सं. 155]	479.00	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26			सामान्य प्रदर्शन के लिए अनुमोदित एवं "समाचार एवं समसामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
21. ग्लूज मैगजीन सं. 156	585.00	—तथैव—			सामान्य प्रदर्शन के लिए अनुमोदित एवं "डाक्युमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।

1	2	3	4	5	6
22	महाराष्ट्र न्यूज सं. 439	222.00	श्री बी. पी. भोंसे, सहायक निदेशक (फिल्म), सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म केन्द्र, 68 ताडदेव रोड, बम्बई-34	सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार बम्बई-32	महाराष्ट्र सकिट में प्रदर्शन के लिए अनुमोदित तथा "समाचार एवं समसामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत
23.	वार्ता तरंगिणी 142	284.75	भांध्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम लि., 11-5/423/1, लकड़ी का पुल, हैदराबाद-500004		भांध्र प्रदेश सकिट में प्रदर्शन के लिए अनुमोदित एवं समाचार एवं समसामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
24.	न्यूज मैगजीन न. 157	520.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24 डा. जी. देशमुख मार्ग, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन तथा "समाचार एवं समसामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
25.	वार्ता गुजरात	570.41	संयुक्त निदेशक (सूचना), गुजरात सरकार सचिवालय, गांधी नगर-382010		केवल गुजरात सकिट में प्रदर्शित तथा "डाक्यूमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।
26.	जगद्गुरु श्री चंद्राचार्य	594.97	रवि मेहरा, 36 हरी मार्किट, खार (पश्चिम), बम्बई-52		सामान्य रूप से प्रदर्शित एवं "डाक्यूमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।
27.	ग्रबर सोल्जर्स फार पीस	456.28	फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-226		डाक्यूमेंटरी के रूप में सभी संस्करणों में सामान्य रूप से प्रदर्शित।
28.	वार्ता तरंगिणी नं. 143	356.40	भांध्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम लि., 11-5-423/1, लकड़ी का पुल, हैदराबाद-500004		समाचार एवं समसामयिक घटनाएं तथा भांध्र प्रदेश सकिट में प्रदर्शित।
29.	लार्डहाउस एवं मैथिलेशन ऐडम	493.00	श्री मार्क बंपटिस्ट, (हुमनार फिल्मस), मानाभाई नेशन, सर पी. एम. रोड, फोर्ट, बम्बई-400001		सामान्य रूप से प्रदर्शित तथा "डाक्यूमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।
30.	न्यूज मैगजीन नं. 158	364.00	फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य रूप से प्रदर्शित "डाक्यूमेंटरी"।
31.	जन जंगल जल जमीन	222.49	फिल्म निर्माण अधिकारी, सूचना एवं जनसम्पर्क, बिहार सरकार, पटना।	सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशालय, बिहार सरकार, पटना।	बिहार सकिट में डाक्यूमेंटरी के रूप में प्रदर्शित।
32.	मेले और त्योहार	231.94	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
33.	सोहराब मोदी	594.00	फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य रूप से प्रदर्शित तथा डाक्यूमेंटरी के रूप में वर्गीकृत।
34.	अधिवरोधी पावामले अरेल्लू	331.40	भांध्र प्रदेश राज्य विकास निगम लि., 11-5-423/1, लकड़ी का पुल, हैदराबाद-500004		केवल भांध्र प्रदेश में डाक्यूमेंटरी के रूप में वर्गीकृत।

1	2	3	4	5	6
35. महाराष्ट्र न्यूज रील 441	300.00	श्री बी. पी. भोडे, सहायक निदेशक (फिल्मस), सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म केन्द्र, 68 ताडवेव रोड, बम्बई-34			महाराष्ट्र सर्किट में डाक्युमेंटरी के रूप में वर्गीकृत।
36. विशेष महाराष्ट्र समाचार चित्र क्रमांक-3 (महाराष्ट्र विधान सभा सुवर्ण महोत्सवी वर्ष)	504.00.	—तथैव—		—तथैव—	
37. महाराष्ट्र न्यूज रील 442	288.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—	
38. मानवी	607.49	राष्ट्रीय शिक्षा एवं सूचना फिल्म लि. 67, मेकर्स बिल्डिंग्स III, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-400021			सामान्य प्रदर्शन के लिए अनु- मोवित एवं डाक्युमेंटरी के रूप में वर्गीकृत।
39. गुजरात नौ विकास गाथा	600.00	संयुक्त निदेशक (सूचना), गुजरात सरकार, धनराज महल भूतल, छत्तपति शिवाजी महाराज मार्ग, बम्बई-400039			गुजरात सर्किट में डाक्युमेंटरी के रूप में प्रदर्शन के लिए अनुमोदित।
40. राजा राधा	589.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24, डा. जी. देशमुख मार्ग, बम्बई-400026			सभी संस्करणों में डाक्युमेंटरी के रूप में सामान्य प्रदर्शन के लिए अनुमोदित।
41. न्यूज मैगजीन नं. 158-ए (मराठवाडी बोले कौतुके)	563.00	—तथैव—			महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए अनुमोदित तथा "समाचार एवं सभ्यतामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।
42. उत्तरोत्तर	428.60	सहायक निदेशक (सूचना), गुजरात सरकार, रामनोई रिसर्च लैब लि., 77 डा. एमी बेसेंट रोड, बर्ली, बम्बई-400018			गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत तथा डाक्यु- मेंटरी के रूप में वर्गीकृत।
43. आदिवासी विकास के बीज	259.08	—तथैव—		—तथैव—	
44. सकल जनता प्रचार	325.00	श्री बी. पी. भोडे, सहायक निदेशक (एफ), सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म केन्द्र, 68, ताडवेव रोड, बम्बई-34			महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए अनुमोदित तथा "डाक्युमेंटरी" के रूप में वर्गीकृत।
45. साकार सपने	484.02	धिरेश पांडे, निर्माता, न्यूज रील, सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।			उत्तर प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए अनुमोदित तथा डाक्युमेंटरी के रूप में वर्गीकृत।

1	2	3	4	5	6
46. मूज-मैजिन नं. 159 (इडिया ए लिडिंग बेसोकेसी)	541.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24 डा. जी. देशमुख मार्ग, बम्बई-400026			सामान्य रूप से प्रदर्शित तथा समाचार एवं सम सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।
47. मबर मोल्ड मास्टर्स क्रिकेट	329.18	—तथैव—			सामान्य रूप से प्रदर्शित तथा “डाक्यूमेंटरी” के रूप में वर्गीकृत।
48. दि एल्फ-बेट	582.00	श्री.मती सुमति शिवराज, मै. सुवर्णावानी 001, एच. कृषिकेश, अपना घर, अंधेरी (पं.), बम्बई-58	श्री.मती सालीन जोसेफ, 001 एच. कृषिकेश, अपना घर, अंधेरी (पं.), बम्बई-58		केरल सर्किट में प्रदर्शित तथा शैक्षिक के रूप में वर्गीकृत।
49. नवी क्षितिजा नं. 4 भाषा		श्री बी. पी. भोडे, सहायक निदेशक (फिल्म), सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म केन्द्र, 68 ताडुवेण रोड, बम्बई-34			महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शित तथा डाक्यूमेंटरी के रूप में वर्गीकृत।
50. घर सजावे	235.00	—तथैव—			केवल महाराष्ट्र में प्रदर्शित तथा डाक्यूमेंटरी के रूप में वर्गीकृत।
51. माई ट्री	179.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, डा. जी. देशमुख मार्ग, बम्बई-400026			सामान्य रूप से प्रदर्शित तथा डाक्यूमेंटरी के रूप में वर्गीकृत।
52. पांडुरवा सोनायची की सोया	237.00	सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म केन्द्र, 68 ताडुवेण रोड, बम्बई-34			महाराष्ट्र में प्रदर्शित तथा “डाक्यूमेंटरी” के रूप में वर्गीकृत।
53. हाथ अपना है सगन	344.73	—तथैव—			—तथैव—
54. महिष बिल	152.40	सहायक सूचना निदेशक (फिल्म), गुजरात सरकार, 77-डा. एनी बेसेंट रोड, वर्ली, बम्बई-18			गुजरात सर्किट में प्रदर्शित तथा समाचार एवं समसामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।
55. रेतओ	62.00	श्री बी. ए. नाइकर्णी, प्लॉट नं. 13, रोड नं. 1, पेंडसे नगर डोम्बिविली (पूर्व), जिला थाने।			सामान्य रूप से प्रदर्शित तथा “डाक्यूमेंटरी” के रूप में वर्गीकृत।
56. मबर लंड	80.00	—तथैव—			—तथैव—
57. श्री चेरिय ह्ज मेमोरी	248.10	श्री रमेश डी. पटेल, 1/2, उम्मत नगर, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62			—तथैव—

1	2	3	4	5	6
58. उत्तरोत्तर	228.60	सहायक सूचना निदेशक (फिल्म), गुजरात सरकार, रामोई रिसर्च लैब, 77-आ. एनी. वैंसेट रोड, वर्ली, बम्बई-18		गुजरात सर्किट में प्रदर्शित तथा “डाक्यूमेंटरी” के रूप में वर्गीकृत।	
59. आदिवासी विकासिनी के बीर्य ।	259.00	—तथैव—		—तथैव—	
60. म्यूज मैगजीन नं. 158 ए, (मराठांची बोल कौतुके)	563.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24 डा. जी. देशमुख मार्ग, बम्बई-26		महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शित तथा “समाचार एवं सम- सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।”	
61. सकल जनांचा अघास	325.00	श्री बी. पी. भोंडे, सहायक निदेशक (फिल्म) महाराष्ट्र सरकार, फिल्म केन्द्र, 68, ताडदेव रोड, बम्बई-34		—तथैव—	
62. साकार सपने	484.02	श्री धीरेन्द्र पन्डे, प्रोड्यूसर म्यूजरील, सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।		उत्तर प्रदेश सर्किट में प्रदर्शित तथा “डाक्यूमेंटरी” के रूप में वर्गीकृत।	
63. महिति चित्र 489	265.18	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामोई रिसर्च लैब।		गुजरात सर्किट में प्रदर्शित तथा “समाचार एवं समसामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।”	
64. महाराष्ट्र म्यूजरील	279.00	श्री बी. पी. भोंडे, महाराष्ट्र सरकार, सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, फिल्म केन्द्र, बम्बई-34		महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शित तथा “समाचार एवं सम- सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।”	
65. महाराष्ट्र म्यूजरील 443	279.00	—तथैव—		—तथैव—	
66. वार्ता तरंगिनी	270.42	प्रांथ प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम 11-5-423/1, लकड़ी का पुल, हैदराबाद।		प्रांथ प्रदेश सर्किट में प्रदर्शित तथा “समाचार एवं सम- सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।”	
67. झोकन ड्रीम	122.22	फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य रूप से प्रदर्शित तथा “डाक्यूमेंटरी” के रूप में वर्गीकृत।	
68. ए कमिटमेंट पीस	492.00	—तथैव—		—तथैव—	
69. म्यूज मैगजीन नं. 160 (म्यू गवर्नमेंट म्यू बिगसिह)	318.00	फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य रूप से प्रदर्शित तथा “समाचार एवं समसामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।”	
70. झिरवीगरडा	30.10	सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म केन्द्र, 68 ताडदेव रोड, बम्बई-34		महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शित तथा “डाक्यूमेंटरी” के रूप में वर्गीकृत।	

1	2	3	4	5	6
71	जवाहरलाल नेहरू	487.68	धीरेन्द्र पांडे, जनसंपर्क निदेशालय, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।		डायुमेट्री के रूप में वर्गीकृत।
72	उज्ज्वल सविध की ओर	291.00	धीरेन्द्र पांडे, जनसंपर्क निदेशालय, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।		उत्तर प्रदेश सर्किट में प्रदर्शित तथा डायुमेट्री के रूप में वर्गीकृत।
73	ए. क्वाइट रेवोल्यूशन	282.00	फिल्म प्रमाण, भारत सरकार, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य रूप से प्रदर्शित तथा “डायुमेट्री” के रूप में वर्गीकृत।

[फा. सं. 315/1/89-एफ (पी)]

विजय कुमार, ईस्क अधिकारी

ORDER

S.O. 484.—In pursuance of the directions issued under the provisions of each of the enactments specified in the first Schedule to the Order of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. S.O. 3792 dated 2nd December, 1966 the Central Government after considering recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said Schedule pertaining to the period 1-7-1989 to 31-12-1989.

SCHEDULE

S.No.	Title of the film	Length of the film in metres	Name of the Applicant	Name of the producer	Brief synopsis whether a scientific film or for educational purpose or a film dealing with news & current events or documentary film
1	2	3	4	5	6
1.	News Magazine No. 152	526.00	The Chief Producer Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.	The Chief Producer, Films Division, 24-Poddar Road Bombay	Approved for general release and classified as “News and Current events”
2.	Ye Hamari Dharti	216.76	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as “News and Current Events”.
3.	Varta Tarangini 140	289.67	Andhra Pradesh State Film Devel. Corp. Ltd. 11-5-423/1 Lakdikapool, Hyderabad-500 004.		Approved for release in Andhra Pradesh circuit and classified as “News and Current Events”.
4.	Revolution Indian Agriculture	545.55	The Chief Producer, Film Division, 24-Peddar Road, Bombay-26.		Approved for general release and classified as “Documentary”.
5.	Maharashtra News No. 436.	436.00	Shri V.P. Bhonde, Asstt. Dir. (Films) Dir. Gen. of Inf. & P.R. Govt. of Maharashtra, Bombay-32.	Dir. Gen. Inf. & P.R. Govt. of Maharashtra Bombay	Approved for general release in Maharashtra circuit and classified as “News and current Events”

1	2	3	4	5	6
6. News Magazine No. 154.	493.00	The Chief Producer, Films Division 24-Peddar Road, Bombay-26.			Approved for general release and classified as "News and Current Events".
7. Ujjwal Bhavishya Ki Ore (Allahabad Mandal)	209.56	Shri Dharendra Pande, Producer, Dir. Gen. of Inf. & Public Relations Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow.			Approved for release in Uttar Pradesh Circuit and classified as "Documentary".
8. News Magazine No. 153.	484.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-26.			Approved for general and classified as "Documentary."
9. The Seed Potato	599.00	Shri Virendra Dwivedi 104 Sea Shell A.B. Nair Road, Juhu, Bombay-400 049.			-do-
10. Varta Tarangini 141	214.63	Andhra Pradesh State Film Devl. Corpn. Ltd. 11-5-423/1 Lakdikapool. Hyderabad-500004.			Approved for release in Andhra Pradesh circuit and classified as "News and Current Events".
11. Khantir Bhav Sudhara	221.89	Jt. Dir. of Information Govt. of Gujarat, Dhanraj Mahal, Gr. Fl. Chhatrapati Shivaji, Maharaj Marg, Bombay 400 039.			Approved for release in Gujarat circuit and classified as "Documen- tary".
12. News Magazine No. 153-A	486.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-26.			Approved for general release and classified as "News and Current Events".
13. Desh Ki Vani	598.00	-do-			Approved for release in 'A' & 'B' States and classified as "Documen- tary".
14. The Renewal of Hope	594.36	Dr. P.K. Rajhuns Vishwajit Apts., 35, Nehru Road, Santa Cruz (E), Bombay-400 055.			Approved for general release and classified as "Documentary."
15. Entry Scenario	596.18	The Chief Producer, Films Division 24-Peddar Road, Bombay-26.			-do-
16. Kab tak	549.00	-do-			-do-
17. Maharashtra News No. 437	190.00	Shri V.P. Bhonde, Asstt. Dir. (F) Dir. Gen. of Inf. & Pub. Relations Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68 Tardeo Road, Bombay-34.	Dir. Gen. of Inf. & Public Relations Govt. of Maharashtra, Bombay-32.		Approved for release in Maharashtra circuit and classified as "News and Current Events".
18. Maharashtra News No.438	265.00	-do-	-do-		Approved for release in Maharashtra circuit and classified as Documentary.
19. Vidyatho vruthi	405.18	Andhra Pradesh State Devel. Corpn. Ltd., 11-5-423/1 Lakdikapool, Hyderabad 500 004.			Approved for release in A.P. circuit and classified as "Documentary".

1	2	3	4	5	6
20. News Magazine No. 155	479.00	The Chief Producer, Films Division 24-Peddar Road, Bombay-26.			Approved for general release and classified as "News and Current Events".
21. News Magazine No. 156	585.00	-do-			Approved for general release and classified as "Documentary".
22. Maharashtra News No. 439	222.00	Shri V.P. Bhonde, Asstt. Dir. (Films) Dir. Gen. of Inf. & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68 Tardeo Road, Bombay-34.	Dir. Gen. of Inf., Govt. of Maharashtra Bombay-32		Approved for release in Maharashtra circuit and classified as "News and Current Events".
23. Varta Tarangini 142	284.75	Andhra Pradesh State Film Development Corpn. Ltd., 11-5/423/1 Lakdikapool Hyderabad-500 004.			Approved for release in A.P. circuit and classified as "News and Current Events".
24. News Magazine No. 157	520.00	Films Division Govt. of India 24-Dr. G. Deshmukh Mg., Bombay-26.			General Release "News and Current Events".
25. Garvi Gujarat	570.41	Jt. Director of Inf. Govt. of Gujarat Sachivalaya, Gandhinagar-382010			Release in Gujarat circuit only Classified as "Documentary".
26. Jagadguru Srichandracharya	594.97	Ravi Mehra, 36, Hari Market Khar (W), Bombay-52.			General release and classified as Documentary.
27. Our Soldiers for Peace	456.28	Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-26.			General Release "Docu- mentary" in all its versions.
28. Varta Tarangini 143	356.40	Andhra Pradesh State Film Development Corpn. 11-5-423/1, Lakdikapool, Hyderabad-500 004			News and Current Events and release in Andhra Pradesh circuit.
29. Light houses and Navigation Aids	493.00	Shri Mare Baptista, (Hunnar Films), Nanabhoy Mansion, Sir. P.M. Road, Fort, Bombay-400 001.			General release classified as "Documentary".
30. News Magazine No. 158	364.00	Films Division, 24-Peddar Road Bombay-26.			General release "Documentary".
31. Jan Jungle Jal Jamine	222.49	Film Prod'n. Officer, Information & Public Relations, Govt. of Bihar, Patna.	Dir. of Inf. & Pub. Relations, Govt. of Bihar, Patna.		Bihar circuit as Documentary.
32. Mele aur Teohar	231.94	-do-	-do-		-do-
33. Sohrab Modi	594.00	Films Division 24-Peddar Road, Bombay-26.			General release category "Documentary"
34. Abhivrodhipadamlo Arellu	331.40	A.P. State Develop. Corp., Ltd., 11-5-423/1, Lakdikapool Hyderabad-500 004.			Andhra Pradesh circuit only "Documentary".

1	2	3	4	5	6
35. Maharashtra News Reel 441	300.00	Shri V.P. Bhonde, Asstt. Dir. (Films) Dir. Gen. of Inf. & Pub. Relations. Govt. of Maharashtra Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.			Maharashtra circuit classified as Documentary.
36. Vishesh Maharashtra Samachar Chitra Kramank 3 (Maharashtra Vidhan Sabha Survarna- Mahotsavi Varsha)	504.00	-do-	-do-	-do-	-do-
37. Maharashtra News Reel 442.	288.00	-do-			-do-
38. Malati	607.99	National Education & Information Films Ltd., 67, Maker Chambers III, Nariman Point, Bombay-400 021.			Approved for General Release classified as "Documentary".
39. Gujarat Ni Vikas Gatha	600.00	Joint Director of Inf. Govt. of Gujarat, Dhanraj Mahal, Ground floor, Chhatrapati Shivaji Maharaj Marg, Bombay-400 039.			Approved for release in Gujarat circuit as "Documentary".
40. Raja-Radha	589.00	Films Division, Govt. of India, 24-Dr. G.Deshmukh Marg, Bombay-400 026.			Approved for General release as 'Documentary' to all its versions.
41. News Magazine No. 158-A (Marhathachi Bol Kautuke)	563.00	-do-			Approved for release in Maharashtra circuit and classified as "News and Current Events".
42. Uttarottar	228.60	Asstt. Dir. of Inf. Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab. Ltd. 77, Dr. Annie Beasant Road, Worli, Bombay-400 018.			Approved for release in Gujarat circuit classified as 'Documentary'.
43. Adivasi-Vikasni Ke Dey	259.08	-do-			-do-
44. Sakal Janancha Adharu	325.00	Shri V.P. Bhonde, Asst. Dir (F), Dir. Genl. of Inf. and Public Relations Govt. of Maharashtra Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.			Approved for release in Maharashtra circuit classified as "Docu- mentary".
45. Sakar Supne	434.02	Dhirendra Pande, Producer Newsreel, Directorate of Informa- tion & Public Relations Govt. of U.P. Lucknow.			Approved for release in U.P. circuit and classified as 'Documentary'
46. News Magazine No. 159 (India a Living Democracy)	541.00	Films Division, Govt. of India 24-Dr. Deshmukh Marg, Bombay-400 (26.			General Release and classified as "News and current events".
47. Our Old Masters Cricket	329.18	-do-			General Release and classified as "Docu- mentary".

1	2	3	4	5	6
48.	The Alphabet	582.00	Mrs. Sumati Skivraj, M/s. Suvarnawani 001, H. Rishikesh Apna Ghar, Andheri (W) Bombay-58	Mrs. Saleen Joseph, 001, H. Rishikesh, Apna-Ghar, Andheri (W) Bombay-58.	Release in Kerala circuit and classified as 'Educational'
49.	Navi Kshitija Navya Aasha		Shri V.P. Bhonde, Asstt. Director (Films) Dir. Gen. of Inf. and Public Relations, Government of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.		Release in Maharashtra circuit and classified as 'Documentary'.
50.	Ghar Sajale	235.00	-do-		Release in Maharashtra only and classified as Documentary.
51.	My Tree	179.00	Films Division, Govt. of India, Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.		General release classified as 'Documentary'
52.	Haath Apna Hai Magar	344.73	-do-		-do-
53.	Pandhrya Sonyachi Kimaya	237.00	Dir. Genl. of Inf. & Pub. Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.		Release in Maharashtra circuit as "Documentary".
54.	Mahiti Chitra 490	152.40	Asst. Dir. of Inf. (Films) Govt. of Gujarat, 77-Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.		Release in Gujarat circuit as News and Current Events".
55.	Rainbow	62.00	Shri V.A. Nadkerni, Plot No. 13, Road No. 1, Pendse Nagar, Dombivli (E) Dist. Thane.		General release and classi- fied as "Documentary"
56.	Motherland	80.00	-do-		-do-
57.	We Cherish his Memory	248.10	Shri Ramesh D. Patel 1/2, Unnat Nagar, Goregaon (W), Bombay-62.		-do-
58.	Uttarottar	228.60	Asst. Dir. of Inf. (F) Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab., 77-Dr. Annie Besant Rd., Worli, Bombay-18.		Release in Gujarat circuit and classified as "Documentary"
59.	Adivasi-Vikasni Ke Dicy	258.08	-do-		-do-
60.	News Magazine No. 158-A (Marhathachi Bol Kautuke)	563.00	Films Division, Govt. of India, 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-26.		Release in Maharashtra circuit and classified as "News and Current Events".
61.	Sakal Janancha Adharu	325.00	Shri V.P. Bhonde, Asstt. Dir. (Films) Govt. of Maharashtra Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.		-do-

1	2	3	4	5	6
62. Sakar Sapne	484.02	Shri Dhirendra Pande, Producer Newsreel, Dir. Inf. & Pub. Rel. Govt. of U.P. Lucknow.			Release in U.P. circuit and classified as "Documentary".
63. Mahiti Chitra 489	265.18	Asst. Dir. of Inf. Govt. of Gujarat, Ramnord Res. Lab. 77, Dr. A.B. Road, Worli, Bombay-18.			Release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".
64. Maharashtra News Reel 440	279.00	Shri V.P. Bhonde, Govt. of Maharashtra, Dir. Gen. of Inf. & Pub. Rel., Film Centre, Bombay-34.			Release in Maharashtra circuit as "News & Current Events".
65. Maharashtra News Reel 443	279.00	-do-			-do-
66. Varta Tarangini 144	270.42	Andhra Pradesh State Film Dev. Corpn, 11-5-423/1, Lakdikapool, Hyderabad.			Release in A.P. circuit as "News and Current Events".
67. Broken Dream	122.22	Films Division, 24-G. Deshmukh Marg, Bombay-26.			General Release as "Documentary"
68. A Commitment to Peace	492.00	-do-			-do-
69. News Magazine No. 160 (New Governments new beginnings)	318.00	Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-26.			General Release as "News and Current Events"
70. Harvi Gardi	300.40	Dir. Gen. of Inf. & Pub. Rel. Govt. of Maharashtra Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.			Release in Maharashtra circuit and classified as "Documentary"
71. Jawaharlal Nehru	487.68	Dhirendra Pande, Dir. of Public Rel, Govt. of Uttar Pradesh Lucknow.			General Release as 'Documentary'.
72. Ujwal Bhavishya Ki Ore	291.00	-do-			Release in Uttar Pradesh circuit and classified as Documentary.
73. A Quiet Revolution	262.00	Films Division, Government of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.			General release and classi- fied as "Documentary".

[F. No. 315/1/89-F(P)]
VIJAY KUMAR, Desk Officer

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1991

का धा 483—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपायधन अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिवाप्त किए जाने की संभावना है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (घर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 30) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वोक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है,

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. बीसीसीएल/ईडी/43-82 अर्थात् 12 जुलाई, 1982 का निरीक्षण उप प्रायुक्त, बनबाब (बिहार) के कार्यालय में या कोयला निरीक्षक, 1, कार्डसिन हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता या निदेशक (तकनीकी) परियोजना भारत कोयला कोल लिमिटेड, कोयला सचन बाकसर भारत कोयला कोल लिमिटेड हाउसिंग, कोयला नगर, जिला बनबाब (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन दाने वाली भूमि में हितवर्धक कार्य के अन्तर्गत जल संचयन के अन्तर्गत 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी स्थलों, बाटों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे (90) दिन के भीतर निदेशक (तकनीकी) परियोजना भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, कोयला भवन, डाकघर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड टाउनशिप, कोयला नगर, जिला धनबाद को भेजेंगे।

शकुन्ती
पर्वतपुर ब्लॉक
(झरिया कोयला क्षेत्र)

रेखांक सं. बीसीसीएस/ईडी 43-82 तारीख 17 जनवरी, 1982

क्र.सं.	ग्राम	थाना सं.	थाना	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियां
1.	भावरडीह	355	तोपचांची	धनबाद	41.30	भाग
2.	तेतगाबाद	90	झरिया	धनबाद	112.35	भाग
3.	मझिलाडीह	91	झरिया	धनबाद	18.50	भाग
4.	बारडूभी	92	झरिया	धनबाद	41.45	भाग
5.	जट्टुडीह	104	झरिया	धनबाद	35.50	भाग
6.	मनसाडीह	105	झरिया	धनबाद	10.10	भाग
7.	झरना	106	झरिया	धनबाद	28.12	भाग
8.	पेटिआ	107	झरिया	धनबाद	38.60	भाग
9.	खुंगरा	111	झरिया	धनबाद	99.20	भाग
10.	गोपीडीह	75	चास	धनबाद	73.79	भाग
11.	तुधारी	76	चास	धनबाद	88.00	भाग
12.	करारिया	203	चास	धनबाद	35.20	भाग
13.	परबतपुर	204	चास	धनबाद	748.60	भाग
14.	बटवीनेर	205	चास	धनबाद	514.00	भाग
15.	मचाटनर	207	चास	धनबाद	247.00	भाग
16.	डिबाराहा	208	चास	धनबाद	435.00	सम्पूर्ण
17.	नयाबान या पर्वतानर	209	चास	धनबाद	494.82	सम्पूर्ण
18.	तालगाँौरिआ	210	चास	धनबाद	416.17	सम्पूर्ण
19.	सिलफीरे	211	चास	धनबाद	969.16	सम्पूर्ण
20.	फतेहपुर	212	चास	धनबाद	297.40	भाग
21.	बिराजडीह	217	चास	धनबाद	27.00	भाग
22.	नवाडीह	218	चास	धनबाद	21.50	भाग
23.	देवग्राम	220	चास	धनबाद	76.90	भाग
24.	उपरबंध	221	चास	धनबाद	11.00	भाग

कुल क्षेत्र: 4880.66 एकड़ (लगभग)

या 1992.10 हेक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन

क-ख, ख-ग, ग-घ और घ-ङ	रेखा भावरडीह, तेतगाबाद मझिलाडीह, बारडूभी जट्टुडीह, मनसाडीह, झरना पेटिआ और खुंगरी ग्रामों से होकर (दामोदर नदी के बायें किनारे के भाग के साथ-साथ) जाती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती है।
ङ-च और च-छ	रेखा, खुंगरा, फतेहपुर, बिराजडीह, नवाडीह, देवग्राम, परबतपुर और ऊपरबंधा ग्रामों में दामोदर नदी से होकर जाती है और बिन्दु "छ" पर मिलती है।
छ-ज	रेखा ऊपरबंधों पर करारिया, बटवीनेर और तुधारी ग्रामों से होकर जाती है तथा बिन्दु "ज" पर मिलती है।
ज-झ	रेखा तुधारी ग्राम से होकर जाती है जो बिन्दु "झ" पर मिलती है।
झ-ञ	रेखा गोपीडीह और बटवीनेर तथा झलौरा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "ञ" पर मिलती है।
ञ-ट	रेखा बटवीनेर और झलौरा ग्राम की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।
ट-ड	रेखा बटवीनेर, डिबाराहा और झलौरा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है।
ड-ड	रेखा मछातानर और झलौरा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है।
ड-क	रेखा मछातानर और भावरडीह ग्रामों से होकर जाती है और बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं 4305/15/86-सीए/एस एस डब्ल्यू]

बी बी राव, भवन सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 25th January, 1991

S.O. 485:—Whereas it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule hereto annexed.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for Coal therein.

The plan bearing No. BCCL/ED/43—82 dated 12th July, 1982 of the area covered by this notification can be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Dhanbad (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street Calcutta or in the Office of the Director (Technical), Projects, Bharat Coking Coal Limited, Koyla Bhawan, Post Office Bharat Coking Coal Limited Township, Koyla Nagar, District Dhanbad.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Director (Technical Projects, Bharat Coking Coal Limited, Koyla Bhawan, Post Bharat Coking Coal Limited Township, Koyla Nagar, District Dhanbad (Bihar) within ninety days from the date of the publication of this notification in the Official Gazette.

Schedule
Parbatpur Block
(Jharia Coal field)

Sl. No.	Village	Thana No.	Thana	District	Area in	Remarks
1.	Bhawardaha	355	Topchanchi	Dhanbad	41.30	Part
2.	Tetanagabad	90	Jharia	Dhanbad	112.35	Part
3.	Majhiladih	91	Jharia	Dhanbad	18.50	Part
4.	Bardubhi	92	Jharia	Dhanbad	41.45	Part
5.	Jattudih	104	Jharia	Dhanbad	35.50	Part
6.	Gansadih	105	Jharia	Dhanbad	10.10	Part
7.	Jarma	106	Jharia	Dhanbad	28.12	Part
8.	Petia	107	Jharia	Dhanbad	38.60	Part
9.	Dungri	111	Jharia	Dhanbad	99.20	Part
10.	Gopidih	75	Chas	Dhanbad	73.79	Part
11.	Tughari	76	Chas	Dhanbad	88.00	Part
12.	Kararia	203	Chas	Dhanbad	35.20	Part
13.	Parbatpur	204	Chas	Dhanbad	748.60	Part
14.	Batbinor	205	Chas	Dhanbad	514.00	Part
15.	Machatanr	207	Chas	Dhanbad	247.00	Part
16.	Dibarda	208	Chas	Dhanbad	435.00	Full
17.	Nayaban or Pabratanr	209	Chas	Dhanbad	494.82	Full
18.	Talgoria	210	Chas	Dhanbad	416.17	Full
19.	Silphore	211	Chas	Dhanbad	969.16	Full
20.	Fatehpur	212	Chas	Dhanbad	297.40	Part
21.	Birajdi	217	Chas	Dhanbad	27.00	Part
22.	Nawadih	218	Chas	Dhanbad	21.50	Part
23.	Debgram	220	Vhas	Dhanbad	76.90	Part
24.	Uparbandha	221	Chas	Dhanbad	11.00	Part

4880.66 acres
(approximately)
or 1992.10 Hectares
(approximately)

Boundary Description	
A—B, B—C, C—D and D—E	Line passes through the villages Bhawadaha, Tetangabad Majihiladih, Bardubhi, Jattudih, Ganasadih, Jarma, Petia and Dungri (along the part left bank of River Damodar) and meets a point 'E'.
E—F and F—G	Line passes through Damodar River in villages Dungri, Fatehpur, Birajdi, Nawadih, Debgram, Parbatpur and Uparbandha and meets at point 'GE'.
G—H	Line passes through the villages Uparbandh, Kararia, Batbinor and Tughari and meets at point "H".
H—I	Line passes through the village Tughari and meets at point "I".
I—J	Line passes along the common boundary of villages Gopidih Batbinor and Aluara and meets at point "J".
J—K	Line passes along the common boundary of villages Batbino and Aluara and meets at point "K".
K—L	Line passes along the boundary of villages Batbinor Dibadra and Aluara and meets at point "L".
L—M	Line passes along the common boundary of villages Machatanr and Aluara and meets at point "M".
M—A	Line passes through the villages Machatanr and Bhawardaha and meets at point "A".

[No. 43015/15/86—CW)]

B. B. RAO, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संश्लेषण

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1991

का.आ. 486 जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह अनुभव करती है कि आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए एच.बी.जे. पाइप लाइन पर योजना के अंतर्गत मोरि 1 में जि.सि.एस. नगरम तक तेल और सहज वायु आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962, 3(1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्तते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाले कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और सहज वायु आयोग, के. जि. प्रोजेक्ट, भूसंकरण कार्यालय, संक्षेप राजमुन्दि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्विष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विषयवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

अर.ओ.यु. पाइप लाइन मोरि 1 जि.सि.एस. नगरम स्टेट :

आन्ध्र प्रदेश ; जिला : पूर्वी गोदावरी- मंडल : मलिकिपुरम

गांव	अर.एस. नं.	हैक्टर्स	एर्स	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्ट्स
	49-4 बी	0	09	5	0	24
	53-3 बी	0	12	0	0	30
	54-1 बी	0	11	5	0	28½
	4 बी					

1	2	3	4	5	6	7
	53-14	0	16	0	0	39
	54-5 बी	0	00	5	0	01
	55-3 बी	0	15	5	0	38
	58-2	0	01	0	0	03
	61-3 बी ₁	0	04	0	0	09½
	61-3 सी ₂	0	01	0	0	02½
	62-2 बी ₁	—	—	—	—	—
	3 ए					
	1 सी ₁	0	16	0	0	39
	62-1 बी ₂	0	03	0	0	07
	63-2	0	04	0	0	10
	64-2 ए ₃	0	04	0	0	09½
	64-2 ए ₃	0	16	0	0	39
	79-4 ए ₃	0	06	0	0	15
	79-4 सी ₂	0	03	5	0	09
	79-2 बी	0	13	0	0	32
	74-3 बी	0	03	0	0	07½
	74-3सी	0	08	5	0	21
	75-1बी	0	12	5	0	31
	75-1 सी	0	02	5	0	08
	76-2	0	03	0	0	6½
कुल मिलाकर		1	66	0	4	08

[सं.प्रो.-11027/169/90-प्रो एन जी-डी-III]

MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delhi, the 25th January, 1991

S.O. 486.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from MORI-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962, the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, K. G. Project, Rajahmundry- (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

R. O. U. flow pipe line from MORI-I to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh District : East Godavari Mandal : Malkipuram.

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiars	Acers	Cents.
Mattaparru	49-4B	0	09	5	0	24
	53-3B	0	12	0	0	30
	54-1B, 4B	0	11	5	0	28½
	53-14	0	16	0	0	39

1	2	3	4	5	6	7
	54-5B	0	00	5	0	01
	55-3B	0	15	5	0	38
	58-2	0	01	0	0	03
	61-3D ₁	0	04	0	0	09½
	61-3C ₂	0	01	0	0	02½
	62-2B ₁
	3A					
	1C ₁	0	16	0	0	39
	62-1B ₂	0	03	0	0	07
	63-2	0	04	0	0	10
	64-2A ₃	0	04	0	0	09½
	64-2A ₂	0	16	0	0	39
	79-4A ₂	0	06	0	0	15
	79-4C ₂	0	03	5	0	09
	79-2B	0	13	0	0	32
	74-3B	0	03	0	0	07½
	74-3C	0	08	5	0	21
	75-1B	0	12	5	0	31
	75-1C	0	02	5	0	06
	76-2	0	03	0	0	06½
Grand Total		1	66	0	4	08

[No. O-11027/169/90-ONGD-III]

का.आ. :- 487 जब कि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन आ. प्र. राज्य में डल्लमोर्ले से बैन्डा तक तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइपलाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्तते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमि पर पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी संश्लेष प्राधिकरण तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भूसेकरण कार्यालय, राजमुद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से यथवा विधिब्यवसायी के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

[संख्या O-11027/176/90-ओ एन जी डी III]

अनुसूची

उप पाईप लाइन उल्लमपरू से बेंडा तक :

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पश्चिम गोवावरी,

मण्डल : पालकोल्लु ;

गांव	एस. ने	हैक्टार्स	एर्स	सेन्टिगर्स	एकर्स	सेन्टस
उल्लमपरू	215/2	0	17	0	0	42
	214/12,3	0	28	0	0	69
	175/3	0	19	0	0	47
	175/4	0	06	0	0	15
	173/पा.	0	04	5	0	11
	156/1	0	21	5	0	53
	159/	0	02	5	0	06½
	158/4 बी पा.	0	11	5	0	29
	158/4 सी					
	3 सी	0	05	05	0	13½
	1 सी					
	127/	0	02	0	0	05
	144	0	09	5	0	23
	131/1 बी	0	23	5	0	58½
	1 बी					
	132	0	02	5	0	06
	118/2 बी	0	40	5	1	00
	1 बी					
	113/1	0	08	5	0	21
	114/4 पा.	0	03	5	0	09
	114/4 पा.	0	03	5	0	09
	114/3 पा.	0	02	5	0	06
	114/3 पा.	0	11	5	0	28½
	1, 2					
	93/4 पा.	0	06	0	0	15
	93/3 पा.	0	05	0	0	12
	114/3 पा.	0	03	5	0	09
	93/3 पा.	0	02	5	0	06
	93/2 पा.	0	07	0	0	17
	93/1	0	06	0	0	15
	92/5	0	09	5	0	23
	92/4	0	08	0	0	20
	69/	0	02	5	0	06
	91/2	0	05	5	0	14
	91/3	0	06	0	0	14½
	91/4	0	05	5	0	12
	70/ पा.	0	02	0	0	05½
	82/3 पा.	0	04	5	0	11
	72/3 पा.	0	10	0	0	25½
	72/3 पा.	0	11	0	0	27
	72/2 पा.	0	09	5	0	24

1	2	3	4	5	6	7
	72/2 pt.	0	07	0	0	17
	72/1 pt.	0	09	0	0	22
	73/1 pt.	0	09	5	0	24½
	73/1 pt.	0	01	0	0	02½
	74/3 pt.	0	09	5	0	23½
	52/3 pt.	0	17	5	0	43
	53 pt.	0	00	5	0	01
	33	0	04	0	0	10
	32/3	0	08	0	0	20
	32/2	0	09	5	0	23½
	31/1	0	12	5	0	31
	33/3 pt.	0	27	0	0	67
	30	0	02	0	0	05
कुल मिलाकर		4	44	0	10	98½

सं. प्रो.-11927/176/90-प्रो एन जी-डी III]

S.O. 487.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Ullamparru to Vendra in A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And, whereas, it appear for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land)

Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, K. G. Project, Rajahmundry- (533101).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Branch Pipe line from Ullamparru to Vendra

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari

Mandal : Palacollu.

Village	Survey No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents.
1	2	3	4	5	6	7
Ullamparru	215/2	0	17	0	0	42
	214/1, 2, 3	0	28	0	0	69
	175/3	0	19	0	0	47
	175/4	0	06	0	0	15
	174/pt	0	04	0	0	11
	156/1	0	21	5	0	53
	159/-	0	02	5	0	06½
	158/4Dpt.	0	11	5	0	29
	158/ 4C	0	05	5	0	13½
	3C					
	1CJ					
	127/-	0	02	0	0	05
	144	0	09	5	0	23
	131/2B	0	24	0	0	58½

1	2	3	4	5	6	7
Ullamparru	132/ 1B	0	02	5	0	06
	118/2B	0	40	5	1	00
	1B					
	113/1	0	08	5	0	21
	114/4 pt	0	03	5	0	09
	114/4 pt	0	03	5	0	09
	114/3 pt	0	02	5	0	06
	114/3 pt	0	11	5	0	28½
	1, 2					
	93/4 pt	0	06	0	0	15
	93/3 pt	0	05	0	0	12
	114/3 pt	0	03	5	0	09
	93/3 pt	0	02	5	0	06
	93/2 pt	0	07	0	0	17
	93/1	0	06	0	0	15
	92/5	0	09	5	0	23
	92/4	0	08	0	0	20
	69/-	0	02	5	0	06
	91/2	0	05	5	0	14
	91/3	0	06	0	0	14½
	91/4	0	05	0	0	12
	70/ pt	0	02	5	0	05½
	72/3 pt }	0	04	5	0	11
	„J	0	10	0	0	25½
	72/3 pt	0	11	0	0	27
	72/ 2 pt	0	09	5	0	24
	72/2 pt	0	07	0	0	17
	72/1 pt	0	09	0	0	22
	73/ 1 pt	0	09	5	0	24½
	73/3 pt	0	01	0	0	02½
	73 / 3 pt	0	09	5	0	23½
	52/3 pt	0	17	5	0	43
	53/ pt	0	00	5	0	01
	33	0	04	0	0	10
	32/3	0	08	0	0	20
	32/2	0	09	5	0	23½
	31/1	0	12	5	0	31
	31/3 pt	0	27	0	0	67
	30	0	02	0	0	05
Grand Total		4	44	0	10	98½

का.भा. 488 जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए पाइप लाइन आ. प्र. राज्य. में मोरि. I से जि.सि.एस. नगरम तक तेल और गैस प्राकृतिक आयोग द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः, पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, के.जि. प्रोजेक्ट, भूसंकरण कार्यालय, राजमूद्रि, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायी के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन मोरि I से जि.सि.एस. नगरम

स्टेट : आंध्र प्रदेश

जिला : पूरव गोदावरी

मण्डल : मल्लिकपुरम

गांव	आर.एस. न.	हैक्टास	अर्स	सेन्टियार्स	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
गुड्डिमेल्लन्का	735-2 बी, 2 ए 2	0	08	5	0	21/1/2
	735-3 ए 1	0	12	0	0	30
	735-1 बी	0	01	5	0	04
	734-1 ए/1	0	03	0	0	07/1/2
	734-2 बी	0	04	0	0	09/1/2
	733-1बी	0	09	5	0	23/1/2
	743/1 सी	0	01	0	0	10/1/2
	733-1डी	0	02	0	0	05
	732-1बी, 2 ए	0	08	5	0	21
	731-2	0	10	0	0	25
	730-2	0	01	0	0	02
	730-3	0	06	0	0	14/1/2
	743-1 बी	0	03	0	0	08
	743-2 बी	0	05	5	0	14
	3बी	0	07	5	0	19
	745-2 ए	0	08	5	0	21/1/2
	745-2बी, 1बी	0	22	5	0	55/1/2
	746-1 ए	0	02	0	0	05
	679-1 ए	0	03	0	0	07
	747-7बी	0	05	0	0	11/1/2
	748-1बी	0	01	5	0	03/1/2
	— 3बी	0	15	0	0	37
	678-1बी	0	09	0	0	22
	— 2बी	0	14	5	0	36
	682-1 बी, 3 ए	0	08	0	0	20/1/2
	682-1 सी	0	06	5	0	16

1	2	3	4	5	6	7
	682-2 बी	0	06	0	0	14/1/2
	683-1	0	04	5	0	11
	685-2	0	05	0	0	12
	—5	0	00	5	0	01/1/2
	685-3	0	01	5	0	03/1/2
	—4	0	05	0	0	12
	687-6	0	03	0	0	07
	—7	0	14	5	0	35
	687-5बी	0	10	5	0	26
	687-5 सी	0	07	5	0	18
	688-2ए 1, 2 बी	0	06	5	0	16/1/2
	688-4 ए	0	00	5	0	01
	688-3 बी	0	05	5	0	14
	688-5 ए 1	0	07	5	0	19
	707-2सी	0	05	0	0	12
	688-6 ए	0	02	5	0	06
	696-2	0	02	5	0	05/1/2
	532-2	0	04	0	0	10
	547-1	0	03	0	0	08
	473-6बी	0	06	5	0	16/1/2
	700-4 बी	0	01	0	0	02/1/2
	707-2बी	0	05	5	0	12/1/2
	707-4 ए	0	03	0	0	08/1/2
	707-3बी	0	05	5	0	13
	707-5बी	0	06	0	0	15
	706-9बी	0	03	0	0	07/1/2
	706-2बी, 8बी	0	05	5	0	13/1/2
	538-2	0	03	0	0	07
	536-1बी	0	01	5	0	03/1/2
	—2ए 2	0	09	5	0	24/1/2
	536-2 ए 3, 3 बी	0	03	5	0	09
	536-3सी	0	03	5	0	09/1/2
	536-3डी-4 बी	0	03	0	0	06/1/2
	535-3	0	01	0	0	02
	534-24	0	03	0	0	07
	527-4 ए	0	00	5	0	01
	526-1बी, 2बी	0	21	5	0	53
	524-1 बी, 2 बी	0	06	5	0	16
	526-3बी	0	16	5	0	41
	548-2	0	01	0	0	02/1/2
	519-2	0	02	0	0	05
	488-1बी	0	04	0	0	10
	488-1 सी	0	06	0	0	14/1/2
	488-2ए	0	02	5	0	06/1/2
	489-1बी	0	14	5	0	36
	489-2 ए	0	01	5	0	04
	489-2बी	0	16	5	0	41

1	2	3	4	5	6	7
	490-2बी	0	05	5	0	14
	478-1 डी	0	02	0	0	05
	490-2सी	0	04	0	0	09½
	492-2	0	02	0	0	05
	478-1 ए	0	00	5	0	01
	479-1बी	0	00	5	0	01
	478-1सी	0	01	0	0	03
	478-1ई	0	02	0	0	05
	477-2बी, 3 बी	0	04	5	0	11½
	477-4बी	0	03	5	0	09
	477-4सी	0	04	5	0	11
	477-1बी	0	11	0	0	26½
	476-4बी	0	05	0	0	12
	—4सी	0	01	5	0	04
	476-8ए	0	02	5	0	06
	476-5 ए	0	03	0	0	08
	476-2बी	0	09	5	0	23
	475-2	0	06	5	0	16
	474-7बी	0	11	0	0	27
	474-4 बी, 1 बी	0	04	5	0	11½
	474-1 सी, 4.सी	0	01	5	0	04
	473-6सी	0	03	0	0	06½
	473-6डी	0	01	5	5	04½
	473-6ई	0	02	5	0	05½
	471-2	0	05	5	0	13
	426-4बी	0	06	0	0	15½
	426-4सी	0	07	0	0	17
	425-3बी	0	01	0	0	02
	426-2 बी/1बी	0	07	5	0	19½
	425/2बी/1	0	01	0	0	02½
	425-4बी	0	18	0	0	44
	427-2	0	01	5	0	04
	422-2बी	0	13	0	0	32
	421-2	0	05	5	0	13
	429-4	0	01	0	0	03
	421-3	0	08	0	0	20½
	429-3	0	01	0	0	01½
	—5	0	01	0	0	02
	429/4	0	01	5	0	03½
	430/2	0	06	0	0	15½
	418-3बी	04	04	0	0	10
	—4सी	0	04	5	0	11½
	418-4बी	0	05	5	0	14
	418-1बी	0	01	5	0	03½
	416-2डी	0	01	5	0	04
	397-2बी	0	01	0	0	03

1	2	3	4	5	6	7
	416-3डी	0	09	5	0	24½
	416/3सी	0	00	5	0	01
	416/2डी	0	08	5	0	20½
	416//2सी	0	04	0	0	10
	416-1 डी	0	01	0	0	02
	397-2डी	0	01	0	0	03
	398-1डी	0	14	5	0	36
	402-1	01	0	01	0	03
जोड़		6	66	0	16	46½

[सं. ओ-11027/170/90-ओ.एन.जी.-डी-III]

S.O. 488.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from MORI-I to G. C. S. Nagaram in A.P. State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land)

Act, 1962, the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, K. G. Project, Rajahmundry- (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

R.O.U.—Pipe line—"MORI-I" to "G-C-S. NAGARAM"

STATE : ANDHRA PRADESH DISTRICT : EAST GODAVARI MANDAL : MALKIPURAM						
Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Gudimellanka	735-2B, 2A2	0	08	5	0	21½
	735-3A1	0	12	0	0	30
	735-1B	0	01	5	0	04
	734-1A/1	0	03	0	0	07½
	734-2B	0	04	0	0	09½
	733-1B	0	09	5	0	23½
	733-1C	0	01	0	0	01½
	733-1D	0	02	0	0	05
	732-1B, 2A	0	08	5	0	21
	732-2	0	10	0	0	25
	730-2	0	01	0	0	02
	730-3	0	06	0	0	14½
	743-1B	0	03	0	0	08
	743-2B	0	05	5	0	14
	-3B	0	07	5	0	19
	745-2A	0	08	5	0	21½
	745-2B, 1B	0	22	5	0	55½
	746-1A	0	02	0	0	05
	679-1A	0	03	0	0	07
	747-7B	0	05	0	0	11½

1	2	3	4	5	6	7
	748-1B	0	01	5	0	03½
	-3B	0	15	0	0	37
	678-1B	0	09	0	0	22
	-2B	0	14	5	0	36
	682-1B, 3A	0	08	0	0	20½
	682-1C	0	06	5	0	16
	682-2B	0	06	0	0	14½
	683-1	0	04	5	0	11
	685-2	0	05	0	0	12
	-5	0	00	5	0	01½
	685-3	0	01	5	0	03½
	-4	0	05	0	0	12
	687-6	0	03	0	0	07
	-7	0	14	5	0	35
	687-5B	0	10	5	0	26
	687-5C	0	07	5	0	18
	688-2A1	0	06	5	0	16½
	-2B
	688-4A	0	00	5	0	01
	688-3B	0	05	5	0	14
	688-5A1	0	07	5	0	19
	707-2C	0	05	0	0	12
	688-6A	0	02	5	0	06
	696-2	0	02	5	0	05½
	532-2	0	04	0	0	10
	547-1	0	03	0	0	08
	473-6B	0	06	5	0	16½
	700-4B	0	01	0	0	02½
	707-2B	0	05	5	0	12½
	707-4A	0	03	0	0	08½
	707-3B	0	05	5	0	13
	707-5B	0	06	0	0	15
	706-9B	0	03	0	0	07½
	706-2B, 8B	0	05	5	0	13¾
	538-2	0	03	0	0	07
	536-1B	0	01	5	0	03½
	-2A2	0	09	5	0	24½
	536-2A3, 3B	0	03	5	0	09
	536-3C	0	03	5	0	09½
	536-3D-4B	0	03	0	0	06½
	535-3	0	01	0	0	02
	534-24	0	03	0	0	07
	527-4A	0	00	5	0	01
	426-1B, 2B	0	21	5	0	53
	524-1B, 2B	0	06	5	0	16
	526-3B	0	16	5	0	41
	548-2	0	01	0	0	02½
	519-2	0	02	0	0	05
	488-1B	0	04	0	0	10
	488-1C	0	06	0	0	14½

1	2	3	4	5	6	7
Gudimellanka—Contd.	488-2A	0	02	5	0	06½
	489-1B	0	14	5	0	36
	489-2A	0	01	5	0	04
	489-2B	0	16	5	0	41
	490-2B	0	05	5	0	14
	478-1D	0	02	0	0	05
	490-2C	0	04	0	0	09½
	492-2	0	02	0	0	05
	478-1A	0	00	5	0	01
	478-1B	0	00	5	0	01
	478-1C	0	01	0	0	03
	478-1E	0	02	0	0	05
	477-2B, 3B	0	04	5	0	11½
	477-4B	0	03	5	0	09
	477-4C	0	04	5	0	11
	477-1B	0	11	0	0	26½
	476-4B	0	05	0	0	12
	-4C	0	01	5	0	04
	476-8A	0	02	5	0	06
	476-5A	0	03	0	0	08
	476-2B	0	09	5	0	23
	475-2	0	06	5	0	16
	474-7B	0	11	0	0	27
	474-4B, 1B	0	04	5	0	11½
	474-1C, 4C	0	01	5	0	04
	473-6C	0	03	0	0	06½
	473-6D	0	01	5	0	04½
	473-6E	0	02	5	0	05½
	471-2	0	05	5	0	13
	426-4B	0	06	0	0	15½
	426-4C	0	07	0	0	17
	425-3B	0	01	0	0	02
	426-2B, 1B	0	07	5	0	19½
	425-2B/1	0	01	0	0	02½
	425-4B	0	18	0	0	44
	427-2	0	01	5	0	04
	422-2B	0	13	0	0	32
	421-2	0	05	5	0	13
	429-4	0	01	0	0	03
	421-3	0	08	0	0	20½
	029-3	0	01	0	0	01½
	-5	0	01	0	0	02
	429-4	0	01	5	0	03½
	430-2	0	06	0	0	15½
	418-3B	0	04	0	0	10
	-4C	0	04	5	0	11½
	418-4B	0	05	5	0	14
	418-1B	0	01	5	0	03½
	416-2D	0	01	5	0	04
	397-2B	0	01	0	0	03

1	2	3	4	5	6	7
	416-3B	0	09	5	0	24½
	416-3C	0	00	5	0	01
	416-2B	0	08	5	0	20½
	416-2C	0	04	0	0	10
	416-1B	0	01	0	0	02
	397-2C	0	01	0	0	03
	398-1B	0	14	5	0	36
	402-1	0	01	0	0	03
	Total	6	66	0	16	46

[No. O-11027/170/90-ONG-D-III]

का भा 489 .—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में चोकारी टी बिन्दु से जिप्सो तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्घात अनुसूची में अर्जित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है।

बगलें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के सीजे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेष्टमाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किनी बिधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

चोकारी टी बिन्दु से जिप्सो तक पाइप लाइन बिछाने के लिए। (नया)

राज्य : गुजरात जिला : बड़ोदा या पादरा

गांव	प्लॉट नं.	हे	आर	सेन्टी
1	2	3	4	5
मुजपुर	1264	0	10	33
	1265	0	11	28
	1259	0	07	61
	1258	0	07	44
	1257	0	11	20
	1256	0	21	91
	1284	0	17	18
	1286	0	00	35
	1289	0	19	28

1	2	3	4	5
	1290	0	02	00
	काट ट्रेक	0	00	68
	1240	0	08	60
	1239	0	12	93
	1234	0	11	13
	1235	0	10	33
	1221	0	15	18
	1222	0	12	93
	1215	0	0	78
	1214	0	07	28
	1211	0	03	55
	1213	0	04	93
	काट ट्रेक	0	01	00
	1159	0	09	71
	1160	0	06	23
	1158	0	07	93
	1164	0	22	28
	1165	0	10	82
	काट ट्रेक	0	01	52
	982	0	13	07
	985	0	00	76
	975	0	21	08
	976	0	03	30
	977	0	17	65
	970	0	00	35
	काट ट्रेक	0	00	65
	843	0	01	54
	844	0	19	93
	845	0	01	00
	848	0	12	28
	849	0	16	68
	950	0	05	30
	काट ट्रेक	0	01	00
	953	0	08	68
	952	0	10	68
	951	0	05	40
	950	0	04	75
	948	0	05	20
	947	0	01	03

1	2	3	4	5
	861	0	26	04
	866	0	22	80
	678	0	16	00
	677	0	11	80
	672	0	01	50
	675	0	08	85
	671	0	08	60
	670	0	07	60
	655	0	01	40
	663	0	13	60
	658	0	00	35
	659	0	17	40
	494	0	02	70
	493	0	18	00
	કાર્ટ ટ્રેક	0	02	00
	483/બી	0	04	25
	486	0	02	50
	184	0	12	00
	485	0	07	75
	471	0	23	00
	469	0	01	25
	કાર્ટ ટ્રેક	0	03	00
	400	0	04	00
	438	0	04	00
	437	0	08	69
	436	0	04	00
	435	0	04	00
	434	0	05	20
	415	0	18	50
	414	0	04	50
	410	0	10	00
	113	0	05	00
	412	5	11	00
	408	0	09	00
	348	0	00	70
	349	0	10	20
	357	0	13	00
	359	0	08	00
	340	0	20	00

[સ. ઓ.-11027/199/90/ઓ એન જી-૨૪ III]

S.O. 489.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chokari T-Point to GIPCO in Gujarat State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construc-

tion & Maintenance Division, Makarpura Road; Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Chokari T. Point To GIPCO (Revised)

State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padra

Village	Block No.	Hec- tare	Ac Centi- tiare	
1	2	3	4	5
Muppur	1264	9	10	33
	1265	0	11	28
	1259	0	07	61
	1258	0	07	43
	1257	0	11	20
	1256	0	21	91
	1284	0	17	18
	1286	0	00	35
	1289	0	19	28
	1290	0	02	00
	Cart track	0	02	65
	1240	0	08	60
	1239	0	12	93
	1234	0	11	13
	1235	0	10	33
	1221	0	15	18
	1222	0	12	93
	1215	0	08	78
	1214	0	07	28
	1211	0	03	55
	1213	0	03	93
	Cart track	0	01	00
	1159	0	09	71
	1160	0	06	23
	1158	0	07	93
	1164	0	22	28
	1165	0	10	82
	Cart track	0	01	52
	982	0	18	07
	983	0	00	76
	975	0	21	08
	976	0	03	30
	977	0	17	65
	970	0	00	35
	Cart track	0	00	65
	843	0	01	54
	844	0	19	93
	845	0	04	00
	848	0	12	28
	849	0	16	68
	850	0	05	30
	Cart track	0	01	00
	953	0	08	68
	952	0	10	68
	951	0	05	40
	950	0	04	75
	948	0	05	26
	947	0	01	03
	864	0	26	04
	866	0	22	80
	678	0	16	00
	677	0	11	80

1	2	3	4	5
	672	0	01	50
	675	0	08	8
	674	0	08	60
	670	0	07	60
	655	0	01	40
	663	0	13	60
	658	0	00	35
	659	0	17	40
	494	0	02	70
	493	0	18	00
	Cart track	0	02	00
	483/B	0	04	25
	486	0	02	50
	484	0	12	00
	485	0	07	75
	471	0	23	00
	469	0	01	25
	Cart track	0	03	00
	400	0	04	00
	438	0	04	00
	437	0	08	69
	436	0	04	00
	435	0	04	00
	434	0	05	20
	415	0	18	50
	414	0	04	50
	410	0	10	00
	413	0	05	00
	412	0	11	00
	408	0	09	00
	348	0	00	70
	349	0	10	20
	357	0	13	00
	359	0	08	00
	340	0	20	00

[No. O-11027/199/90-ONG.-D.III]

का. धा. 490.---यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में चोकारी टी बिन्दु से जिफको तक पेट्रोपियम के परिवहन के लिए पाईपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी ज़मीनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्रुपायध धनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोपियम और अर्जित पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उपर्युक्त उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आणख्य एनद्रुपाय घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग मकरपुरा रोड बड़ोदा-9 को हम अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति बिनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि भया वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी बिधि व्यवसायी की सफ़रत।

चोकारी टी बिन्दु से जिफको तक पाईप लाइन बिछाने के लिए

राज्य	गुजरात	जिला	बड़ोदा ना. पादरा		
गाँव	सर्वेन.	हे	घाट.	सेटी.	
नरसीपुरा	187	0	14	05	
	236	0	08	60	
	237	0	23	65	
	231	0	05	25	
	230	0	05	85	
	249	0	14	55	
	250	0	16	30	
	159	0	01	00	
काटे ट्रेक		0	00	60	
	260	0	05	40	
	261	0	07	58	
	262	0	09	70	
	265	0	09	60	
	264	0	10	40	

[मं. धो -11027/201/90 धो. एन. डी. डी. III]

S.O. 490.---Whereas it appears in the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chokari T-Point to GIPCO in Gujarat State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road; Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Chokari 'T' Point to under GIPCO (Revised)
State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padara

Village	Block No.	Hee- tare	Are	Cent- tare
Narsipura	187	0	14	05
	236	0	08	60
	237	0	23	65
	231	0	05	25
	230	0	05	85
	249	0	14	55
	250	0	16	30
	259	0	01	00
	Cart track	0	00	60
	260	0	05	40
	261	0	07	58
	262	0	09	70
	265	0	09	60
	264	0	10	40

[No. 6-1027/201/90-ONG.D.III]

का या 101—यह, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में चोकरी टी बिन्दु से जिप्को तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग निर्माण और देखभाल प्रभाग मकरपुरा रोड बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

चोकरी टी बिन्दु से जिप्को तक पाईप लाईन बिछाने के लिए (नया)

राज्य गुजरात : जिला बड़ोदा तालुका — बड़ोदा

गांव	ब्लॉक नं.	हे.	आर.	से.
हिंगलोट	107	0	03	19
	104	0	22	00
कार्टट्रेक	0	03	65	
92/कि/बी	0	52	00	
कार्टट्रेक	0	02	27	
88	0	22	38	
87	0	30	49	
86	0	06	00	
76	0	19	60	

[सं. ओ.-11027/205/90-ओ एन जी-डी III]

S.O. 491.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chokari T-Point to GIPCO in Gujarat State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road; Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Chokari T. point to GIPCO (Revised)

State : Gujarat District & Taluka : Vadodara

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centiare
Hinglot	107	0	03	19
	104	0	22	00
Cart track	0	03	65	
92/K/B	0	52	00	
Cart track	0	02	27	
88	0	22	38	
87	0	30	49	
86	0	06	00	
76	0	19	60	

[No. O-11027/205/90-ONG-D.III]

का. आ. 492.—यह, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बड़ोदा से जिप्को तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

बड़ोदा से जिप्को तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला तालुका : बड़ोदा

गांव	से. नं.	हे.	आर.	से.
घनोरा	118	0	19	20

[सं. ओ.-11027/204/90-ओ एन जी-डी III]

S.O. 492.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Undera to GIPCO in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipe line from undera to GIPCO. (Revised)
State - Gujarat District & Taluka : Vadodara

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cent- tiare
Dhanora	118	0	19	20

[No. O-11027/204/90-ONG.D.III]

का, भा. 493—यत : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में उड्डेरा से जिप्को तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पार्श्वलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अथ पेट्रोलियम और खनिज पार्श्वलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वशत कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के लीचे पार्श्व लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिवृष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

उड्डेरा से जिप्को तक पार्श्व लाईन बिछाने के लिए (सुधारने के बाद)

राज्य	गुजरात	जिला	तालुका	बड़ोदा
गांव	सं. नं.	हे.	घार.	सं.
1	2	3	4	5
कोवली	गाडा बाट	0	01	60
	450/1		00	30
	450/2	0	04	13

1	2	3	4	5
	451	0	02	78
	452	0	10	66
	453	0	02	77
	454	0	07	47
	455	0	12	46
	474/4	0	22	64
	474/2	0	06	00
	474/1	0	01	50
	483	0	23	01
	488	0	02	79
	489/1	0	05	00
	489/2	0	08	00
	गाडा बाट	0	02	55
	500	0	12	46
	502	0	16	71
	504	0	16	71
	505	0	05	85
	गाडा पाट	0	02	70
	549	0	02	70
	549	0	20	36
	562	0	30	33
	572	0	04	70
	573	0	21	72
	583	0	01	18
	581	0	24	11
	585	0	13	76
	गाडा बाट	0	01	40
	587	0	08	00
	जाडापाट	0	03	80
	840	0	14	46
	गाडापाट	0	03	40
	773	0	11	40
	775	0	11	60
	गाडा बाट	0	01	00
	776	0	13	06
	777/1	0	19	72
	777/2/1	0	07	05
	गाडा बाट	0	01	20
	821	0	11	14
	822	0	02	83
	820/1	0	08	90
	819	0	08	30
	818	0	08	15
	817	0	02	00
	गाडा बाट	0	05	50
	814	0	15	20
	गाडा बाट	0	01	40
	938/1	0	14	16
	938/2	0	04	24
	गाडा पाट	0	02	70
	940/1	0	14	56
	934	0	04	80
	(987 2)	0	07	20
	986	0	29	26
	गाडा पाट	0	01	20

1	2	3	4	5
	1050 3	0	05	00
	1050/2	0	00	34
	1048	0	05	19
	1047	0	07	60
	1042	0	28	28
	1043	0	14	20
	1081/1	0	14	10
	1081	0	20	15
	1088	0	25	56
	1080	0	04	88

[सं. मो.-11027/203/90/मो. एम. जी. डी -III]

S.O. 493.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Undera to GIPCO in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipe line from Undera to GIPCO (Revised)

State : Gujarat District & Taluka : Vadodara

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Koyli	Cart track	0	01	60
	450/1	0	00	36
	450/2	0	04	13
	451	0	02	78
	452	0	10	66
	453	0	02	77
	454	0	07	47
	455	0	12	46
	474/4	0	22	64
	474/2	0	06	00
	474/1	0	01	50
	483	0	23	01
	488	0	02	79
	489/1	0	05	00
	489/2	0	08	00
	Cart track	0	02	55
	500	0	12	46
	502	0	16	71
	504	0	16	71

1	2	3	4	5
	505	0	05	85
	Cart track	0	02	70
	549	0	02	70
	549	0	20	36
	562	0	30	33
	572	0	04	70
	573	0	21	72
	583	0	01	18
	581	0	24	11
	585	0	13	76
	Cart track	0	01	40
	587	0	08	00
	Cart track	0	03	80
	840	0	14	46
	Cart track	0	03	40
	773	0	11	40
	775	0	11	60
	Cart track	0	01	00
	776	0	13	06
	777/1	0	19	72
	777/2/A	0	07	05
	Cart track	0	01	20
	821	0	11	14
	822	0	02	83
	820/1	0	08	90
	819	0	08	30
	818	0	08	15
	817	0	02	00
	Cart track	0	05	50
	814	0	15	20
	Cart track	9	01	40
	938/1	0	14	16
	938/2	0	01	24
	Cart track	0	02	70
	940/1	0	14	56
	934	0	04	80
	987/2	0	07	20
	886	0	29	26
	Cart track	0	10	20
	1050/3	0	05	00
	1050/2	0	00	34
	1048	0	05	19
	1047	0	07	60
	1042	0	28	28
	1043	6	14	20
	1081/1	0	14	10
	1081	0	20	15
	1088	0	25	56
	1080	0	04	88

[No. O-11027/203/90-ONG-D.III]

का. भा. 494—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में चोकारी टी बिन्दू से जिप्को तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वाक्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

यतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पार्ष्ण लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 का इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट . यह भी कहा गया कि इस यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

चोकरी ही बिन्दु से जिप्को तक पार्ष्ण लाईन बिछाने के लिए (नया)

राज्य गुजरात	जिला — बड़ोदरा	ता. पादरा		
गांव	बलाक सं.	हे.	भार	से.
1	2	3	4	5
एकलबारा	622		14	90
	621	0	08	40
	525	0	02	70
	591	0	05	84
	592	0	20	30
	590	0	15	00
कार्ट ट्रैक		0	01	69
	551	0	09	00
	552	0	16	36
	553	0	19	48
कार्ट ट्रैक		0	03	26
	467	0	08	88
	466	0	06	00
	465	0	06	80
	468	0	05	00
	464	0	24	11
	558	0	06	02
	462	0	12	01
	461	0	03	81
कार्ट ट्रैक		0	01	55
	242	0	17	48
	243	0	19	78
	244	0	01	14
	245	0	11	95
कोटार		0	03	08
	87	0	11	81
	88	0	13	40
	92	0	10	00
	91	0	13	37
	105	0	34	80
	104	0	26	33
	122	0	24	85
	123	0	10	84
कार्ट ट्रैक		0	01	18
	124	0	04	26
कार्ट ट्रैक		0	03	17
	125	0	10	80

SO 494.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chokari T Point to GIPCO in Gujarat State Pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas Commission

And whereas it appears for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Chokori 'T' point to GIPCO

State Gujarat District . Vadodara Taluka : Padra

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centi-are
1	2	3	4	5
Akalbara	622	0	14	90
	621	0	08	40
	525	0	02	70
	591	0	05	84
	592	0	20	30
	590	0	15	00
	Cart track	0	01	69
	551	0	09	00
	552	0	16	36
	553	0	19	48
	Cart track	0	03	26
	467	0	08	88
	466	0	06	00
	365	0	06	80
	468	0	05	00
	464	0	24	11
	558	0	06	02
	462	0	12	01
	461	0	03	81
	Cart track	0	04	55
	242	0	17	48
	243	0	19	78
	233	0	01	14
	234	0	14	95
	Kotar	0	03	08
	87	0	21	81
	88	0	13	40
	92	0	10	00
	91	0	12	32
	105	0	34	80
	104	0	26	33
	122	0	24	85
	123	0	10	84
	Cart track	0	01	18
	124	0	04	26
	Cart track	0	03	17
	125	0	10	80

का. भा. 495.—अतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि चोकरी में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में चोकरी टा. बिन्दु से जिनको तक पेट्रोपिपे के परिवहन के लिये पाईपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपरायण अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रदान करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोपिपे और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितवश कोई व्यक्ति उस भूमि के लिये पाईप लाइन बिछाने के लिए आशय मशम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना को तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशय करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कबल करेगा कि यदि यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो य, किता विधि वक्तव्या की मार्फत।

अनुसूची

चोकरी टा. बिन्दु से जिनको तक पाईप लाइन बिछाने के लिए (नया)

राज्य	गुजरात	जिला	वडोदरा	ता. पावरा	
गाँव	ब्लॉक नं.	हे.	आर.	से.	
1	2	3	4	5	
लुना	380	0	16	44	
	381	0	13	20	
	402	0	27	08	
	430	0	56	79	
	काट ट्रैक	0	02	00	
	440	0	24	78	
	439	0	08	00	
	445	0	12	10	
	442	0	09	15	
	441	0	02	62	
	440	0	11	60	
	507	0	17	60	
	513	0	03	60	
	512	0	03	80	
	519	0	01	80	
	520	0	15	80	
	518	0	14	60	
	533	0	02	50	
	534	0	02	50	
	535	0	02	50	
	536	0	02	50	
	537	0	02	50	
	538	0	02	50	
	539	0	04	18	
	532	0	01	50	
	545	0	01	25	
	544	0	06	47	

1	2	3	4	5
	काट ट्रैक	0	01	40
	568	0	15	60
	569	0	12	20
	570	0	09	38

[सं. ओ.-11027/200/90/ओ. एन.जी.-II]

विवेकानन्द, डेस्क अधिकारी

S.O. 495.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chokari T-Point to GIPCO in Gujarat State Pipe line should be laid by the O'l & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road; Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Chokari 'T' point to GIPCO (Revised)

State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padra

Village	Block No.	Hec-are	Are	Centi-are
1	2	3	4	5
Luna	380	p	16	44
	381	0	13	20
	402	0	27	08
	430	0	56	79
	Cart track	0	02	00
	446	0	24	78
	439	0	78	00
	445	0	12	10
	442	0	09	15
	441	0	02	62
	440	0	11	60
	507	0	17	60
	513	0	03	60
	512	0	03	80
	519	0	01	80
	520	0	15	80
	518	0	14	60
	533	0	02	50
	534	0	02	50
	535	0	02	50
	536	0	02	50
	537	0	02	50
	538	0	02	50
	539	0	04	18
	532	0	01	50
	545	0	01	25
	544	0	06	47
	Cart track	0	01	40
	568	0	15	60
	569	0	12	20
	570	0	09	38

[No. O-11027/200/90/ONG.D.III]

K. VIVEKANAND, Desk Officer

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1991

क्र. भा. 496 --पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि उपयोगिता के अधिपार का अधिग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खंड (ए) के अनुपालन में केन्द्र सरकार, एन.डी.आर. निम्न अनुसूची के कालम 1 में दर्शाए पंक्तियों को उपर्युक्त अधिनियम के अधिन संदर्भित अनुसूची के कालम 2 में दी गयी प्रविष्टि में दर्शाए क्षेत्रों के अधरसहस्र प्राधिकारियों का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता है। दिनांक 6 जून, 1988 की अधिसूचना क्रमांक पी 32015/2/87 डिस्ट. के अनुक्रम में यह अधिसूचना जारी की जा रही है।

अनुसूची

प्राधिकारी तथा पता	क्षेत्र
श्री एम. वी. चिटनिस उप प्रबंधक-परिचालन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लि., लोनी कालभोर, पुणे-412201	महाराष्ट्र

[सं. पी. - 32015/29/90-वित्त]

सहादेव राम, अवर सचिव

New Delhi, the 1st February, 1991

SCHEDULE

S.O. 496.—In pursuance of clause (A) of Section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby authorises the person mentioned in Column 1 of the Schedule below to perform the functions of the Competent Authority under the said Act within the areas mentioned in the corresponding entry in Column 2 of the said Schedule. This notification is in supersession of the notification No. P-32015/2/87 Dist. dated 6th June, 1988.

Authority and Address	Areas
Shri M. V. Chitnis Dy. Manager—Operations Hindustan Petroleum Corporation Ltd., Loni Kalbhor PUNE-412201.	Maharashtra

[No. P-32015/29/90-Dist.]

SAHADEO RAM, Under Secy.

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय




(नागरिक पूर्ति विभाग)







भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1991

क्र.भा. 497--भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 9 के उपनियम (1) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एन.डी.आर. अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिए गए भारतीय मानकों सबंधी मानक मूहर के डिजाइन निर्धारित कर दिए गए हैं।

अनुसूची

क्र.सं.	मानक मूहर का डिजाइन	उत्पाद/उत्पादक क्षेत्र	भारतीय मानक की सं. और वर्ष	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1		देशी पटसन की सुतली	आई.एस. 1913-1984	1990-07-16
2		सप्ट छेदों को बंद करने के लिए अस्पष्ट कोजिल इम्पान की प्लेट	आई.एस. 3155-1982	1990-05-16
3		सड़क के लिए बिटूमेन इम्पान (कृणायन टाइप)	आई.एस. 3117-1964	1989-01-16

4		गुम्फस कुडली बेस्टन रस्सी	आई एस 3626-1978	1990-05-16
5		दाब संवेदी चिपकने वाला कपड़े की टेप	आई एस 3687-1977	1990-07-16
6		अग्नि शमन हेतु यांत्रिक भाग उत्पन्न करने के लिए साग साम्र (योगिक) भाग 3 फ्लूरो प्रोटोन	आई एस 4989 (भाग 3)—1987	1990-04-16
7		केश तेल, टाइप 3	आई एस 7123-1973	1990-09-16
8		स्वचल द्रव चालित ब्रेक द्रव, हेवी ड्यूटी	आई एस 8654-1971	1988-07-16
9		ट्राइडोमार्क ई सी	आई एस 9656-1980	1985-05-01

[स के प्र वि 11 9]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES






(Department of Civil Supplies)





BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 17th January, 1991

S.O. 497.—In pursuance of Sub-rule (1) of the rule 9 of the Bureau of the Indian Standards Rules, 1987 the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the Standard Mark(s), for the Indian Standards given in the schedule :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and year of the Indian Standard	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		Country jute twine	IS : 1912—1984	1990-07-16
2.		Cold forged steel rivets for hot closing (6 to 16 mm dia)	IS : 2155—1982	1990-05-16
3.		Bitumen emulsion for roads (anionic type)	IS : 3117—1965	1989-01-16
4.		Locked/coil winding ropes	IS : 3626—1978	1990-05-16
5.		Pressure sensitives adhesives cloth tapes	IS : 3687—1977	1990-07-16

6.		Foam concentrate (compound) for producing mechanical foam for fire fighting, Part III Fluoroprotein foam	IS : 4989 (Part III)—1987	1990-04-16
7.		Hair oil, type 3	IS : 7123—1973	1990-09-16
8.		Automotive hydraulic break fluid, heavy duty	IS : 8654—1974	1988-07-16
9.		Tridemorph EC	IS : 9656—1980	1985-05-01

[No. CMD/13 : 9]

का.प्र. 498.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम G के उपविनियम (J) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एमद-द्वारा नीचे अनुसूची में दिए गए उत्पादों का मूल्यांकन फीस अधिसूचित करता है:

अनुसूची					
क्र. सं.	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	इकाई	प्रति इकाई मूल्यांकन फीस	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	बेसी पटसन की सुतली	आई एस : 1912-1984	एक टन	रु. 10.00	1990-07-16
2.	भजन छेदों को बन्द करने के लिए / अनलम फॉर्जिन इस्पात की रिबेट	आई एस : 2155-1982	-बट्टी-	रु. 15.00	1990-05-16
3.	सड़क के लिए बिटूमेन इमलेशन (जहायन टाइप)	आई एस : 3117-1985	-बट्टी-	रु. 6.00 नोट : मूल्यांकन शुल्क की दर में परिवर्तन किया गया है जो दिनांक 1989-12-01 से लागू होगा। रु. 10.00 (इकाई—एक टन)	1989-01-16
4.	सूफिन कुंडली बेस्टन रस्सी	आई एस : 3626-1978	एक टन	1. रु. 50.00 पहली 300 2. रु. 25.00 शेष	1990-05-16
5.	वाहन संबंधी जपकने वाली कपड़ा टेप	आई एस : 3687-1977	100 रोल	रु. 4.00	1990-07-16
6.	अग्नि शमन के लिए यांत्रिक भाग , उत्पादन करने हेतु भाग सांद्र (योगिक) भाग 3 फ्लोरो प्रोटीन भाग	आई एस : 4989 (भाग 3)-1987	एक लिटर	रु. 0.12 पहली 100000 रु. 0.08 शेष	1990-04-16
7.	केच तेल, टाइप 3	आई एस : 7123-1973	100 लिटर	रु. 0.60 पहली 1000 रु. 0.30 शेष	1990-09-16
8.	स्वचालन द्रव चालित ब्रेक द्रव, हैवी ड्यूटी	आई एस : 8654-1974	1 लिटर	रु. 0.05 नोट : मूल्यांकन शुल्क की दर में परिवर्तन किया गया है जो दिनांक 1989-07-01 से लागू होगा। 1. रु. 50.00 पहली 1000 2. रु. 30.00 शेष (इकाई—1 किली)	1988-07-16
9.	ट्राइडोमॉर्फ	आई एस 9656-1980	100 लिटर	रु. 50.00 पहली 100 रु. 20.00 नोट : मूल्यांकन शुल्क की दर में परिवर्तन किया गया है जो दिनांक 1989-03-01 से लागू होगा। 1. रु. 20.00 पहली 1000 2. रु. 15.00 शेष (इकाई—100 लिटर)	1985-05-01

[सं. के.प्र.वि. /13 : 10]

S.O. 498.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 6 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the marking fee(s) for the products given in the schedule:

SCHEDULE

Sl. Product/Class of Product No.	No. and year of Indian Standard	Unit	Marking fees per unit	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. Country jute twine	IS : 1912—1984	One Tonne	Rs. 10.00	1990-07-16
2. Cold forged steel rivets for hot closing (6 to 16mm dia)	IS : 2155—1982	-do-	Rs. 15.00	1990-05-16
3. Bitumen emulsion for roads (anionic type)	IS : 3117—1965	-do-	Rs 6.00 NOTE : Rate of marking fee has since been revised as under w.e.f. 1989-02-01 : Rs. 10.00 (Unit—One Tonne)	1989-05-16
4. Locked coil winding ropes	IS : 3626—1978	-do-	(i) Rs. 50.00 First 300 (ii) Rs. 25.00 Remaining	1990-05-16
5. Pressure sensitive adhesives cloth tapes	IS : 3687—1977	100 Rolls	Rs 4.00	1990-07-16
6. Foam concentrate (compound) for producing mechanical foam for fire fighting, Part III Fluoroprotein foam	IS : 4989 (Part III) 1987	One Litre	Rs. 0.12 First 100000 Re 0.08 Remaining	1990-04-16
7. Hair oil, Type 3	IS : 7123—1973	100 Litres	Re 0.60 First 1000 Re 0.30 Remaining	1990-09-16
8. Automotive hydraulic break fluid, heavy duty	IS : 8654—1974	1 Litre	Re 05 NOTE : Rate of marking fee has since been revised as under w.e.f. 1989-07-01 : (i) Rs 50.00 First 1000 (ii) Rs 30.00 Remaining (Unit —1 K.L.)	1988-07-16
9. Tridemorph EC	IS : 9656—1980	100 l	Rs 50.00 First 100 Rs 20.00 Remaining NOTE : Rate of marking fee has since been revised as under w.e.f. 1989-03-01 : (i) Rs 20.00 First 1000 units (ii) Rs. 15.00 Remaining (Unit—100 litres)	1985-05-01

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1991

बि. आ. 499--भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 6 के उपविनियम (3) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा नीचे अनुसूच में दिए गए उत्पादों की मुहरांकन फीस अधिसूचित करता है।

अनुसूची

क्र.सं.	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	इकाई	प्रति इकाई मुहरांकन फी.	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	1000 बो और 1200 बो डी सी के लिए केन्द्रीय स्विच (नियंत्रण और सहायक परिपथ हेतु स्विचिंग युक्ति) सम्पर्क करने वाली रिले सहित)	आईएस: 9375 (भाग 1) एक नमूना -1973	एक नमूना	रु. 0.50	1989-08-16
2	लिथियम सोप ग्रैज, नियमित टाइप, ग्रैड-1	आईएस 7633-1985	एक किग्रा	2 पैसे टिप्पणी - मुहरांकन शुल्क में परिवर्तन किया गया है जो दिनांक 1989-04-01 से लागू होगा। रु = 0.03 मी सन्नी (इकाई = 1 किग्रा)	1985-03-01
3	पॉलीएस्टर मिश्रित सूटिंग :- बाजार किस्म	आईएस. 9517-1986	100 वर्ग मी	रु. 6.50 पहले 1000 रु. 5.00 अगले 2000 रु. 2.50 शेष	1990-07-01
4	सौर्य प्रसाधन उद्योग हेतु स्टीयरिक अम्ल	आईएस 9681-1980	एक टन	रु. 20.00 पहले 500 रु. 10.00 अगले 500 रु. 5.00 शेष टिप्पणी -- मुहरांकन शुल्क में परिवर्तन किया गया है जो दिनांक 1989-06-01 से लागू होगा। रु. 30.00 पहले 300 रु. 20.00 शेष (इकाई = एक टन)	1985-07-16
5	जिराफ का कोलोयडी निर्लंबन	आईएस: 11010-1984	100 लि.	रु. 10.00	1989-09-01
6	कृषि प्रयोजनों हेतु बीजल इंजन सेट पम्प	आईएस: 11501-1986	एक पम्प	रु. 10.00	1990-06-16
7	औद्योगिक प्रयोजनों हेतु हल्की ब्यूटी मिलाई मशीन की सामान्य अपेक्षाएं	आईएस. 12109-1987	एक मशीन हैड	रु. 1.50 पहले 1000 रु. 1.00 शेष	1990-06-01
8	मैनहोल के पूर्व वाले कंक्रीट के ढक्कन	आईएस: 12592 (भाग 1) एक टन -1988	एक टन	रु. 5.00	1990-07-16

[सं. के.प्र.वि./13-10]

New Delhi, the 21st January, 1991









S.O. 499.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 6 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies the marking fee(s) for the products given in the schedule:

SCHEDULE

Sl. Product/Class of Product No.	No. and year of Indian Standard	Unit	Marking fee per unit	Date of Effect
1. Central switches (switching devices for central and auxiliary circuits including contactor relays) upto and including 1000 V and 1200V dc Part 1 General requirements and tests	IS : 6875 (Part I)—1973	One Piece	Re. 0.50	1989-08-16
2. Lithium soap greases, Regular Type , Grade 2	IS : 7623—1985	One Kg	2 Paise Note : Rate of marking fee has been revised as under w.e.f. 1989-04-01 : Re. 0.03 All (Unit=1 Kg)	1985-03-01
3. Polyester Blend Suitings—Market Varieties	IS : 9517—1986	100 Sq.m.	Rs. 6.50 First 1000 Rs. 5.00 Next 2000 Rs. 2.50 Remaining	1990-07-01
4. Stearic Acid for Cosmetic Industry	IS : 9681—1980	One Tonne	Rs. 20.00 First 500 Rs. 10.00 Next 500 Rs. 5.00 Remaining Note : Rate of marking fee has since been revised as under w.e.f. 1989-06-01 : Rs. 30.00 First 500 Rs. 20.00 Remaining (Unit : One Tonne)	1985-07-16
5. Ziram Colloidal Suspension	IS : 11010—1984	100l	Rs. 10.00	1989-09-01
6. Diesel Engine monoset pump suitable for agricultural purposes	IS : 11501—1986	One Pump	Rs. 10.00	1990-06-16
7. General requirements for light duty sewing machine heads for industrial use	IS : 12109—1987	One Machine Head	Rs. 1.50 First 10000 Rs. 1.00 Remaining	1990-06-01
8. Pre-Cast Concrete Manhole Covers	IS : 12592 (Part I)—1988	One Tonne	Rs. 5.00	1990-07-16

का आ. 500—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 9 के उपनियम (1) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिए गए भारतीय मानको संबंधी मानक मुहर के डिजाइन निर्धारित कर दिए गए हैं.

अनुसूची


क्र.सं.	मानक मुहर का डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	भारतीय मानक की सं. और वर्ष	सागु होने की ति. धि
1	2	3	4	5
1		1000 वोल्ट और 1200 वोल्ट डी सी के लिए केन्द्रीय स्विच (नियंत्रण हेतु स्विचिंग युक्तियाँ सहायक परिपथ संपर्क करने वाली रिले सहित)	आई एस : 6875 (भाग 1)—1973	1989-08-16
2		लिथियम सोप ग्रीज, नियमित टाइप ग्रेड 2	आई एस : 7623-1985	1985-03-01
3		पालीएस्टर मिश्रित सूर्य-बिजली किस्म	आई एस : 9517-1986	1990-07-01
4		सौरव्य प्रसाधन उद्योग हेतु स्टीयरिंग भ्रमल	आई एस : 9681-1980	1985-07-16
5		जिराम का कोलोयडी तिल बन	आई एस : 11010-1984	1989-09-01
6		कृषि प्रयोजन हेतु डीजल इंजन मोनोसेट	आई एस : 11501-1986	1990-06-16
7		औद्योगिक प्रयोजन हेतु हल्की ड्यूटी मिलाई मशीन की सामान्य अपेक्षाएं	आई एस : 12109-1967	1990-06-01
8		रेतहोल के पूर्व डले कंक्रीट के ढक्कन	आई एस : 12592 (भाग 1)—1988	1990-07-16








[सं. के प्र. वि. 13/9]

एस. सुब्रह्मण्यम, अपर महानिदेशक

S.O. 500.—In pursuance of Sub-rule (1) of the rule 9 of Bureau of the Indian Standards Rules 1987 the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the Standard Mark(s), for the Indian Standards given in the schedule:

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and year of the Indian Standard	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		Control switches (switching devices for control and auxiliary circuits including contactor relays) upto and including 1000V and 1200V dc Part I General requirements and tests	IS : 6875 (Part I)—1973	1989-08-16

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2.		Lithium soap greases, Regular Type, Grade 2	IS : 7623—1985	1985-03-01
3.		Polyester Blend Suitings— Market Varieties	IS : 9517—1986	1990-07-01
4.		Stearic Acid for Cosmetic Industry	IS : 9681—1980	1985-07-16
5.		Ziram Colloidal Suspension	IS : 11010—1984	1989-09-01
6.		Diesel Engine monoset pump suitable for agricultural purposes	IS : 11501—1986	1990-06-16
7.		General requirements for light duty sewing machine heads for industrial use	IS : 12109—1987	1990-06-01
8.		Pre-Cast Concrete Manhole Covers	IS : 12592 (Part 1)—1988	1990-07-16

[No. CMD/13 : 9]

S. SUBRAHMANYAN, Addl. Director General

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1991

का.आ. 501.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी. पी. डब्ल्यू. डी. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-91 को प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 21st January, 1991

S.O. 501.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of C.P.W.D. and their workmen, which was received by the Central Government on 18-1-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(239)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Central P.W.D. Hanuman Chowk, Balaghat, Executive Engineer, Food Storage Division, Central P.W.D. Raipur and their workman, Shri Jangli S/o Premal, represented through the President Bhartiya Loaknirman Mazdoor Sangh, Ward No. 14, District Balaghat (M.P.)

APPEARANCES :

For workman—Shri S. S. Shakarwar, Advocate.

For Management—None.

INDUSTRY : C.P.W.D.

DISTRICT : Balaghat (M.P.)

AWARD

Dated, the 4th January, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-42012/70/89-1R (DU) dated 30th October, 1989, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the Executive Engineer C.P.W.D. Raipur/Asstt. Engineer, C.P.W.D. Balaghat in terminating the services of Jangli S/o Premal, workman w.e.f. 5-2-1987 without giving any notice and retrenchment compensation was justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. In the instant case, the reference was registered as back as on 16-11-1989 and various opportunities were given to the management to file their written statement. It is only on one occasion i.e. on 2-3-1990 that Shri M. C. Basak appeared on behalf of the management, but thereafter on various proceedings nobody appeared on behalf of the management, hence this Tribunal proceeded ex parte against the management vide proceedings dated 17-12-1990 and evidence was recorded.

3. The case of the workman in brief is that he was employed with the management from 15-6-1985 at Bharweli, District Balaghat by the Assistant Engineer, C.P.W.D. at Balaghat after interview on 4-5-1986 through the Employment Exchange. The interview month and year appears to be wrongly typed. He joined his duties on 15-6-1985 and remained in service till 4-2-1987 on which date he was orally ordered by the Asstt. Engineer, C.P.W.D. Balaghat to stop from work since 5-2-1987. The workman has put in more than one year continuous service. No departmental enquiry was held against him. No retrenchment notice was given to him, nor the provisions of Section 25-F have been

complied with. Therefore, his termination order is illegal and he is entitled to be reinstated with all back wages and other monetary benefits and facilities to which he is entitled with effect from 5-2-1987.

4. Obviously the management did not file any written statement.

5. The workman has examined himself before this Court and proved documents EX. W/1 and EX. W/2. EX. W/1 is document showing that the workman was sent through the Employment Exchange for interview. EX. W/2 is the document showing that A.E. C.P.W.D. Balaghat had given appointment to the workman for the post of Waterman vide order dated 11-6-1985 and he joined his duties on 15-6-85 as deposed by him. He says that he worked for 429 days without any interruption i.e. upto 5-2-1987 as pleaded by him in para 2(c) of his statement of claim which fact is corroborated by him in his deposition. All this goes to show that he had worked upto 5-2-1987.

6. It follows that the workman was in more than one years service continuously. There is no evidence to show that he was removed from service by any departmental enquiry or he was retrenched by complying the provisions of Section 25-F of the I. D. Act. It follows that the workman is entitled to reinstatement with all back wages from 5-2-1987 onwards with all consequential benefits. Reference is answered as follows :—

That the action of the Executive Engineer, C.P.W.D. Raipur/Asstt. Engineer C.P.W.D., Balaghat in terminating the services of Sri Jangli S/o Premal, Waterman w.e.f. 5-2-1987 without giving any notice and retrenchment compensation was not justified. He is entitled to reinstatement with all back wages from 5-2-1987 and with all consequential benefits.

No order as to costs.

Award is made accordingly.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-42012/70/89-IR (DU) (Pt.)]

का. आ. 502 —औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रांग, 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गन कैरिज फैक्ट्री, जबलपुर के बंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. —In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 18-1-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)/(77)/1983

PARTIES :

Employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur (M.P.) and their workman Shri Laxman Prasad, Driver, T. No. 2368/NIE/CMD, D-11, Sadartal (Adhartal) In front of Power House, Saniay Nagar, Shastri Ward No. 6, Sadartal (Adhartal) Jabalpur (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman—Shri R. K. Jain.

For Management—Shri John Mohd.

INDUSTRY : Gun Carriage Factory—DISTRICT : Jabalpur (M.P.)

AWARD

Dated : January 4, 1991

This is a reference made by the Central Government Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012/15/86-D-II(B) Dated 22 July, 1988 for adjudication of the following dispute:—

“Whether the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur vide order dated 18-5-85 in removing the services of Shri Laxman Prasad, Driver, T. No. 2368/NIE, C.M.D. Gr. II, M.T.GCF, Jabalpur is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled to?”

2. Facts leading to this case are that the workman Shri Laxman Prasad, was working as Driver in the Gun Carriage Factory at Jabalpur since 1974. He was charge-sheeted for certain misconduct against him on 14-12-1982. After the enquiry the Disciplinary Authority vide order dated 18-5-1985 imposed the penalty of removal from service of the workman concerned. An appeal was preferred by him but the same was also dismissed vide order dated 19-6-1987. The charges against the workman were as follows :—

Article of Charge No. 1 :

“That the said Shri Laxman Prasad, CMD, T. No. 2368/NIE, MT Sec. GCF Jabalpur, during the month of September 1982, committed “Gross Misconduct-Manipulation of duty with ulterior motive.”

Article of Charge No. 2:

“That the said Shri Laxman Prasad, CMD, T. No. 2368/NIE, MT GCF, Jabalpur, during the month of September 1982, committed “Gross Misconduct-Attempted theft of Government Truck.”

Article of Charge No. 3:

“That the said Shri Laxman Prasad, CMD, T. No. 2368/NIE, MT GCF Jabalpur during the month of September 1982, committed “Gross Misconduct-Unbecoming of a Govt. Servant.”

Article of Charge No. 4:

“That the said Shri Laxman Prasad, CMD, T. No. 2368/NIE, MT GCF Jabalpur, during the month of September, 1982, committed “Gross Misconduct-Delection of duty.”

Article of Charge No. 5:

“That the said Shri Laxman Prasad, CMD, T. No. 2368/NIE, MT GCF Jabalpur, during the month of September, 1982, committed “Gross Misconduct-Fraudulently got the vehicle diary signed against the rules and regulations of the factory.”

The Charges no. 4 & 5 stood proved against him as per the departmental enquiry and he was removed from service as pointed out above on the basis of said charges.

3. According to the workman, all the charges were in continuity of the same charge and since first three charges could not be proved the remaining charges automatically stood disproved. The validity of the departmental enquiry is challenged on the following grounds :—

1. The workman was not given proper opportunity to see all the relevant documents and material witnesses were not examined.

2. Sufficient opportunity to adduce defence witnesses was not given to the workman. He had submitted a list of 10 witnesses out of which only four witnesses were permitted to be examined.

3. It appears that the management was bent upon to punish the workman on one ground or the other and therefore a vague charge-sheet was issued making false allegations against him. The workman was not guilty at all and the allegations made against him are false.

4. That apart, he has been held guilty on the basis of assumptions and presumptions.

5. The Enquiry Officer did not give any reason to disbelieve the evidence of the defence.

6. Finding is not based on the evidence on record and is perverse. The same is therefore liable to be set aside.

4. The workman has given certain facts to show that in fact he has been falsely implicated and made an scapegoat because 'Truck Bearing No. MBJ-5673 was found abandoned near Raddi Chowki at about 6.10 P.M. The management was not aware of the missing of the above vehicle, until they were informed by the police authorities Gohalpur. When this fact came out and spread over among the employees of the factory and public in general, the management authority had no other alternative but to make someone responsible and to make good they have chosen the workman as an scapegoat and to save the real culprit from the eyes of law. Since the management could not involve the workman in the above incident or to find out the real culprit they have decided to punish the workman concerned in this matter.

5. The order of removal from service is therefore liable to be set aside and the workman is entitled to reinstatement with full back wages and all consequential benefits. Even otherwise the punishment is excessive.

6. The management on its part has denied all the averments made by the workman as also the averments challenging the validity of the departmental enquiry.

7. According to the management the workman was given full opportunity. The workman was found guilty for Charge No. 4 and 5. Punishment is not excessive.

8. It is further contended that this Tribunal has no jurisdiction to entertain this petition because the Gun Carriage Factory is not an 'industry' within the meaning of Sec. 2(j) of the I. D. Act. Reference is, therefore, liable to be rejected.

9. My learned predecessor vide proceedings dated 2-3-1989 observed that the parties requested that arguments on all issues be heard at a time and therefore arguments were heard on all the issues and my findings are being recorded against them which are as follows :—

ISSUES

1. Whether the domestic/departmental enquiry is proper and legal?
2. Whether the punishment awarded is proper and legal?
3. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal ?
4. Whether the termination/action taken against the workman is justified on the facts of the case ?
5. Relief and costs?

FINDINGS WITH REASONS:

10. Issues No. 1 to 5.—Regarding the points raised by the management about the jurisdiction of this Tribunal that the Gun Carriage Factory is not an 'industry' within the meaning of I.D. Act, I must point out that as per the judgment of the Hon'ble Supreme Court in case of Bangalore Water Supply and Sewerage Board Vs. A. Rajappa (1978) 1ab. I.C. 467 it has been very clearly laid down that the defence establishment is very much an 'industry' within the meaning of Sec. 2(j) of the I.D. Act. The M.P. High Court in M.P. No. 1969/83 Rajendra Naidu Vs. Union of India and two others has also held that such type of industries are 'industries' within the

definition of the I. D. Act and obviously for this reason the Government of India has referred the dispute to this Tribunal. In a series of awards delivered by this Tribunal between the workmen of Vehicle Factory, Jabalpur and Gun Carriage Factory this Tribunal basing the above judgments of the Hon'ble Supreme Court and M.P. High Court, also held that these are the industries within the meaning of Sec. 2(j) of the I.D. Act and the workmen employed in that industries are 'workmen' under Sec. 2(s) of the I.D. Act. I, therefore, need not go into the details to discuss this point further and hold that the Gun Carriage Factory, Jabalpur is an 'industry' within the definition of Sec. 2(j) and the workman concerned is a 'workman' under Sec. 2(s) of the I.D. Act.

11. Now I shall take up all the Issues no. 1 to 5 together. Parties have led documentary evidence Ex. W/1 to Ex. W/5 and Ex. M/1. No oral evidence has been adduced by the parties.

12. So far the first point is concerned that the workman was not given proper opportunity to see all the relevant documents and that the material witnesses were not examined, it was for the workman to see that the material documents are produced and the witnesses are examined. If the prosecution not the material documents and examined the material witnesses the adverse inference could be drawn against the management and the finding could be accordingly given. Thus this is a question probing into the merits of the departmental enquiry to find out whether the findings are perverse. This cannot itself be a ground for setting aside the departmental enquiry. It can be a ground to find out whether the findings are perverse or not.

13. So far the question of not giving sufficient opportunity to adduce defence witnesses is concerned, the departmental enquiry papers are very clear on this point. Relevant part at page 57 of the D.E. papers (Ex. M/1) is as under:—

"The A.O. stated that remaining defence witnesses are not easily available inspite of best efforts therefore it is intimated that no further witnesses will be called. The evidence on behalf of the defendant is closed."

From this it is very clear that it was the delinquent himself who could not produce the demanding witnesses and made a statement that no further witnesses will be called. It is in these circumstances that defence evidence was closed. Thus it cannot be said that the workman was not given opportunity to lead defence witnesses.

13. No other material point was raised to challenge the validity of the departmental enquiry. There is nothing on record to show that the workman has been falsely implicated. If he was to be implicated on surmises and conjectures the first three charges could not have been held as not proved. That apart, it cannot be said that because the first three charges could not be proved the remaining charges automatically stood disproved. Charges cannot be said vague because they are very specific and clear when they are read with statement of imputations of misconduct.

14. I need not go into the details of papers of the departmental enquiry because nothing could be pointed out to me as to how findings are perverse or based on no evidence against the workman concerned. This Tribunal is not sitting as an Appellate Court. The Enquiry Officer after considering all the evidence adduced by both the parties has given finding which cannot be said to be perverse and therefore no interference is called for in the findings of the Enquiry Officer. It was incumbent upon the Enquiry Officer to believe the defence witnesses. He could well disbelieve the defence witnesses and believe the prosecution witnesses. It was well within his domain to give reasonable findings which cannot be interfered unless it is based on no evidence or the findings are perverse. Thus this Tribunal shall not sit as an Appellate Court to reappreciate the evidence on record to find out whether another view could be taken.

15. Once it is expressed that the findings are not perverse or it cannot be said that they are without any basis, no interference is called in the findings of the Enquiry Officer.

16. So far, the question of quantum of punishment is concerned, it is true that the punishment is a bit severe looking to the charges proved, but in the sensitive defence Depart-

ments when the national integrity is being attacked from various corners including foreign agencies I do not deem it fit to interfere in the quantum of punishment as well. My findings are, therefore, recorded as follows :—

1. The departmental enquiry is proper and legal.
2. The punishment awarded is proper and legal.
3. Question of management's entitlement to lead evidence before this Tribunal does not arise.
4. Termination/action taken against the workman is justified on the facts of the case.
5. Workman is not entitled to any relief. No order as to costs.

17. The reference is answered accordingly as follows:—

The management of Gun Carriage Factory, Jabalpur vide order dated 18-5-1985 in removing the services of Shri Laxman Prasad, Driver, T. No. 2368/N.I.E., C.M.D. Gr. II, MT G.C.F., Jabalpur is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-14012/15/86-D.II(B)(Pt.)]

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1991

का.आ. 503.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सब डिवीजनल आफिसर, टैलीग्राफम, चिपलून के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1 बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-1-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 24th January, 1991

S.O. 503.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1 Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.D.O. Telegraphs, Chiplun and their workmen, which was received by the Central Government on 22-1-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I AT BOMBAY

(Presiding Officer : Justice S. N. Khatri)

Reference No. CGIT 96 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sub-Divisional Officer, Telegraphs, Chiplun.

AND

THEIR WORKMEN

APPEARANCES :

For the Management—No appearance

For the Workman—No appearance

INDUSTRY : Telegraphs STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 17th day of January, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of Telecommunication Deptt. through Sub-Divisional Officer (Telegraphs), Chiplun, Dist. Ratnagiri in terminating the services of Shri Mahadev c. Humane, Casual Labour w.e.f. 1-9-89 is justified? If not, to what relief the said workman is entitled to?"

2. Both parties have remained absent today. The management have sent a letter dated 17-12-1990 that the Workman has been absorbed from July 1990. It appears he is no more interested in pursuing the reference. In the circumstances I dispose of the reference in default of both sides, without any orders as to merits or costs. Award accordingly.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. L-40012/48/90-IR(DU)(Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1991

का.आ. 504.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक, के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-1-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 24th January, 1991

S.O. 504.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-1-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 18 of 1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of India, Regional Manager, Region III, Garhwa Branch.

AND

Their workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri A. K. Gupta, Authorised Representative.

For the Workmen—Shri G. K. Verma, General Secretary, State Bank of India Employees' Union

STATE : Bihar

INDUSTRY : Banking.

Dated, the 14th January, 1991

AWARD

By Order No. L-12012/220/88-D III(A) dated the 18th February 1989 the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause

(d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the Bank management in not making permanent to Shri Shivnath Ram, temporary Waterboy-cum-Messenger employed in Garhwa Branch of State Bank of India is justified? If not to what relief the workman is entitled and from which date?"

2. The case of the management of State Bank of India (hereinafter referred to as Bank), Regional Manager, Region III, as disclosed in the written statement, details apart, is as follows:

The present reference for adjudication of the industrial dispute is not maintainable. Shivnath Ram, the concerned workman was intermittently engaged as temporary water-boy at Garhwa Branch of the Bank during the years 1981, 1982 and 1984 for 90 days, 83 days and 90 days respectively and thus he did not complete 240 days continuous service within the meaning of Section 25B of the Industrial Disputes Act, 1947 at any point of time. Anyway, keeping in view his past temporary engagement for the days mentioned above, he was given a chance for being considered for regular appointment in Bank's service and in the process he appeared before duly constituted interview committee on 28-9-85. The interview committee found him not suitable for appointment in Bank's service in messengersial position. The management of the Bank catered into a settlement dated 17-11-1987 with All India State Bank of India Staff Federation under Section 2(p) and 18(1) of the Industrial Disputes Act, 1947 read with Rule 58 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. In terms of the settlement an advertisement was made in the local news paper in the month of August, 1988 inviting application, in the proforma given in the advertisement, from persons who had worked in the Bank for certain periods as specified in the settlement. The concerned workman was separately advised to submit application for being considered for regular appointment in Bank's service although it was not necessary in his case as he had also been given chance earlier. In pursuance of the aforesaid advertisement and separate communication, the concerned workman submitted an application dated 3-8-1989 to the management for being considered for permanent appointment in Bank's service. Thereafter he was directed to appear before Interview Committee on 12-8-89 at 10 a.m. at the Regional Office of the Bank, Region V, Ranchi alongwith the certificates as mentioned in the call letter on 4-9-89. He delivered a letter dated 4-8-89 and appeared before Interview Committee on 12-8-89 and the result of the interview is likely to come out in near future. In terms of the settlement mentioned above all the disputes raised by an affiliate of an Federation or an individual employee or anybody else shall be deemed to have been settled by virtue of the agreement and the parties to such dispute should report the agreement for being recorded by any authority or before such authority before whom the dispute may be pending and all such disputes should no longer subsist and be deemed to have been withdrawn. In the circumstances, the management has prayed that the present reference be answered in favour of the management by holding that the dispute has been settled in terms of the settlement and that there subsist no dispute.

3. The case of the concerned workman, as appearing from the written statement submitted by the General Secretary, State Bank of India Employees' Union (B.S.), Patna on his behalf, briefly stated as follows :

The concerned workman joined the service of the Bank at its Garhwa Branch of Palamau as Waterboy-cum-messenger, a post in subordinate cadre on 30-3-1974 after formal interview by the Branch Manager, Garhwa Branch is housed in 3 storied building and the concerned workman was/is required to work full day to fetch drinking water for use by staff and also for filling room coolers at all the three floors from the distance of 1/2 K.M. besides performing other usual duties of class IV staff. The Bank paid him a paltry sum of Rs. 100 per month as wages from 1-4-74 to 31-7-82 and has been paying a sum of Rs. 250

per month from 1-8-82. But the Branch Manager has been routing the payment of his wages through local Implementation Committee of the Branch which runs staff Canteen by debit to Bank's Staff Welfare Account. The Staff Canteen run by Staff Welfare Fund which is created by the Central Board of the Bank by transfer of funds from Annual Profits which is declared to be appropriated to the Bank but it is earmarked for providing certain amenities to the staff and carrying out other welfare activities for the employees of the Bank as a whole. During the aforesaid period the Bank has paid full time wage-scale of subordinate cadre to him on the following days :

From 1-6-80 to 31-8-80	.. 92 days
From April '81 to September '81	.. 90 days
From January, '82 to March '82	.. 88 days
From September '84 to Dec. '84	.. 90 days
Total	360 days

Notwithstanding the payment of meagre wages through Local Implementation Committee or directly through Branch establishment he has been performing the usual duties of subordinate cadre messengers. Out of five sanctioned posts of subordinate staff at Garhwa Branch only two subordinate cadre staff work as Messengers whereas the banking work is performed on all the floors of the Branch building which necessitates performance of full day's messengersial duties by him. As per definition given in para 508 of the Sixth Award, he cannot be legitimately treated as a temporary employee and therefore the management should have absorbed him in permanent service of the Bank after expiry of 9 months' continuous service after initial appointment. According to the Bank's scheme for absorption of temporary subordinate cadre employees in permanent employment in terms of the Bank's Circular No. 247 of 1966, he was asked by the management to appear at the interview on 28-9-1987 for absorption in permanent cadre, but the result of that interview has never been communicated to him and he continued to remain working at the Bank on meagre wage of Rs. 250 per month. The management revealed for the first time before the Asstt. Labour Commissioner (C), Ranchi, during conciliation proceeding that the concerned workman was not found suitable for absorption in permanent employment because he was illiterate and was unable to read Hindi. The above allegation was not correct and was denied by his representative. He passed Class VIII Standard and fulfills educational eligibility criteria for appointment and/or absorption in permanent service of subordinate cadre of the Bank. He had also submitted the certified copy of his educational qualification. No enquiry was held and no opportunity was given to him to explain his position regarding management's alleged ground for not absorbing him in permanent service of the Bank. The stand of the management of the Bank in not absorbing him as permanent workman is illegal, unjustified and smack of anti-labour practice. Hence, the union has prayed that the action of the Bank in not making him permanent in the post of Waterboy-cum-messenger in Garhwa Branch and not paying him proper wages be held to be unjustified.

4. In rejoinder to the written statement of the sponsoring union, the management has submitted that there subsists no industrial dispute and the concerned workman having already taken advantage of the settlement dated 17-11-1987 by appearing in the interview on 12-8-89 for consideration of appointment in permanent capacity as subordinate employee cannot be permitted to resile from the said agreement. The management has also denied that he joined service of the Bank at Garhwa as Waterman-cum-messenger on 30-4-74. He was/is not required to work as messenger either for a part of the day or full day as alleged except when he worked as a purely temporary messenger/waterman in 1980 for 92 days on half salary and in 1981, 1982 and 1984 for 90 days 88 days and 90 respectively on full salary. Even then he never worked for 240 days continuously within the meaning of Section 25B of the Industrial Disputes Act. It has been denied that the management has been routing the payment of wages to the concerned workman through Local Implementation Committee at the Branch.

Canteen Boys appointed by the Local Implementation Committee are not workmen of the Bank within the Sec. 2(s) of the Industrial Disputes Act. It is admitted that the concerned workman had worked from 1-6-80 to 30-8-80 on half salary and allowances and during the years 1981, 1982 and 1984 for 90 days, 88 days and 90 days on full salary and allowance. His engagements were in temporary capacity against casual and leave vacancy. Since he did not work as messenger except for the days mentioned above there is no question of payment to him according to the scale. There are ten subordinate staff at the Branch out of which six are messengers, one is sweeper and three are guards and the concerned workman was never required to work as messenger except for the days mentioned above. Since the concerned workman was engaged in purely temporary capacity against leave/casual vacancy, the provisions of para 508 of Sastry Award are not applicable. The provisions of Circular No. 247 of 1966 is not also attracted in his case. The Bank issued clear instruction by Circular Per 131 of 1976 placing embargo on temporary appointment in medium size branch. Garhwa is a medium size branch and hence the Branch Manager did not have any power or authority to appoint any person as temporary employee after issuance of that circular. The concerned workman was unsuccessful in the interview held on 28-9-85 and there is no provision for giving any communication of the result of the interview to the unsuccessful candidate in terms of Circular Per 77 of 1984. The certificate submitted by him is not genuine. As a matter of fact the certificate submitted by him was not issued by the School.

5. In rejoinder to the written statement of the management, the union has stated that the interview held on 28-9-85 was not for appointment but for absorption into permanent cadre. This position was accepted by the Bank before Asstt. Labour Commissioner (Central), Ranchi during the conciliation proceeding. The contention of the management that the Interview Committee found the concerned workman not suitable for messenegril job in subordinate cadre is not correct as he was all along doing the job. The settlement referred to by the management was not made in presence of the Conciliation Officer nor was it made with the union which represents the concerned workman. The Bipartite settlement between the management and one of the unions is not binding upon the members of other union. The management persuaded him to appear at an interview for appointment in the subordinate cadre on 12-8-1989 and that by itself is indicative of the fact that finding him unsuitable for the job at the earlier interview on 28-9-1985 was not justified.

6. The management of the Bank, in order to justify its action, has examined five witnesses, namely, MW-1 A. K. Sinha, MW-2 Narain Hembram, MW-3 Balbadra Misra, MW-4 Abdesb Pandey and MW-5 P. K. Jha and laid in evidence a mass of documents which have been marked Exts. M-1 to M-30.

On the other hand, the sponsoring union, State Bank of India Employees Union (B.S.), Patna, has examined four witnesses, namely, WW-1 Ram Deo Ram, WW-2 J. C. Ray, WW-3 Arjun Prasad Shukul and WW-4 Shiv Nath Ram, the concerned workman and laid in evidence a mass of documents which have been marked Exts. W-1 to W-15.

7. The management of the Bank submitted its written statement before this Tribunal on 21-8-89. In the written statement the management of the Bank asserted that during the years 1981, 1982 and 1984 Shivanth Ram, the concerned workman was intermittently engaged as temporary waterboy at Garhwa Branch of the Bank for 90 days, 88 days and 90 days respectively and thus he did not complete 240 days continuous service within the meaning of Section 25-B of the Industrial Disputes Act. The sponsoring union submitted its written statement on 25-8-1989 and emphatically stated that the concerned workman joined the service of the Bank at Garhwa Branch in Palamou district as a waterman-cum-messenger, a post in subordinate cadre on 30-3-74 after a formal interview by the Branch Manager and that he was paid a paltry sum of Rs. 100 per month as wages from 1-4-74 to 30-7-82 and is being paid a sum of Rs. 250 per month since August, 1982. It has been alleged by the union that the Branch Manager of the Bank has been routing payment of wage to

the concerned workman through Local Implementation Committee of the Branch which runs Staff Canteen by debit to Bank's Staff Welfare Account. The union has further asserted that the concerned workman was paid full time wage scale of subordinate cadre for 92 days, 90 days, 88 days and 90 days aggregating to 360 days in 1980, 1981, 1982 and 1984 respectively.

It appears that the management of the Bank became wiser after submission of written statement of the sponsoring union on behalf of the concerned workman and shifted its position by admitting in its rejoinder submitted on 26-12-89 that the concerned workman worked purely as a temporary messenger-waterman for 92 days in 1980 on half salary and 90 days, 88 days and 90 days in 1981, 1982 and 1984 on full salary. Thus, the management admitted in its pleading that the concerned workman worked for the Bank as temporary messenger-cum-waterman on temporary basis and that he worked for 92 days in 1980 on half salary and 90 days, 88 days and 90 days on full salary in 1981, 1982 and 1984 respectively.

8. In answering to the specific plea of the sponsoring union that the Branch Manager of the Bank was routing payment of wages to the concerned workman through Local Implementation Committee of the Bank which runs Staff Canteen by debit to Bank's Staff Welfare Account, the management has denied this fact and stated that Local Implementation Committee of Garhwa Branch of which the concerned workman is allegedly an employee is an independent and voluntary body. Thus, it appears that the management is not sure of the position as to whether the concerned workman was an employee of Local Implementation Committee of Garhwa Branch. The Bank has produced Books maintained by Local Implementation Committee (Exts. M-29 series) and it appears from these books that the concerned workman was paid at the rate of Rs. 100 per month. It also appears that during 1989 (Exts. W-2 to W-6) the concerned workman had delivered daks. The Bank also produced some slips showing payment of coolie charges to the concerned workman during 1989 and suggested to him that while working as coolie he was required to deliver daks. The concerned workman has stated that he was appointed in the service of the Bank at Garhwa Branch as Messenger-cum-Waterboy on 30-3-1974 and that Sri U. S. Verma, the then Branch Manager of the Bank interviewed him before appointment and since then he has been working continuously in the Garhwa Branch and he is required to perform the duties of serving water to the officers, to fill the cooler with water, to bring out ledgers and registers from the almirah and to replace the same and to distribute local letters. He has asserted that he never worked as Canteen Boy since there exists no canteen at the Branch from the date of his appointment till date. He has further stated that from April, 1974 to July, 1982 he received payment at the rate of Rs. 100 per month and from August, 1982 till date he has been receiving salary from the Bank at the rate of Rs. 250 per month. In addition, he was paid half of the scale wage for the messenger for 92 days in 1980, 88 days in 1982 and 90 days in 1984. The then Branch Manager has not been examined by the Bank to disprove the fact of his appointment as messenger-cum-waterboy on 30th March, 1974.

It has been submitted by Shri A. K. Gupta, authorised representative of the Bank that the Branch Manager had no power to appoint any workman in subordinate cadre temporarily. But Shri Gupta has failed to buttress his contention by any documentary evidence. WW-2 J. C. Ray has stated that whenever he had any occasion to visit Garhwa Branch, he has seen the concerned workman working there as messenger-cum-peon. WW-1 Ram Deo Ram was earlier working as Havildar in Garhwa Branch of the Bank. He has stated that the concerned workman who was appointed on 30-3-74, is known to him and that he was appointed by Shri U. S. Verma, the then Branch Manager of the Bank after interview. He has also stated that in the course of performance of duty the concerned workman was required to carry daks to various places and supply ledgers to the clerks concerned and in the process he had to work upto 10 P.M. at night till the Branch Manager rose for the day. His testimony also indicates that the concerned workman used to get Rs. 100 per month as wages and subsequently his wage was increased to Rs. 250 per month.

The management of the Bank had written to the A.L.C.(C), Ranchi on 9-2-88 that the concerned workman had worked as temporary messenger-cum-waterboy against leave vacancy for an aggregate period of 268 days at Garhwa Branch from time to time (Ext. W-7). Thus, there is a clear admission in this letter that the concerned workman worked as temporary messenger-cum-waterboy in Garhwa Branch. But the period of his working for 268 days at Garhwa Branch is obviously mis-statement of fact since the Bank has admitted in its rejoinder that he worked for 360 days in the Branch.

9. In consideration of these evidence on record, I am constrained to hold that the concerned workman has worked as a temporary messenger-cum-waterboy and even on the showing of the management, he worked for 90 days or more during the year 1980 on half salary and 1981, and 1984 on full salary and 88 days in 1982 on full salary.

10. The Bank by circular dated 17-5-84 (Ext. M-8) decided to absorb temporary employees and laid down certain criteria which included amongst others, that such temporary employees must have worked atleast for a period of 90 days in twelve calendar months in the Bank and should be a non-matriculate but should have passed Class VIII Standard. In the process of absorption the procedure to hold interview remain unchanged. Presumably on the basis of this circular, the management held an interview on 28-9-85. The contention of the Bank is that the interview was held for regular appointment in Bank's service while the union has contended that the interview was held for absorption into permanent cadre. The letter of the Bank dated 9-2-88 to the A.L.C. (C), Ranchi (Ext. W-7) discloses that the interview was held for absorption of temporary employee in permanent cadre and so the contention of the management that the interview was held for regular appointment is not sustainable. Even so the union has complained that the result of the interview was never intimated to the concerned workman. But the Bank has stated in its written statement that in the interview the concerned workman was not found suitable for appointment in Bank's service in messengerial position. No document has been produced by the Bank to show that the result of the interview was intimated to the concerned workman in writing. In the rejoinder the Bank has taken the position that there is no provision for giving any communication to the unsuccessful candidate in terms of circular Per. 77/84. Even then it was suggested to the concerned workman by the Bank at the time of hearing that the result of interview was communicated to him verbally. Anyway, the fact remains that the Bank by letter dated 9-2-88 (Ext. W-7) intimated the A.L.C. (C) Ranchi that the concerned workman was not found suitable in comparison with other successful candidates for the post of messenger-cum-waterboy in the Bank.

11. In order to stall the claim of the concerned workman for absorption in permanent subordinate cadre the management has endeavoured to highlight the fact that he tried to sneak into the service on permanent basis by producing a false certificate (Ext. M-15) along with his application dated 5-9-85 (Ex. M-1). The alleged certificate was issued by the Head Master of Rajakiya Madhya Vidyalaya, Peska, Palamou. MW-3 Balbhadra Misra, Head Master of the School as a witness for the management has denied to have issued the certificate in question. But the question is whether the concerned workman furnished this certificate alongwith his application marked Ext. M-1. The concerned workman has stubbornly denied this fact while witness for the management, namely, MW-1 A. K. Sinha has asserted that the concerned workman submitted this certificate alongwith his application. But this witness could not explain the position as to how the Bank management allowed the concerned workman to appear in the interview on the basis of fabricated and false certificate. There is no allegation in the pleading of the management that the concerned workman is guilty of using false certificate. The concerned workman has produced his educational certificate granted by the Head Master, Harijan Middle School, Garhwa (Ext. W-1). This certificate discloses the fact that the date of birth of the concerned workman as entered into Admission Register was 7-2-68, date of admission as 8-11-77 and the concerned workman was reading in Class VIII when he left the school. The Head Master of the School has been examined as WW-3 Arjun Prasad Shukul. He has asserted that he granted the certificate to the concerned workman and that he passed Class VIII Standard. The record of the Employment Exchange, Daltonganj discloses the academic qua-

lification of the concerned workman as passed Class VII Standard and date of birth as 7-2-64 (Ext. M-26). His date of birth as recorded in the Employment Exchange is obviously wrong because in both the certificates as provided by the management and the concerned workman, his date of birth, as recorded, as 7-2-62. There is no evidence on record that the concerned workman personally recorded his academic qualification and date of birth in the Employment Exchange. Considering all these facts and circumstances and evidence on record I do not consider that the concerned workman tried to sneak into the service of the Bank on permanent basis by using a false and fabricated certificate.

12. It appears that the Bank entered into a settlement dated 17-11-87 with the All India State Bank of India Staff Federation (Ext. M-2). In terms of the settlement the management of the Bank was to offer chance to the temporary employees for permanent appointment in the Bank's service provided they fulfil certain criteria. Following this settlement the Bank gave opportunity to the concerned workman to appear in interview held on 12-8-89. The result of the interview has not yet been published. Anyway, the provision of the settlement envisages that all the disputes raised by an affiliate of the Federation or an individual employee or anybody else in regard to the matter covered by the settlement shall be deemed to have been settled by virtue of the agreement.

Shri A. K. Gupta, authorised representative of the Bank has contended that this settlement is binding on the concerned workman since the settlement has been made in terms of Section 18(3), (b), (c) and (d) and the concerned workman accepted the settlement and appeared in the interview.

On the other hand, Shri G. K. Verma, General Secretary of the sponsoring union, State Bank of India Employees Union (B.S.), has contended that the settlement is not binding on the union as it is not a party to it and the settlement has not been effected as per provision of Section 18(3)(b), (c) and (d). There is nothing on evidence to indicate that the settlement was arrived at in the course of conciliation proceeding; it is a settlement arrived at by agreement between the employer and the All India State Bank of India Staff Federation otherwise than in the course of conciliation proceeding. Such settlement is binding only on the parties to the agreement and it is not binding on the parties who are not the parties to the settlement. Hence, the settlement dated 17-11-87 arrived at between the management of the Bank and All India State Bank of India Staff Federation is not binding on the members of State Bank of India Employees Union of which the concerned workman is a member. It cannot be said that the concerned workman has accepted the settlement by offering himself in the interview because the employer offered him a chance in terms of the settlement and he availed himself of that opportunity.

13. Anyway, temporary employees of the Bank are entitled to be absorbed in permanent cadre subject to his selection in a particular post by interview. The concerned workman has worked long in the service of the Bank, as a member of subordinate cadre on temporary basis. He has fulfilled the criteria for consideration of his absorption in permanent cadre. He is a member of Harijan community, considered to be a weaker section of the society. In the context of facts and circumstances, it is desirable that the management of the Bank should give him opportunity for absorption in permanent cadre, if not otherwise barred.

14. Accordingly, the following award is rendered—The management of the Bank is directed to absorb Shvinnath Ram, the concerned workman in permanent subordinate cadre as Waterboy-cum-Messenger or in any other post in subordinate cadre, if not otherwise barred within three months from the date of publication of this award.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer
[No. L-12012/220/83-D.III (A)]

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1991

का.आ. 505 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय
सरकार विशाखापटनम पोर्ट ट्रस्ट, विशाखापटनम के प्रबन्ध-

तंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-1-91 को प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delh, the 7th February, 1991

S.O. 505.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam and their workmen, which was received by the Central Government on 23-1-1991.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri K. Taranadh, B.Com., B.L., Industrial Tribunal.

Dated, the 31st December, 1990

Industrial Dispute No. 48 of 1987

BETWEEN

The Workman of Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam.

AND

The Management of Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam.

APPEARANCES :

Sarvasri G. Eikshapathi, G. Vidyasagar, V. Vishwanatham and N. Vimesh Raj, Advocates—for the workman.

M/s. K. Srinavasa Murthy, G. Sudha and Usha Rani, Advocates—for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-34012/1/87-D.IV (A) dated 5-10-1987 referred the following dispute under Section 10(1)(d) (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employer in relation to the Management of Visakhapatnam Port Trust and their workman to this Tribunal for adjudication :

"Whether the demand of Port and Dock Employees Association (INTUC) Visakhapatnam for withdrawal of punishment inflicted by the management of Visakhapatnam Port Trust for reduction to lower rank for two years awarded to Sri N. Narsunhamurthy, CP Grade II in Traffic Department, V.P.T. is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 48 of 1987 and notices were issued to the parties.

2. The claim statement filed on behalf of the workman states that he was originally member of H.M.S. Union but in 1984 he joined the workmen Union with 150 members and working in the Railway Section of T.M. Department. The Management has not relished the action of the workmen in mass joining the Petitioner Union, hence they wanted to victimise him. He was on duty on 4-3-1984 during the night shift from 10.00 p.m. to 6.00 a.m. at the Dumper Yard and his duty was to give signal relating to sick wagons to the Assistant Station Master. He was awake throughout his duties and in fact he informed three sick wagons and no work affected by the workman's negligence etc. but to his utter surprise, he was put under suspension on 8-3-1984 alleging that he was found sleeping at 00.15 hours when some officers visited the duty spot. The charge sheet dated 26-4-1984 was issued and he submitted his explanation but later on, one A. V. Krishna Rao, Asst. Traffic Manager was appointed as Enquiry Officer and conducted the enquiry. His report is counter to the evidence on record. Thereafter a

show cause notice of removal was issued to the workman in fact he was removed by an order dated 6-2-1986 by the Traffic Manager. Aggrieved by the said order of punishment, the workman filed an appeal on 10-2-1986 to the Chairman. The Chairman by an order dated 30-4-1986 converted the punishment of removal to that of reversion to the lower rank for a period of two years. At the time of imposing of punishment, he was working as upgraded STJM (Shifting Jamedar) and by virtue of his reversion, he became coupling porter Gr. I and now he is undergoing the punishment. It was further alleged that the Management, though gave out only three witnesses in the charge sheet and ultimately when they found that the charges could not be established, they inducted a fourth witness. The Enquiry Officer was a contemporary of the complainant, say a man of the same cadre. The findings of the Enquiry Officer as well as the punishing authority are quite perverse and run counter to the evidence on record and evidently the cabin size is 4'x4'. It is impracticable for a person to sleep in the said cabin and requested that an Award be passed in favour of the workman.

3. A very lengthy counter was filed on behalf of the Management, running into eight pages. It was denied that the Management is in no way connected with the Union rivalries and there are three recognised unions and several unions, and the work force is nearly 10000 and hence there is no truth in the allegation that they got grudge against him for changing the union. It is true that he was posted on 4-3-1984 in III Shift from 0015 hours and his duties relate to giving signals to ASM regarding sick wagons and he was found sleeping while on duty, when his cabin was visited by the Area Controller and Assistant Yard Master, he was found sleeping after duly locking the door from inside and put off light and woke up after 15 minutes. He came out brushing his eyes and gave arrogant and irresponsible replies with defying words. Hence a charge sheet was issued and explanation was received and it was not satisfactory, the enquiry was ordered. Every opportunity was given to the workman to cross examine the witnesses. The Union Secretary appeared on his behalf and enquiry report was submitted, finally found him guilty of the charges framed against him. Then the Management issued a show cause notice. He was removed from service but preferred an appeal to the Chairman and the Chairman converted it to one of reversion. He was given very fair and reasonable opportunity to defend his case and all other allegations are not correct. It is mentioned that the Management initiated disciplinary action because of the misconduct and having gone through the material allegations on record, the punishment was given and the Chairman reduced it to one of reversion and the Management applied its mind and passed orders and fully justified and reverted.

4. Before proceeding further, it may be mentioned that by virtue of a Memo filed on 14-6-1989 before my learned predecessor the workman conceded that the enquiry was conducted in a fair manner and hence the matter was not heard about the validity of the domestic enquiry. It proceeded on the assumption that the enquiry was conducted validly. Later on, in view of the joint memo filed on behalf of the parties, a local inspection was also made at Visakhapatnam on 27-10-1990 at 10.00 A.M. The Inspection Notes was supplied to both the parties. Though no written objection was filed for the inspection notes, the learned Advocate for the Management at the time of final arguments, took objections for the observation of this Court in para 4. The observations read as follows :

"Both Cabins are provided with a small iron benches (which cannot be used as a sleeping bench). Its length being too small but one can comfortably sit".

The objection was taken by the learned counsel for the Management for the portion noted by this Tribunal; contending that "The Tribunal came to a conclusion". This Tribunal feels that the objection of the learned Advocate for the management is not proper. In the claim statement filed on behalf of the workman in para No. 5 he mentioned that the Cabin (goompty) is of the size of 4'x4' and it is impossible and impracticable to sleep in the said cabin. Ofcourse the counter filed by the Management was silent about this aspect, namely the description of the goompty Ex. M-4 are the proceedings of the domestic enquiry. The Management witness was cross examined and question No. 59 is as follows .

Q. 59 'For a person posted at Goompty what is the furniture provided to him ?

Ans. There is no furniture except a fixed iron bench having the dimension of roughly 4 feet x 2½ ft. whereon the telephone bell etc. equipment was provided on the bench.

This is the reply given by one Surya Narayana and he is the Management witness. Having all these things in mind and having seen the goomty and the furniture there only, the Tribunal made the above observation which were put in a bracket. The answer to question 5) clearly indicates that the observations are correct. Hence this Tribunal feels and holds that the objection of the learned Advocate for the Management is not justified in the circumstances.

5. It is also submitted at the time of arguments, that already the imposed punishment was over and after two years of reversion, again the workman was promoted and the decision of this dispute, if he succeeds will give him some monetary benefit. Infact the Management itself undoubtedly acted magnanimously and the orders of removal were converted into one of reversion to the lower post and that too, for a period of two years. Anyhow as the workman is fighting for this right, it is the duty of the Tribunal now to find out whether there are any grounds for the Management to come to a conclusion that the workman was infact guilty of the charges framed against him and whether the punishment imposed is also justifiable in the circumstances or whether it is too harsh in the circumstances.

6. The next aspect is, whether managements attitude will tantamount to victimisation etc. It is true that in the explanation submitted by the workman Ex. M-2 dated 4-5-1984 he did not whisper anything about this victimisation due to the change of Unions or Union rivalry, and the Management being prejudice against him. It came only in the stage of claim statement and by way of some suggestions to the Management witness at the time of domestic enquiry. Infact it was not even argued at the time of final hearing and hence this Tribunal is not attaching any importance to that aspect of the matter, and that allegation of victimisation by the Management are or prejudice of the Management cannot be believed at all.

7. Coming to the other aspect. It is the contention of the workman that there were seven sick wagons and informed the Assistant Station Master about four sick wagons, later on three sick wagons and no work was affected. If really he was sleeping, it will not be possible to report about the sick wagons. The learned Advocate for the Management placed strong reliance on the replies given by the Management witnesses at the time of domestic enquiry. He placed reliance on reply to Question No. 15 (Ex. M-4) by MW-1 MW-1 is one Kesava Rao, Area Controller (T.I.) and question No. 15 in Ex. M-4 is.

Have you contracted any TXR officials or OHC staff member to enquire as to whether any work suffered at the cost of the charged officer because of his non-alertness on duty ? During the shift in question ?

Ans. I have not enquired.

8. Likewise reliance was placed on question No. 40 (Ex. M-4) cross examination of MW-2 and the witness concerned was one S. Suryanarayana, C.P. Grade II (dated 5-12-1984) :

Q. Please state whether you have seen Mr. Narasimhamurthy (C.O.) while sleeping in the West Goomty during the day and time in question i.e. at the time of your presence at Goomty ?

Ans. I have not seen him.

Another question was No. 47 and It is very important.

Q. Please confirm whether switch controller for the light in the Goomty was under the operational control of the beetle operator ?

Ans. Yes, the beetle operator is the controller of the switch.

Thus it is clear that the operational control of the light is with beetle operator but not with this delinquent workman who

is C.P. Grade II in the Traffic Department. Hence the argument that lights were switched off and he was sleeping story becomes somewhat doubtful with the regard to Question No. 47.

9. Reliance was placed on Question No. 57 (Ex. M-4) with regard to description of goomty.

Q. What is the purpose of goomty ?

Ans. It is a small chamber made out of wood flanks and iron sheets duly providing with glass panels for observation of sick and in wagons placed on the dumper platform through beetle. A telephone bell was provided duly connecting up with ASM cabin in order to relay the information of sick wagons if at all detected by the person posted at the Goomty. The person posted at Goomty has to observe the sick wagon and immediately post information of his observation to the ASM.

10. Thus inview of the above replies, this Tribunal is somewhat doubting the stand of the Management.

11. Of course on the Management side, the learned Advocate placed reliance on Question Nos. 18 and 19 for the doubt of really the delinquent workman was sleeping, the work might have been stopped. The reply was "The stoppage of work synchronised with the sleeping of C.O. Hence the question of mentioning loss in work does not arise. Hence there is no mention of such loss due to mixing of wagons in the S-1." Reliance was also placed on Question No. 63 i.e. we cannot observe the Operator from outside. The reply was : There was two glass panels and North and South inside and hence he can be observed. Reliance was also placed on question No. 67. Of course these are in the chief examination, and this question relates to what happened to Satyanarayana A.V.M. the Management witness visited the scene. He stated the management version that the workman was found sleeping.

12. Reliance was placed on question No. 130 and the reply was that he focused torch etc. and found the workman sleeping. But as mentioned earlier in view of the reply to question No. 22 this appears to be somewhat improbable. Reliance was placed on Question No. 135. Ofcourse this is D.W.-1. One Venkata Suryanarayana and he stated that no quarrel like incident took place between the delinquent workman and officers who came on inspection during the time in question. He also denied that he was sleeping. The attention of this Tribunal was drawn to Question No. 139 was to the effect that the witness was very tightly engaged in the remote control room and hence he could not observe. But the next question No. 140 got some significance.

13. The question and answer read as follows :

Q. How could you observe an incident taken place by the side of your goomty which is not connected for you, when you are very busily and tightly engaged in discharging your duties ?

Ans. For a short while the tipping was stopped for much cleaning or some other things which I do not know correctly. During which occasion myself came out of my cabin and stood with the TXR personnel and Sri Narasimhamurthy. Meanwhile the Officers came and questioned us about our position. We have suitably replied. That's how, I could now about the incident.

14. Lastly reliance was place on Question No. 206 and this was put to Surya Prakash Rao, Fitter Grade I and this Question 206 was put by Investigating Officer himself.

Q. At the time of ATM (R)'s visit, what is the actual work you were performing ?

Ans. I was standing, because, tipping was just stopped.

15. So also about the question of putting off lights, DW-1 Venkata Suryanarayana Murthy Operator Grade II Mech accepted the liability. Question No. 153 proves this aspect and the question and reply is as follows :
pY

Q. Please clarify who put off the light of the West goompty and why?

Ans. Myself put off the light, so as to have better vision of the bottle cleanness. I put off the light inside the goompty, since the lighting from the goompty will cause disturbance in vicinity because of dazzling.

This was put in re-examination of D.W-1.

16. Reliance was placed on Exs. M-6 and M-7. Ex. M-6 is an Assistant Traffic Manager's complaint and only offensive question was by A.T.M. He replied in high tone and it is his will and pleasure to do so. The above attitude of N. Narasimhamurthy C.P.I. shows that how he is irresponsible and negligent on duty. Ex. M-7 is the statement of one S. Suryanarayana, C.P. Grade I (he is not one of the witness mentioned by Assistant Traffic Manager in Ex. M-6). In Ex. M-6 two witnesses were mentioned K. N. Kesava Rao and G. Satya Rao, A.T.M. But this Ex. M-7 is of one S. Suryanarayana and this high tone business which is to be found in Ex. M-6 is not there. In Ex. M-7 it reads as follows :

In Regional Language

17. Thus in view of all these things when D.W-1 categorically stated that he has put off the lights and when it was admitted that the lights cannot be put off by the Operator himself, when there was no stoppage of work and when tripping went on continuously with usual practice the A.T.M's. version appears to be somewhat unbelievable. Hence all these charges are not proved and the punishment imposed cannot be sustained.

18. Hence the demand of Port and Dock Employees Association (INTUC) Visakhapatnam for withdrawal of punishment inflicted by the Management of Visakhapatnam Port Trust for reduction to lower rank for two years awarded to Sri N. Narasimhamurthy, C.P. Grade II in Traffic Department, V.P.T. is justified setting aside the punishment imposed by the Management.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 31st day of December, 1990.

[No. L-34012/1/87-D.IV (A)]

SRI K. TARANADH. Presiding Officer

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses Examined

for the Management :

MW-1—A. V. Krishna Rao.

Witnesses Examined

for the Workmen .

NIL

Documents marked for the Management

Ex. M-1—Charge Sheet dated 13/26-4-84 issued to N. Narasimha Murthy by the Traffic Manager, Visakhapatnam Port Trust.

Ex. M-2—Explanation dated 4-5-84 submitted by N. Narasimha Murthy to the Traffic Manager, Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam.

Ex. M-3—Photostat copy of the order dated 3-7-84 appointing A. V. Krishna Rao as Enquiry Officer to conduct enquiry against N. Narasimha Murthy.

Ex. M-4—Enquiry Proceedings.

Ex. M-5—Enquiry report.

Ex. M-6 By consent—Complaint dated 4-3-84 of Asst. Traffic Manager against N. Narasimha Murthy.

Ex. M-7 By consent—Statement dated 4-3-84 of S. Suryanarayana in Telugu.

Documents marked for the Workmen

NIL

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1991

का.आ 506 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एयर इंडिया, मद्रास के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, तमिलनाडु, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-1-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 8th January, 1991

S.O. 506.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Tamil Nadu, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Air India, Madras and their workmen, which was received by the Central Government on the 25-1-91.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU
MADRAS

Monday, the 7th day of January, 1991

PRESENT :

Thiru M. Gopalaswamy, B.Sc., B.L.
Industrial Tribunal

Industrial Dispute No. 26 of 1989

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of Air India, Madras).

BETWEEN

The workmen represented by
The Regional Secretary,
Air Corporations Employees Union,
Air India, Meenambakkam Air Port,
Madras-600027.

AND

The Personnel Officer-SI,
Air India,
No. 19, Marhsall Road,
Egmore, Madras-600008.

REFERENCE :

Order No. L-11011/12/88-D.III(B), dated 9-3-1989,
Ministry of Labour, Govt. of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiruvallargal N. Krishnamurthy, V. V. Krishnamoorthy & T. P. Ramamurthy, Advocates appearing for the management upon perusing the reference, claim and counter statements and other connected papers on record and the workmen or their authorized representative being absent, this Tribunal passed the following

AWARD

This dispute between the workmen and the management of Air India, Madras arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-11011/12/88-D.III(B), dated 9-3-1989 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue:

"Whether the action of the management of Air India, Madras in imposing the punishment of reduction of pay by two stages on Shri C. Palayam and Shri A. R. Balasubramanian is justified. If not, what relief the workmen are entitled to?"

2 Parties were served with summons.

3. Petitioner-Union filed its claim statement on 5-5-1989 putting forth the claim of the workmen. In repudiation thereof, the management has filed their counter statement on 28-6-89.

4. In spite of several adjournments, the petitioner-Union or its authorized Representative did not appear before this Tribunal.

5. To-day also, when the dispute was taken up for enquiry, the Petitioner-Union or its Authorized Representative is called absent. The Management is represented by counsel.

6. Hence Industrial Dispute is dismissed for default.
Dated, this 7th day of January, 1991.

THIRU M. GOPALASWAMY, Presiding Officer
[No. L-11011/12/88-D.III(B)]

का.आ. 507 — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन एयरलाइन्स, बम्बई के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोक्तों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं.-1, बम्बई के पंचयट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-1-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 507.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 24-1-91.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. I AT BOMBAY

(PRESIDING OFFICER : JUSTICE S. N. KHATRI)

REFERENCE NO. CGIT-48 OF 1988

REFERENCE NO. CGIT-49 OF 1988

REFERENCE NO. CGIT-50 OF 1988

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Indian
Airlines, Bombay

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Management—Shri M. M. Verma, Advocate
Miss Anjali Seth, Advocate.

For the Workmen—Miss Vandana Herur, Advocate.

INDUSTRY : Airlines STATE : Maharashtra
Bombay, dated 16th January, 1991

AWARD

This Common Award governs three separate references made by the Central Government to this Tribunal under section 10 of the Industrial Disputes Act for adjudication, inasmuch as they involve more or less common questions of fact and law. They are as follows :

REFERENCE NO. CGIT-49 OF 1988

"Whether the action of the management of Indian Airlines, in relation to its establishment at Bombay in payment of subsistence allowance for the suspension period from 16-6-84 to 1-11-86 to Shri K. J. Verma, Loader at a reduced rate is justified. If not, what relief the workman is entitled to?"

REFERENCE NO. CGIT-49 OF 1988

"Whether the action of the management of Indian Airlines, in relation to its establishment at Bombay in payment of subsistence allowance for the suspension period from 16-6-84 to 26-2-85 to Shri K. A. Francis, Cook-Helper (Head Category) at a reduced rate is justified. If not, what relief the workman is entitled to?"

REFERENCE NO. CGIT-50 OF 1988

"Whether the action of the management of Indian Airlines, in relation to its establishment at Bombay in payment of subsistence allowance for the suspension period from 18-6-84 to 3-11-84 to Shri Nareshlal, Catering Asstt. at reduced rate is justified. If not, what relief the workman is entitled to?"

2. The material facts are that since before June, 1984 Nareshlal, K. A. Francis and R. J. Verma (collectively for short 'the Workmen') have been working under Indian Airlines (for short 'the Management') at the Bombay Airport as Catering Assistant, Cook Helper and Loader respectively. It appears that on the night of 17/18th June, 1984, a lady passenger who arrived at the airport by flight No. IC-184 from Delhi, lost her purse. Some porters at the Airport who were suspected of theft were taken by the Police to the Airport Police Station. Some members of the Commercial Staff, including the three Workmen, gathered before the Police Station in protest against the alleged ill-treatment of the suspects by the Police, and also struck work in sympathy with the porters. Workmen Verma and Nareshlal were put under suspension on 18th June, 1984 and Francis on 19th June, 1984. Disciplinary proceedings were also commenced against the three. The chargesheets against them are available at Ex. M-3 in the three cases. By separate letters (marked as Ex. M-2) their suspension was revoked with effect from 31st October, 1984 (Nareshlal), 26th February, 1985 (Francis) and 4th March, 1985 (Verma). After the domestic inquiries were over, the Commercial Manager by his separate letters dated 18th April, 1985 (Ex. M-4), imposed permanent reduction of basic pay of Nareshlal and Francis by one incremental slab effective from 1st May, 1985 and of Verma by three incremental slabs. In an appeal preferred by Verma, the punishment was reduced to reduction of pay by one incremental slab.

3. The present references, the text of which is available in the opening para of this Award, do not include any dispute relating to the validity of the imposition of the punishment. They only cover the aspect whether the subsistence allowance was paid to the Workmen during the periods of their suspension at reduced rates. It is therefore not necessary to recapitulate the allegations of the Workmen that the domestic enquiries have basically got vitiated by some serious breaches of the principles of natural justice. Concerning the limited disputes I am called upon to adjudicate, I may note that subsistence allowance was paid to the three Workmen at the rate of 50 per cent of their wages for the first 90 days of suspension and at the rate of 75 per cent for the balance. The Management purport to have done this under S.O. 21 of the Indian Airlines Standing Orders (Regulations) concerning discipline and appeals. For brevity these will thereafter be referred to 'Discipline Standing Orders'.

4. The Workmen submit that the Model Standing Orders as contained in Schedule I of the Industrial Employment (Standing Orders) Central Rules 1946 would govern the question under consideration and not the Discipline Standing Orders as contended by the Management. In particular, they rely on the third proviso to para 14(4)(c) of the Model Standing Orders which provides that where penalty of fine or stoppage of annual increment or reduction in rank is imposed, the Workman shall be deemed to have been on duty during the period of suspension and shall be entitled to the same wages as he would have received if he had not been placed under suspension, after deducting the subsistence allowance paid to him for such period. Accordingly they pray for a direction to the Management to pay them their full back wages for the period of suspension.

5. The Management affirm in their written statements that the Workmen are not entitled to be governed by the Model Standing Orders. They point out that the Corporation has framed Regulations under the power vested in them by section 45(2)(b) of the Air Corporations Act, 1953 (hereafter "1953 Act") As such the action taken by them is sought to be justified under para 33 of the Discipline Standing Orders framed under section 45(2)(b) *ibid*. The provision is :

"When an employee under suspension is acquitted honourably of all the charges against him, he shall receive full pay and allowance for the period under suspension in lieu of the subsistence allowance already paid

to him. When, however an employee under suspension is not honourably acquitted on any one or more charges or is given the benefit of doubt, the competent authority shall decide what pay and allowances if any, the employee shall receive in lieu of the subsistence allowance for the period of suspension."

6. The Management pray for rejection of the reference By consent of all the parties concerned, the three references were heard together. The parties have not led any oral evidence. By consent, all documents filed by them are exhibited. The two sides have also submitted their arguments in writing.

7. The main question that arises for decision is whether it is the Discipline Standing Orders or the Model Standing Orders that will govern grant of subsistence allowance to the three workmen. It is common ground that the National Industrial Tribunal, Lucknow presided by Justice Bind Basni Prasad of the Allahabad High Court has given an Award in 1958, directing the Corporation to prepare Standing Orders and get them certified under section 5 of the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 (hereafter, '1946 Act'). The Workmen have filed relevant extract of this Award at Ex W-2. The Tribunal has given a specific direction in this regard in para 245 of its Award, after discussing the question in detail in earlier paragraphs. It appears that in compliance with this direction, the Regional Labour Commissioner (Central) New Delhi initiated proceedings for certification under section 5 of the 1946 Act. The Corporation raised a preliminary objection, challenging his jurisdiction to proceed under section 5 on the ground that the Regulations made by the Corporation under section 45 of the 1953 Act, were having the force of law, and as such the Certifying Officer had no power to amend or modify the same. This objection was overruled by the Regional Labour Commissioner. His Order was upheld in appeal by the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi. Thereupon the Corporation challenged the decision of the Regional Labour Commissioner and the Chief Labour Commissioner by filing Writ-Petition No. 1271/83 under Article 226 of the Constitution in the Delhi High Court. A copy of this Writ-Petition is filed by the Management in C.G.I.T. Ref. No. 48/88 at Ex. M-6. Ex. M-7 is an ad-interim stay order dated 15th June, 1983, passed by a learned Single Judge of the Delhi High Court, whereby the operation of the orders passed by the two authorities was stayed. The Division Bench before which the matter was placed later, passed an order Ex. M-8 on 7-8-84 as follows :

"Interim orders passed earlier are made absolute till further orders. Liberty to the respondents/workmen to move for variation of the orders by giving full particulars of any benefit allegedly denied to the workmen."

8. Shri Verma, Learned Counsel for the Management, relies on these orders of the High Court for his submission that it is the Discipline Standing Orders that will govern the present Industrial Disputes, and not the Model Standing Orders. As against this, Kum Herur who appears for the Workmen contends that the Award of the Lucknow National Industrial Tribunal holding that it was incumbent on the Corporation to get the Standing Orders duly certified under the 1946 Act, is not challenged by the Corporation in the aforesaid Writ-Petition or in any other case. The aforesaid direction of the Tribunal thus stands intact. Her further Submission is that even assuming that Discipline Standing Orders have the effect of a statute, the same do not affect the operation of the provisions of the 1946 Act, which, being a special law, will over-ride the provisions of section 45 of the 1953 Act. Thus according to her, the Model Standing Orders will apply to the Workmen under section 12A of the 1946 Act, assuming the Certified Standing Orders have been stayed by the Delhi High Court. She finally relies on the third proviso to para 14(4)(c) of the Model Standing Orders for her claim for full wages for the period of suspension.

9. I reproduce below the whole of para 14(4)(c) for ready reference, with emphasis on the third proviso :

"If on the conclusion of the inquiry or, as the case may be, of the criminal proceedings, the Workman has been found guilty of the charges framed against him and it is considered after giving the Workman concerned a reasonable opportunity of making representation on the penalty proposed, that an order of dis-

missal or suspension or fine or stoppage of annual increment or reduction in rank would meet the ends of justice, the employer shall pass an order accordingly:

Provided that when an order of dismissal is passed under this clause, the workman shall be deemed to have been absent from duty during the period of suspension and shall not be entitled to any remuneration for such period, and the subsistence allowance already paid to him shall be recovered :

Provided further that where the period between the date on which the workman was suspended from duty pending the inquiry or investigation or trial and the date on which an order of suspension was passed under this clause exceeds four days, the workman shall be deemed to have been suspended only for four days or for such shorter period as is specified in the said order of suspension and for the remaining period he shall be entitled to the same wages as he would have received if he had not been placed under suspension, after deducting the subsistence allowance paid to him for such period :

Provided also that where an order imposing fine or stoppage of annual increment or reduction in rank is passed under this clause, the workman shall be deemed to have been on duty during the period of suspension and shall be entitled to the same wages as he would have received if he had not been placed under suspension, after deducting the subsistence allowance paid to him for such period :

Provided also that in the case of a workman to whom the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution apply, the provisions of that article shall be complied with."

10. I find considerable force in Kum. Herur's submissions. It will be seen from Ex. W-1 and the extracts of National Industrial Tribunal Award (Ex. W-2) that the Corporation and their Workmen had reached an agreement on 1st May, 1955 that the Standing Orders under the 1946 Act would be framed and that alterations and modifications would be done in accordance in the procedure laid down in that Act. The direction of the National Industrial Tribunal in its Award to the Corporation to go in for certification of Standing Orders under the 1946 Act, does not appear to have been challenged by the Corporation by taking proceedings in the High Court or the Supreme Court. There can be no quarrel with the proposition of the Corporation that the rules and regulations framed by it under section 45 of the 1953 Act have the force of a statute. However, this is not the real question that arises before me. The focal question before me is whether section 45 of 1953 Act overrides the 1946 Act or vice versa? A similar question in the context of 5.79(c) of the Electricity (Supply) Act, 1948, had arisen before the Supreme Court in 1983 LIC 1520 UP State Electricity Board Vs. Labour Court (I) UP Kanpur and in 1978 (2) LLJ 399 UP State Electricity Board Vs. Harishchandra Jain. The question was whether the regulations framed by UP Electricity Board under section 79(c) *ibid*, had overriding effect over the provisions of 1946 Act or vice versa. Here it may be noted that the provisions of section 79(c) of the aforesaid Act are *pari materia* with the provisions of section 45(2)(b) of the 1953 Act, relied upon by the Management in the present case. The apex court held that the 1946 Act is a special law in regard to the matters enumerated in the Schedule to that Act, and that the regulations made by the Electricity Board with respect to any of those matters under section 79(c) of the 1948 Act are of no effect, unless the regulations are either notified by the Government under section 13-B or are certified by the Certifying Officer under section 5 of 1946 Act. In my humble opinion the decision in Jain's case concludes the question before me. The argument was also advanced before the Supreme Court that the regulations made by the Electricity Board under section 79(c) of the 1948 Act had the force of Law and that they would over-ride the provisions of the 1946 Act. While accepting the proposition that those regulations had the force of law, the Court observed that was not the question to be decided, but the real question for decision was whether section 79(c) was a special Law, vis-a-vis the provisions of the 1946 Act.

On this question, the Court, after referring to the scheme and the objects of 1946 Act, ruled that this Act was a special law as to the matters enumerated in the Schedule and that section 79(c) of the 1948 Act was a general provision. Applying the ratio of the Supreme Court decisions, particularly in Jain's case, I hold that the provisions of 1946 Act including section 12-A will govern the present cases. The third proviso to para 14(4)(c) of the Model Standing Orders is in point. The Workmen are entitled to get full wages for their entire respective period of suspension, after deduction of the subsistence allowance already paid to them, and they will be treated as on duty during that period.

11. Even assuming that my aforesaid finding is wrong and that in fact the Discipline Standing Orders govern the present cases, I think that the workmen are entitled to get the aforesaid reliefs. The Management have filed a copy of these Standing Orders at Ex. M-5, on going through them, I find that under paragraphs 33 and 34, the Competent Authority has to decide what pay and allowances, if any, the employee shall receive in lieu of the subsistence allowance where he is not acquitted honourably on one or more charges or is given benefit of doubt, and also the further question as to what portion of the period of suspension for which pay and allowances are not authorised, shall be treated as period spent on duty. In the present case Competent Authority does not appear to have given any conscious decision on these vital aspects. Ex. M-4, letters which he issued to the three workmen on the conclusion of the enquiries are silent on these aspects. The Management have also not filed any documents to show that orders were passed in this regard subsequently. I must therefore proceed on the basis that no such orders have been passed. It will be seen that orders of suspension were revoked in case of all the three workmen before the actual termination of the disciplinary proceedings. Perhaps that is why the Competent Authority might have forgotten to make orders on these aspects. Considering the totality of facts and circumstances of the present cases, I think that all the three workmen are entitled to get full wages for their respective periods of suspension and be treated as on duty during those periods. The main reasons for this view are: As already stated above, the Management themselves thought it fit to revoke the suspension orders before the conclusion of the disciplinary proceedings. It is common ground that the Corporation had filed a suit in the High Court for damages against the workmen. Criminal complaints were also filed before the Metropolitan Magistrate. These proceedings were withdrawn by them, presumably in the interest of promotion of industrial peace. The charges which have been held proved against the workmen are not of serious nature. The incident of 17/18th June, 1984 was indeed unfortunate, in that the suspected porters of the Corporation had received rough treatment at the hands of the Police. This provoked their colleagues, including the workmen, to register their protest. More than six years have since passed away. I think the workmen have already been more than adequately punished. Thus even under paras 33 and 34 of the Discipline Standing Orders, the three workmen would be entitled to get their full wages for the period of suspension. Further the respective period of suspension would have to be treated as period on duty.

12. Here I have to make one clarification. The workmen have been proceeded against on charges which amount to misconduct under the Discipline Standing Orders. The question whether the allegations on which those charges are founded, amount to misconduct under the Model Standing Orders, or not, is not covered by the references. It was also not argued before me. It remains open for adjudication in future, if and when the occasion arises.

13. In the result I hold that the action of the Management of depriving the three workmen of their full wages for the period of their suspension is unjustified. The Management are directed to pay full wages to each of three workmen for the period of his suspension, which shall be treated as period of duty. The Management shall bear their own costs and also pay Rs. 1,500 by way of costs to each of three workmen. Award accordingly.

14. A copy of the Award will be kept in each case.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. L-11012/4, 5, 3/88-D.II(B)/D.III(B)]

S. C. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1991

का.प्रा. 508—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार रामनगोर कोलरी आफ मै. इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी, लि., के प्रबंधन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-1-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 25th January, 1991

S.O. 508.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ramnagore Colliery of M/s. Indian Iron and Steel Co. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 24-1-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 9/89

PRESENT :

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Ramnagore Colliery of M/s. Indian Iron and Steel Co. Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri P. K. Das, Advocate.

For the Workman—Shri B. N. Sharma, Joint General Secretary of Janta Mazdoor Sangh.

INDUSTRY : Coal.

STATE : West Bengal.

Dated, the 17th January, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(101)/88-D.IV(B) dated the 17th January, 1989.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Ramnagore Colliery of M/s. Indian Iron and Steel Co. Ltd., P.O. Kult, Distt. Burdwan in not accepting the resignation letter of Sri Ram Kishore Routh, Watchman in response to their advertisement and to give him the benefits under Voluntary Retirement Scheme, is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. The case of the workman Sri Ram Kishore Routh in brief is that he was a Watchman of Security Department of the Indian Iron and Steel Co. Ltd., at Ramnagore Colliery. He was a permanent hand and worked for about 19 years. While rendering service in the Company he took active part in trade union activities. Out of that grudge the management transferred him very frequently from one place to another and also did not give him the appropriate grade as per condition of J.B.C.C.I. He also applied for correction of his date of birth, but that was not considered by the management.

3. In the meantime the authority advertised a Voluntary Retirement Scheme in a local newspaper. The present workman Sri Ram Kishore Routh wanted to avail the benefits of that Voluntary Retirement Scheme and he submitted his resignation letter on 20-3-87 stating that he is prepared to avail the benefits under the Voluntary Retirement Scheme and on that basis he submitted his resignation. But subsequently when from reliable source he came to know that all the benefits offered by the management under the Voluntary Retirement Scheme were not provided to him and he was going to be deprived of all benefits, he withdrew his resignation before accepting of the same. Thus there was no existence of any resignation and he is continuing in service and entitled to get full wages and benefits from 8-5-87 (paras 8 and 9 of the written statement of the workman).

4. It is also submitted that by ignoring his conditional claim dated 20-3-87 his retirement under Voluntary Retirement Scheme was forcibly thrown on his head and his service was stopped w.e.f. 8-5-87 (para 13 of the written statement).

5. A dispute was raised before the A.L.C. Asansol. But the attempts of conciliation failed. So the matter went to the Ministry of Labour and ultimately the Ministry of Labour has referred this case to this Tribunal for adjudication.

6. The case of the management in brief is that the union has no locustandi to raise the present dispute as it has no representative character to sponsor the dispute. The union viz. Janta Mazdoor Sangh is not a functioning union at Ramnagore Colliery and the management has no knowledge about its existence. The said union never held any discussion or made any representation with the management with regard to any other matter concerning the claim of demand of any other workman of the colliery.

7. Sri Ram Kishore Routh was a Security Guard of Ramnagore Colliery. He submitted an application for Voluntary retirement under the V. R. Scheme No. 269 dated 12-11-86. The said application was submitted on 20-3-87 and the same was accepted on the same day and his prayer was given effect to w.e.f. 8-5-87 according to his prayer. Besides the formal application he did not submit any other application. The alleged subsequent application in a forged document which has been manufactured for the purpose of this case. It is false that the workman had withdrawn his resignation before acceptance of the same. The management has denied all the material averments of the written statement of the union.

8. In paras 5 and 6 of the written statement-cum-rejoinder of the management it has been stated that the present union Janta Mazdoor Sangh has no locustandi to raise the present dispute as it has no representative character to sponsor the dispute. It has also been stated that the management has no knowledge about the existence of that union at Ramnagore Colliery. By pointing out the said plea Sri P. K. Das the learned Lawyer for the management has urged before me that the union must prove that it has the representative character and the workman was a member of the said union.

In this case the workman has been examined as WW-1. It was suggested to him that he was not a member of the union and the union had no representative character to raise the dispute. He has denied the same. But he has stated that he has not brought any paper to show that he was a member of the union.

On 7-1-91 the management called for the following documents from the union :

1. Resolution Book of the Union
2. Documents showing that the relevant resolution for the dispute has been sent to the register of the Trade Union.
3. Membership register of Trade Union.
4. Documents showing that the list of members of the Managing Committee referred to above has been duly sent to the Register of Trade Union.
5. Documents showing the constitution of the Managing Committee when the dispute is taken up in case proceed.

Sri B. N. Sharma the representative of the workman received the copy of the said application on 7-1-91 and on 8-1-91 he has made endorsement on that petition stating "these documents will not be produced". By making that endorsement he has urged before me that these documents are not relevant for the purpose of this case. He has cited before me the cases reported in 1983(II)L.L.J. page 429 and 1983(II) L.L.J. 425 to show that the management has no right to raise such objection. With due respect to his contention I like to say that the principles of those two cases cannot be made applicable in the instant case. In the instant case I find that the union has refused to produce the documents. So adverse presumption must be drawn against the union u/s 114 of the Indian Evidence Act. It must be held that the documents, if produced, would substantiate the case of the management. So considering all the facts and circumstances of the present case I find that the non-production of the said called for documents is fatal for the union. I find that the union has no representative character to raise the dispute of the present workman. So the present Reference is bound to fail.

9. Admittedly a Voluntary Retirement Scheme No. 269 dated 12-11-86 was advertised in a paper "Yours Faithfully". The copy of the Scheme has been marked as Ext. M-2. It is admitted that on 20-3-87 the present workman Sri Ram Kishore Routh filed an application in a prescribed form praying for voluntary retirement under the said scheme w.e.f. 8-5-87. The said application has been marked as Ext. M-1 on admission. It appears that the said application was accepted on 20-3-87. It is also admitted that the prayer was given effect to w.e.f. 8-5-87. There is nothing on record to show that the workman was not given or deprived any of the benefits circulated under the scheme. So from the materials on record and the facts and circumstances we find that the resignation of the concerned workman was accepted in response to the advertisement and he was given all the benefits under the Voluntary Retirement Scheme. But the Schedule of the Reference is otherwise. It reads as follows :

"Whether the action of the Management of Ramnagore Colliery of M/s. Indian Iron and Steel Co. Ltd., P.O. Kulti, Distt. Burdwan in not accepting the resignation letter of Sri Ram Kishore Routh, Watchman in response to their advertisement and to give him the benefits under Voluntary Retirement Scheme, is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

So from the Schedule of the Reference it appears that the dispute has been referred to this Tribunal to adjudicate whether the non-acceptance of the resignation was justified. In view of the schedule of Reference I find that there is no case of the union as the resignation was accepted and he was given all the benefits under the Voluntary Retirement Scheme as notified in Ext. M-2. So the workman is not entitled to get relief under this Reference.

10. Be that as it may, the workman has ventilated before this Tribunal that he filed the application Ext. W-1 on 20-3-87 imposing certain conditions for acceptance of his resignation letter. But the same was not considered by the management. From Ext. W-1 we find that the workman imposed certain conditions as pre-condition of acceptance of his resignation. These conditions are not according to the terms of the Scheme Ext. M-2. So the question of acceptance of those conditions does not arise.

The workman has claimed that he filed this Ext. W-1 with the application Ext. M-1. From the written statement itself I have no hesitation to hold that the claim of the workman is false on that score. In para 10 of the written statement it has been clearly stated that he submitted his resignation on 20-3-87 under the Voluntary Retirement Scheme. But subsequently when from reliable source he came to know that all the benefits were not given to him, he withdrew his resignation. He claims that he had withdrawn the application Ext. M-1 before acceptance of the same. Considering all the facts and circumstances it cannot be believed that the application for conditional voluntary retirement Ext. W-1 was filed on 20-3-87 before acceptance of resignation as from Ext. W-1 we find that his resignation was accepted on 20-3-87. The representative of the union has cited before me the

case reported in 1985(H) L.L.J. page 96 to show that the workman had the right to withdraw the resignation before acceptance of the same. With respect to his contention I like to say that it is the settled position of law that everyone has the right to withdraw resignation before acceptance of the same. But in the instant case we find that the resignation was not withdrawn before acceptance of the same. So the principles laid down in the said case cannot be made applicable in the instant case. I find that the resignation of the workman Sri Ram Kishore Routh was properly accepted before its withdrawal and he was given all the benefits under the Voluntary Retirement Scheme.

11. In the result the Reference fails. The workman Sri Ram Kishore Routh is not entitled to get any relief under this Reference.

This is my Award.

N K. SAHA, Presiding Officer

[No. L-22012/101/88-D.IV(B)]

RAJA LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1991

का.आ. 509—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिन्डीकेट बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आलापुसा के पंचपट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 29th January, 1991

S.O. 509.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Alappuzha as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Syndicate Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 21-1-91.

ANNEXURE

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
ALAPPUZHA

(Dated this the 18th day of December, 1990)

PRESENT :

Shri K. Kanakachandran,
Industrial Tribunal.

I.D. No. 8/89

BETWEEN :

The Deputy General Manager, Syndicate Bank, West Coast Zone, Mangalore.

AND

The Assistant Secretary, Syndicate Bank Staff Association, T. D. Road, Ernakulam, Cochin-35.

Representations :

Sri. R. Raya Shenoi, Advocate, Shenoi Nivas, M. G. Road, Ernakulam, Cochin-682035.

—For Management.

Sri. M. C. Nambiar, Advocate, Ernakulam North, Cochin-18.

—For Workman.

AWARD

1. This Industrial dispute is referred to this Tribunal by the Government of India under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Dispute Act. The issue shown in the reference order reads as follows :—

"Whether the action of the Syndicate Bank, Mangalore in imposing a punishment of stoppage of one increment without cumulative effect and also issue of warning to Shri Ramkumar Pai, Clerk, Cochin Main Branch of the Syndicate Bank for alleged misconduct committed on 16-1-81, 23-2-81 and also on 24-2-81 was correct? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The Management charge sheeted the workman concerned in the dispute alleging certain misconduct. The charges levelled against him were :

1. On 16-1-1981 you approached the Sub Manager of the Branch and requested him to discount a cheque for Rs. 500. That being a local cheque the Sub Manager did not accede to your request. Therefore, you came to the Branch Manager and demanded that the said cheque should be discounted as you are employee of the Bank. All this stage, the Manager told you that since the cheque which you wanted to discount was drawn on Perumanoor Cochin Branch, you could very well arrange to encash the same at the Perumanoor Branch. Further on verification from our Perumanoor Branch it was learnt that the drawer of the cheque was one Mr. M. B. Bhat, Attender of Perumanoor Branch and the balance to the credit of his account was only Rs. 1.59 as on 16-1-1981. Thus you had attempted to get the cheque discounted knowing fully well that balance under the account on which cheque was drawn was insufficient to honour the cheque.

2. It has been further alleged that on 16-1-1981 at about 11.15 A.M., Smt. Mariamma George, Clearing Officer asked you to include a cheque in the clearing schedule. But you refused to do so. When the said Officer told you that the Manager wanted the cheque to be cleared on the same day, you remarked that if the cheque came from inside the cabin you would never accept it. Only after having apprised you by the Officer that failure to carry out the lawful and reasonable orders of the superior attracts disciplinary action, you accepted the cheque. You are therefore, charged with minor misconduct of "failing to show proper consideration, courtesy and attention towards Officers and unsatisfactory behaviour while on duty vide Clause 19.7(j) of the Bipartite settlement.

3. Further on 23-2-1981, you had refused to attend the clearing house on the plea that you should be given Rs. 12 per day as conveyance allowance or arrangement be made by the Bank to provide you the conveyance. Despite the concerned Officer told you that there is no practice of providing conveyance by the Bank, you refused to attend Clearing House. Therefore, local management had to make alternate arrangement. Further you also refused to attend clearing house on 24-2-1981. You are therefore charged with gross misconduct of "disobedience of any lawful and reasonable orders of the Management or Superior" vide clause 19.5(e) of the Bipartite settlement.

3. Based on the above charges a domestic enquiry was conducted against the delinquent workman. The Enquiry Officer after conducting an elaborate enquiry came to the conclusion that the management could establish only two of the charges namely the second and third charges. On the first charge the Enquiry Officer held that the management could not establish the allegation levelled against him. Based on that enquiry and finding, the disciplinary authority imposed the punishment of warning on second charge and barring of an increment for one year without cumulative effect on the third charge. On appeal filed by the workman, the appellate authority confirmed the punishment imposed by the disciplinary authority.

4. In the claim statement filed by the union, it is stated that the enquiry conducted against the worker was not at all proper and the Enquiry Officer was all along behaving in a partisan manner. The Enquiry Officer did not allow several pertinent questions which were very relevant to establish the case of the delinquent workman. On the second charge it is contended that there was no occasion for disobeying the orders of the Superior Officer. The allegation that he had violated reasonable and lawful orders of his Superiors was not established even at the time of enquiry. Regarding the third charge it is the stand of the union that since 23-2-1981, was "Bharath Bandh" day, it was practically impossible to attend Clearing Works on that day. Even Auto-rickshaws were not available on that day for travelling. Because of the Bandh, many of the Banks did not even function and on account of that nobody from those Banks came to attend the clearing house. In fact the workman had only expressed his inability to go for clearing work on account of the non-availability of vehicle on that day. In view of these reasons union contends that the punishment of warning imposed on the second charge and stoppage of increment without cumulative effect imposed in relation to the third charge are to be declared as illegal and improper.

5. In the counter statement filed by the management they rejected the contention that the Enquiry Officer himself deleted the first charge. In fact the Enquiry Officer only found the first charge as unsustainable. Regarding the enquiry it is the stand of the management that a fair and proper enquiry was conducted in strict compliance of the principles of natural justice. At no occasion, the delinquent was denied permission to ask any particular question. The allegation against the Enquiry Officer regarding bias is also controverted by the management.

6. On the second charge levelled against the workman the management contends that the workman disobeyed the orders of his Superior and that was clearly established at the time of domestic enquiry. The contention that the workman obeyed the concerned Officer in the matter of inclusion of a cheque is also denied by the management. According to them, the delinquent refused to obey the reasonable orders of the Manager also. On the third charge it is the stand of the management there was no effective "Bandh" on the date 23-2-1981 either in Kerala or in Ernakulam. According to them, this was spoken to by the workman himself while tendering evidence before the Enquiry Officer. Moreover, the ineffectiveness of the bandh was established by another workman who had gone for clearing work on the same day. Although at the time of enquiry the workman tried to project a case that only on account of the difficulty in travelling he could not go for clearing work, really what had been done by him was virtual refusal to carry out the work assigned to him by the Manager on that day. The maintenance of internal discipline in the Bank is very essential for the sound administration of the banking industry. It is also contended that the punishment imposed was very minor in nature and that itself was after conducting proper enquiry. It is also pleaded that in case this Tribunal finds that the enquiry conducted was irregular, an opportunity might be given to the management to establish the charges by adding additional evidence.

7. After the filing of respective statements and documents in this dispute, the matter was posted for evidence of parties. The learned counsel appearing for the union Sri M. C. Nambiar had submitted that union is not seriously challenging the validity of the enquiry. It was also submitted that the matter might be heard in details with reference to the materials on record.

8. After taking a stand that the enquiry is not vitiated, the union now contends that the findings arrived at by the Enquiry Officer are perverse and not supported by any evidence. The learned counsel for the union argued in details on each charge with reference to the materials available on record.

9. It is brought out from the enquiry files that on the first charge, the workman was exonerated by the Enquiry Officer through his finding. Against that finding, no different conclusion had been arrived at by the management. Therefore it is unnecessary for me to reopen the matter for fresh consideration.

10. On the second charge, the Enquiry Officer found the workman as guilty. After discussing elaborately the oral evidence of the management witnesses and the workman, the Enquiry Officer came to the conclusion that the delinquent was found guilty of that charges. According to the Enquiry Officer, the behaviour on the part of the delinquent was not at all in the manner as expected from a Bank employee. It was also found that he not only ignored the request of the Officer concerned but also disobeyed the instructions of the Manager for including a particular cheque for sending the same for clearance. The Enquiry Officer attributed certain reasons for such behaviour on the part of the delinquent employee. The delinquent had grievance for not acceding his request for discounting a cheque for Rs. 500 on that day by the Manager. The case of the management is that the cheque he tried to discount was a local cheque and the Manager refused to discount it after ascertaining from the drawee Bank that there was no sufficient balance in the account of the drawer of the cheque. The action on the part of the Manager in refusing to the discount the cheque presented by the delinquent might be one of the reasons for indifferent attitude towards his Superior on that particular day. Since there is no other convincing material on the side of the delinquent to discredit the evidence of the management witnesses, I do not think that the conclusion of the Enquiry Officer is perverse. Moreover even for such kind of insubordination, the punishment awarded was only a warning. Hence I do not think it is neither fair nor proper to interfere on such minor punishment imposed on the proved charge of disobedience.

11. On the third charge, the case projected by the workman was that on account of a Bharath Bandh day, he could not go to the clearing house on 23-2-1981. On the other hand the case of the employer is that on the same day, another employee was deputed and he could attend the clearing house without any difficulty. It has been brought in evidence that the delinquent was making request for paying him Rs. 12 per day as conveyance allowance whenever he did go for clearing house. He was making claim for Rs. 12 per day as evidenced by his own letter dated 19-3-1982 which was sent by him subsequently i.e., after relieving him from clearing work. On the basis of records, the Enquiry Officer came to the conclusion that the workman was making demand for Rs. 12 per day for attending clearing house work right from 16-2-1981 onwards. Therefore it is a fact that the workman was making demand for additional payment of Rs. 12 per day as a precondition for attending clearing house work. If such demand was on genuine grounds, that should have been sorted out at the union level because it is a matter which involves monetary benefits to employees. The Manager, of a Bank cannot concede such demand based on individual request. If the workman had genuine grievances that should have been projected through the bargaining agency and not by fighting individually. It is also established in the enquiry by the management that after shifting the delinquent from the clearing house work, another employee was attending that work without insisting for any additional allowance at the rate of Rs. 12 per day. In view of this, I do not find justification on the part of the delinquent not to carry out the instructions of the Manager. The conclusion that there was insubordination on the part of the delinquent is well supported by the deposition of all the management witnesses. Moreover, for such kind of insubordination, the punishment awarded is only the barring of one increment without any cumulative effect. According to me, the reason held by management for such minor punishment cannot be assailed in an adjudication proceeding, unless there is patent malafides on the action of management especially when the domestic enquiry itself is conceded.

In the result an award is passed holding that no interference is called for on the punishment imposed on the delinquent.

(Dated this the 18th day of December, 1990).

K. KANAKACHANDRAN, Industrial Tribunal.

[No. L-12012/533/88-D.II(A)]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

APPENDIX

Documents produced on the side of the Management.
Entire Enquiry Files.

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1991

का.आ. 510.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948(1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम प्रवर्तन से मैसर्स वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान के अधीन प्रयोगशालाएं संस्थाएं जो विनिर्दिष्ट सूची के परिशिष्ट में नियुक्त नियमित कर्मचारियों को 11 जून, 1968 से 16 नवम्बर, 1973 तक की जिसमें यह दिनांक भी सम्मिलित है की अवधि के लिये छूट प्रदान करती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदविधान दिखाये जाएंगे;

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिये वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते,

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिये यदि कोई अभिदाय पहले ही किये जा चुके हों तो वे वापस नहीं किये जाएंगे,

(4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है), ऐसी विवरणियों ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी,

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उप-धारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

(i) धारा 44 की उप-धारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित के प्रयोजनार्थ

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिये रखे गये थे या नहीं; या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिये गये उन फायदों को, जिसके प्रतिफल स्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट बी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिये सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करने कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है :

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधि-भोगाधीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संवाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे, जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अधिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाये, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है परीक्षा करना, या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गये किसी रजिस्टर, लेखा-बही या अन्य दस्तावेज की मकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

सूची

क्रमांक प्रयोगशाला संस्थान का नाम

1. केन्द्रीय खाद्य एवं प्रौद्योगिक अनुसंधान संस्थान, बेंगलूर
2. राष्ट्रीय एयरोनोटिक्स प्रयोगशाला, बेंगलूर
3. विश्वारिया प्रौद्योगिक एवं प्रौद्योगिक संग्रहालय, बेंगलूर
4. क्षेत्रीय प्रयोगशाला, अनुसंधान, हैदराबाद स्पष्टीकरण ज्ञापन

इस मामले में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन पर कार्यवाही करने में समय लगा था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट की भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 31st January, 1991

S.O. 510.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91-A of the Employees' State Insurance Act, 1948, (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of the Laboratories/Institutes under the Council of Scientific and Industrial Research as specified in the Schedule annexed hereto from the operation of the said Act for a period with effect from 11th June, 1968 upto and inclusive of the 16th November, 1973.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid establishment wherein the employees are employed shall maintain register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates ;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid shall not be refunded ;
- (4) The employer of the said factory/establishment shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period) such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under Sub-section (1) of the Section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of :—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the period ; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations 1950 for the said period ; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the

period when such provisions were in force in relation to the said factory empowered to :—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine accounts, books and other documents relating to the employment of personal and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or
- (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises,

SCHEDULE

Sl. No. Name of the Laboratories/Insts.

1. Central Food and Technological Research Institute, Bangalore.
2. National Aeronautical Laboratory, Bangalore.
3. Visweswarayya Industrial and Technological Museum, Bangalore.
4. Regional Research Laboratory, Hyderabad.

[No. S-38014(25)/90-SS-I]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का.प्रा. 511 :—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) और भारत सरकार, श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 1591 दिनांक 8 जुलाई, 1989 का अधिक्रमण करते हुए, की धारा 91-क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम प्रवर्तन से मैसर्स इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर को-ऑपरेटिव लिमिटेड, कलोल जिला गांधी नगर नियुक्त नियमित कर्मचारियों को प्रथम अप्रैल, 1987 से 30 सितम्बर, 1991 तक की जिसमें यह दिनांक भी सम्मिलित है अवधि के लिए छूट प्रदान करती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाए जाएंगे,

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करने रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व गम्हरा अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते,

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापस नहीं किए जाएंगे,

(4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देती थी,

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उप-धारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

- (i) धारा 44 की उप-धारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ;
- (ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं ; या
- (iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिये गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिमूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद म और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं ; या
- (iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रयुक्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

- (क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करने कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदाधिकारी आवश्यक समझता है;
- (ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे, जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या
- (ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभि-कर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी

के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना, या

- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना ।

[संख्या एस-38014/8/88-एम.एस-1]

ए.के. भट्टारै, अवर सचिव

स्पष्टीकरण ज्ञापन

इस मामले में छूट को भूलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन पर कार्यवाही करने में समय लगा था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 511.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91-A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1591 dated 8-7-1989 the Central Government hereby exempts the regular employees of Indian Farmers Fertilizer Cooperative Ltd., Kalol, District Gandhinagar from the operation of the said Act for a period with effect from 1st April, 1987 upto and inclusive of the 30th September, 1991.

The above exemption is subject to the following conditions namely :—

- (1) The aforesaid establishment wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees.
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates.
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory/establishment shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950.
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of :—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of the section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory to empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine accounts, books and other documents relating to the employment of personal and payment of wages or to fur-

nish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishments office or other premises.

[No. S-38014/8/88/SS-1]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

